WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 8 | छत्तीसगढ़ 11 | देश विदेश

रायपुर, मंगलवार, 18 नवंबर 2025 शुक्ल पक्ष- त्रयोदशी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-14 अंक- 272 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

लालटेन वाले बाबा लालू का परिवार बिखराव की कगार पर पहुंच गया है। जिस बेटी रोहिणी आचार्य ने लालू को अपनी किडनी दी थी उन्हें अपमानित कर दूध में पड़ी मक्खी की तरह निकाल बाहर कर दिया गया। इसके पहले उनकी बड़ी बहू एश्वर्या को भी बेइज्जत कर घर से निकाला गया था। फिर बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को भी बेदखल किया गया था। जो तेजस्वी यादव बिहार से पलायन रोकने का दम भर रहे थे वे अपने घर के सदस्यों को ही पलायन पर बाध्य कर रहे हैं। लगता है कि बुझी लालटेन अब टूटकर रहेगी।

भारत-दक्षिण अफ्रीका के वनडे मैच 3 दिसंबर को, टिकटों की दर जारी

■ कैसे और कब से ले सकेंगे टिकट, स्टूडेंट्स को सिर्फ आठ सौ में मिलेंगे टिकट

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले दूसरे वन डे मैच को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इस संबंध में छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने प्रेसवार्ता कर मुकाबले से संबंधित जानकारी दी। मुकाबला 3 दिसंबर को होगा इसके लिए टिकटों की बिक्री 22 नवंबर से ■ शेष पृष्ठ 6 पर

टिकट की कीमत

स्टैंड्स की टिकट- 1500, 2500, 3000, 3500,
सिल्वर- 6000 रूपए
गोल्ड- 8000 रूपए
प्लैटिनम- 10000 रूपए
कॉर्पोरेट बॉक्स- 20000 रूपए
ऑनलाईन 22 और ऑफलाईन 24 नवंबर से मिलेगी टिकट

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने आभार जताया

शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय नवा रायपुर को छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ को सौपें जाने के सरकार के निर्णय हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के डायरेक्टर विजय शाह तथा बलदेव सिंह भाटीया ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री तथा खेल मंत्री अरुण साव, उपमुख्य विजय शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह, खेल एवं युवा कल्याण विभाग सचिव यशवंत सिंह तथा संचालक तनुजा सलाम का विशेष रूप से आभार तथा धन्यवाद प्रकट किया। साथ ही विजय शाह ने इस संबंध में मीडिया के निरंतर सहयोग हेतु आभार प्रकट किया।

बस-टैंकर की भीषण टक्कर, उमराह के लिए गए 45 भारतीयों की मौत

ओवैसी ने की विदेश मंत्री से मारे गए लोगों के शवों को भारत लाने में मदद की अपील

जेदहा(वार्ता)। सऊदी अरब में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई है। मरने वालों में अधिकतर हैदराबाद के निवासी थे। यह हादसा उस समय हुआ, जब उमराह के लिए गए लोगों को लेकर जा रही बस एक तेल के टैंकर से टकरा गई। सऊदी अरब के मीडिया की रिपोट्र्स के अनुसार, हादसा मदीना के नजदीक हुआ और हादसे में मरने वाले भारतीय उमराह यात्री हैं। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त ने इसकी पुष्टि की है। पीएम मोदी, एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से हादसे में मारे गए लोगों के शवों को वापस भारत लाने में मदद की अपील की है।

डीजल टैंकर से टकराई बस

गल्फ न्यूज की रिपोट्र्स के अनुसार, उमराह गए लोगों को लेकर बस मक्का से मदीना जा रही थी, जब वह रास्ते में डीजल टैंकर से टकरा गई। हादसा स्थानीय समय अनुसार, सुबह करीब 1.30 बजे मुहरास या मुफरिआत इलाके में हुआ, जो मदीना के करीब है। हादसे के समय कई यात्री सो रहे थे। टक्कर लगते ही बस आग की लपटों में घिर गई और लोगों को ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ट्रैवल एजेंसियों और दूतावास से मांगी जानकारी

हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी सऊदी अरब में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया। ओवैसी ने कहा कि उन्होंने हैदराबाद की दो ट्रैवल एजेंसियों से संपर्क किया है और उनसे सऊदी अरब गए हैदराबाद के लोगों की जानकारी मांगी है। साथ ही रियाद दूतावास से भी संपर्क किया है। ओवैसी ने कहा कि उन्होंने रियाद में स्थित भारतीय दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन अबु मैथ्यू जॉर्ज से भी बातचीत की है, जिन्होंने बताया कि वे हादसे से जुड़ी जानकारी जुटा रहे हैं और जल्द ही उन्हें इस बारे में अपडेट करेंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने किया ट्वीट

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मदीना में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया और सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हमारा रियाद स्थित दूतावास और जेद्दाह में मौजूद महावाणिज्य दूतावास हादसे से प्रभावित लोगों की मदद कर रहा है। विदेश मंत्री ने हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सऊदी अरब हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम दूतावास अधिकारियों के संपर्क में हैं और पीडितों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है और हरसंभव मदद की कोशिश की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने पीडित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सऊदी अरब हादसे पर दुख जताया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि 'मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुए हादसे से बेहद दुखी हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं हादसे में घायल लोगों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। रियाद स्थित हमारा दूतावास और जेद्दाह का महावाणिज्य दूतावास हरसंभव मदद मुहैया करा रहे हैं। हमारे अधिकारी भी सऊदी अरब सरकार के अधिकारियों के संपर्क में हैं।

स्टालिन ने भारतीयों की मौत पर जताया शोक

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को सऊदी अरब के मदीना के पास हुए बस हादसे पर दुख व्यक्त किया। इस हादसे में उमराह करने जा रहे 42 भारतीय तीर्थयात्रियों के मारे जाने की रिपोर्ट है।

बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री को सुनाई मौत की सजा

दिल्ली (वार्ता)। बंगलादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सज़ा सुनायी है। आईसीटी-बीडी ने पिछले साल सरकार के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान घातक कार्रवाई के लिये हसीना को मौत की सजा सुनायी है। न्यायाधिकरण ने उनके अलावा पूर्व गृह मंत्री असदोज्जमां खान कमाल को भी मौत की सजा सुनायी है।इन दोनों को 'मानवता के विरुद्ध विभिन्न अपराधों 'के लिए दोषी ठहराया गया था। हसीना इस समय में भारत में हैं और उनकी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारत शेख हसीना को तुरंत वापस भेजे

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को सुनाई गई मौत की सजा पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हम बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से संपर्क बनाए रखेंगे।6 विदेश मंत्रालय ने ये प्रतिक्रिया बांग्लादेश की तरफ से आए उस बयान के बाद दी जिसमें पड़ोसी देश ने कहा है कि शेख हसीना को सुनाई गई सजा के बाद उन्हें ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सजा पर शेख हसीना की पहली प्रतिक्रिया

न्यायाधिकरण के फैसले को लेकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मेरे खिलाफ सुनाए गए फैसले एक धांधली वाले न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए हैं, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है। वे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित हैं। शेख हसीना ने कहा कि आईसीटी में कुछ भी अंतरराष्ट्रीय नहीं है; ■ शेष पृष्ठ 6 पर

नीतीश सरकार ने की 17 वीं विस भंग करने की सिफारिश

पटना (वार्ता)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से सोमवार को मुलाकात कर 17 वीं विधानसभा भंग करने की सिफारिश की। नीतीश कुमार की अध्यक्षता में पूर्वाह्न मंत्रिमंडल की हुई बैठक में 17 वीं विधानसभा को भंग करने की सिफारिश से संबंधित प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को पांच साल के कार्यकाल में सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। बाद में नीतीश कुमार ने राज्यपाल से मिलकर बिहार विधानसभा भंग करने की मंत्रिमंडल से संबंधित पत्र उन्हें सौंपा। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के दो दिन बाद, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने रविवार को पटना में राजभवन में श्री खान को राज्य विधानसभा के 243 नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची सौंपी थी। इसकी अधिसूचना भी जारी हो गयी

बिहार चुनाव परिणाम के खिलाफ कोर्ट जाएगा राजद !

पटना (वार्ता)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार और रोहिणी आचार्य के विरोध के बाद तेजस्वी यादव राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं के साथ बैठक की। तेजस्वी यादव को विधायकों ने सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुन लिया। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त मिलने के बाद आज पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेताओं के साथ समीक्षा बैठक की। पटना के एक पोलो रोड स्थित तेजस्वी आवास पर या बैठक हुई है। करीब चार घंटे तक बैठक चली। राजद नेताओं के साथ तेजस्वी ने बिहार विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा की। इसके बाद तेजस्वी को विधायक दल का नेता चुन गया। राजद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि तेजस्वी को विधानमंडल दल का नेता चुना गया है। वह विधानसभा में पार्टी के नेता होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस चुनाव में इन मशीनों) का दुरुपयोग किया गया। जनता के साथ गलत किया गया। बैठक में विधायक आलोक मेहता ने कहा कि चुनाव में गड़बड़ी हुई है। इसीलिए ऐसा चौंकाने वाला परिणाम आया है। राजद के महज 25 प्रत्याशी ही विधानसभा चुनाव जीत पाए।

सीएम ममता ने फिर लिखा पीएम मोदी को पत्र

कोलकाता वार्ता)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने केंद्र सरकार से यह अनुरोध दोहराया कि दार्जिलिंग हिल्स के गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर वार्ता के लिए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को नियुक्त करने का आदेश वापस लिया जाए। अपने दो पन्नों के पत्र में बनर्जी ने कहा कि यह कदम संविधान के प्रावधानों और गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन (जीटीए) अधिनियम , 2011 के तहत राज्य के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 18 अक्तूबर को अपना पहला पत्र लिखा। इसमें उन्होंने लिखा था कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने उनकी चिंताओं को स्वीकार किया था।

छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन भारत ने दिया इस्तीफा

■ पिछले साल ही सरकार ने की थी नियुक्ति

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन भारत ने महाधिवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पत्र राज्यपाल को सौंपा है। बता दें कि जनवरी 2024 में राज्य सरकार ने उनकी नियुक्ति की थी। मंत्रिपरिषद की बैठक में उनके नाम पर अंतिम मुहर लगने के बाद विधि विधायी विभाग ने पदस्थापना आदेश जारी किया था।

प्रफुल्ल एन भारत मूलतः जगदलपुर के रहने वाले हैं। विधि की डिग्री लेने के बाद उन्होंने जबलपुर हाईकोर्ट से वकालत प्रारंभ की। पांच साल तक जबलपुर हाईकोर्ट में वकालत करते रहे। इसी बीच छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की स्थापना हुई। इसके बाद वे जबलपुर से बिलासपुर आ गए। यहां वकालत प्रारंभ की। महाधिवक्ता रविंद्र श्रीवास्तव के कार्यकाल में पहले पैनल लायर बने फिर अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर कार्य प्रारंभ किया। राज्य में सत्ता परिवर्तन के साथ ही महाधिवक्ता व अन्य विधि अधिकारियों के साथ ही उन्होंने पर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

धमाके के दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकालेंगे: शाह

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली धमाके के अपराधियों को हम 'पाताल यानी नर्क की गहराइयों से भी ढूंढ निकालेंगे और उन्हें सबसे सख्त सजा दिलाएंगे। शाह ने क्षेत्रीय परिषद की बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद को जड़ से समाप्त करना हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता है। इस बीच, लाल किला के पास 10 नवंबर को विस्फोट में मार गए लोगों का आंकड़ा 15 हो गया है। धमाके में घायल दो और शख्स ने सोमवार को उपचार के दौरान दमतोड़ दिया। मृतकों की शिनाख्त विनय पाठक (55) और लुकमान (50) के रूप में हुई है।

प्राकृतिक खेती शिखर सम्मेलन का मोदी करेंगे उद्घाटन

चेन्नई (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवंबर को कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन-2025 का उद्घाटन करेंगे। इसका उद्देश्य सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, सुरक्षित खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करना तथा किसानों की आजीविका में सुधार लाना है। इस तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन का विषय है भविष्य के लिए खेती, परंपरा में निहित है जिसका आयोजन कपड़ा नगरी के विशाल कोडिशिया व्यापार मेला परिसर में होगा।

मोदी ने अपने संदेश में कहा कि हमारे भविष्य का समाधान अपनी जड़ों की ओर लौटने में निहित है। उन्होंने कहा कि प्रकृति दोहन करने वाला कोई संसाधन नहीं, बल्कि सम्मान योग्य भागीदार है। सूत्रों के अनुसार दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन का आयोजन स्थायी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने, सुरक्षित खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करने, पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को पुनर्जीवित करने तथा किसानों की आजीविका में सुधार लाने के लिए किया जा रहा है।

भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति और परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) जैसी राष्ट्रीय पहलों से प्रेरित यह शिखर सम्मेलन एक मंच के अंतर्गत शोध, नीति, किसान अनुभव और उपभोक्ता आवश्यकताओं को समाहित करता है। इस शिखर सम्मेलन में 30,000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने का अनुमान है, जिसमें किसान, कृषि उद्यमी, नीति निर्माता, प्राकृतिक कृषि समर्थक, स्टार्ट-अप, शिक्षाविद, उपभोक्ता समूह और युवा नेता शामिल होंगे। इसका उद्देश्य प्राकृतिक खेती एवं पारंपरिक खाद्य प्रणालियों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देना; किसान-उत्पादक संगठनों एवं ग्रामीण उद्यमियों के लिए बाजार संपर्क बनाना, जैविक आदानों, कृषि प्रसंस्करण, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

सबका साथ सबका विश्वास

गाड़ा समाज बूढ़ादेव महोत्सव में शामिल हुए सीएम साय

माओवाद समाप्ति की ओर, 'नियद नेल्लानार' से ग्रामीणों को मिल रहा लाभ

■ 127 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-शिलान्यास

जगदलपुर /नवप्रदेश। बस्तर में नक्सलवाद तेजी से समाप्ति की ओर अग्रसर है। 'नियद नेल्लानार योजना6 के तहत अंदरूनी क्षेत्रों के ग्रामीणों को शासन की मूलभूत योजनाओं से तेजी से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश के अन्य हिस्सों की तरह बस्तर को भी विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाना है। प्रदेश सरकार ने लगभग दो वर्षों की अल्पावधि में ही अधिकांश गारंटियों को पूरा कर लिया है तथा छत्तीसगढ़ को समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री साय ने आज कोण्डागांव में गाड़ा समाज द्वारा आयोजित बूढ़ादेव महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर 127 करोड़ रुपए के 61 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने कोनगुड़ से धनोरा मार्ग निर्माण के लिए 90 लाख रुपए, केशकाल से विश्रामपुरी मार्ग के लिए 39 करोड़ रुपए, तथा ग्राम कुधूर में अनुसूचित जनजाति बालिका 100 सीटर छात्रावास के लिए 2.71 करोड़ रुपए की घोषणा की। उन्होंने बहुउद्देशीय केंद्र, दिव्यांग सेंटर और कोचिंग सेंटर संचालित करने हेतु 1.5 करोड़ रुपए प्रदान करने की बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में कॉफी टेबल बुक, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल पुस्तिका, उच्च जोखिम गर्भावस्था हेतु हेल्पलाइन नंबर, हेलमेट बैंक तथा सुपोषित विकास चार्ट का भी विमोचन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में रजत महोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों की कमी नहीं है, यहां की मिट्टी अत्यंत उर्वरा है। प्रदेश में 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं। किसानों से 15 नवम्बर से धान खरीदी शुरू कर दी गई है। महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता संग्राहक कल्याण योजनाएँ और चरण पादुका योजना के तहत लगातार हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक अच्छा किसान, व्यवसायी, जनसेवक या राजनेता बनने के लिए उत्तम शिक्षा अनिवार्य है। इसलिए सभी लोग बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें। विधायक लता उसेंडी ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आगमन पर पारंपरिक वाद्ययंत्र मोहरी का सामूहिक वादन कर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री साय ने बूढ़ादेव की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना भी की। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद महेश कश्यप, सांसद भोजराज नाग, विधायक नीलकंठ टेकाम, कांकेर विधायक आशाराम नेताम, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, कमलचंद्र भंजदेव, पूर्व सांसद मोहन मण्डावी, पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी तथा गांडा समाज के पदाधिकारी प्रदीप कुलदीप, डॉ. किरण बघेल और अशोक चौहान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेजों में 125 प्राध्यापकों की होगी भर्ती

रायपुर /नवप्रदेश । स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देने और मेडिकल शिक्षा को आधुनिक मानकों पर सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 125 सहायक प्राध्यापक पदों पर सीधी भर्ती की घोषणा की है। विभिन्न विषयों में बड़ी संख्या में पद स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें पैथोलॉजी, मेडिसिन, सर्जरी, बालरोग, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, गायनेकोलॉजी, कम्युनिटी मेडिसिन, फॉरेंसिक मेडिसिन, माइक्रोबायोलॉजी, फिजियोलॉजी, एनाटॉमी जैसे प्रमुख विभाग शामिल हैं। राज्य के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के 35 विभागों में 125 सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने विज्ञापन जारी किया है। इसमें ऑनलाइन आवेदन 25 नवंबर से 24 दिसंबर 2025 तक छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा उपलब्ध लिंक पर किए जा सकेंगे।

देश का सबसे बड़ा शिवलिंग, हर साल बढ़ता है इसका आकार, 3 से बढ़कर हुआ 25 फीट

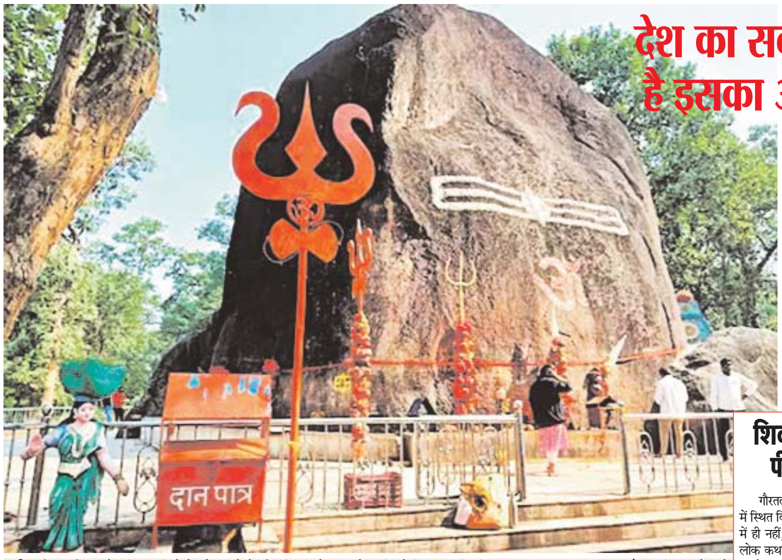

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में घने जंगलों के बीच स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान शिवलिंग का आकार हर साल बढ़ जाता है. अचंभित करने वाले देश के सबसे बड़े शिवलिंग की महिमा से सभी हैरान है. मंदिर में स्थापित पूरी तरह से प्राकृतिक शिवलिंग का आकार हर साल बढ़ता है।

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में घने जंगलों के बीच स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान शिवलिंग का आकार हर साल बढ़ जाता है. अचंभित करने वाले देश के सबसे बड़े शिवलिंग की महिमा से सभी हैरान है. मंदिर में स्थापित पूरी तरह से प्राकृतिक शिवलिंग का आकार हर साल बढ़ता है।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से 3 किलोमीटर दूर मरौदा गांव में स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान देश के सबसे बड़े शिवलिंग का आकार हर साल थोड़ा बढ़ जाता है. मौजूदा समय में शिवलिंग की लंबाई लगभग 25 फीट और चौड़ाई 20 फीट है, जो कभी 3 फीट हुई करती थी।

प्राकृतिक चमत्कार का प्रतीक है गरियाबंद भूतेश्वर मंदिर

एक चट्टान पर गायों द्वारा दूध छोड़ने की खबर जैसे गांव के बुजुर्गों तक पहुंची और उस जगह पर खुदाई की गई. खुदाई के दौरान से एक विशाल शिवलिंग पाया गया. तब से इस स्थान को भूतेश्वर (भूतों के ईश्वर) के नाम से जाना जाने लगा है. घने जंगल और शांत पहाड़ियों के बीच स्थित भूतेश्वर मंदिर प्राकृतिक चमत्कार का भी प्रतीक है.

सावन, महाशिवरात्रि और सोमवती अमावस्या जैसे पावन अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गरियाबंद स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं. मान्यता है कि रात में भी यहां से घंटियों की आवाज और 'ऊं नमः शिवाय' के मंत्र सुनाई देते हैं।

3 फीट से बढ़कर लगभग 25 फीट का हो चुका है शिवलिंग

गौरतलब है भारत में देवाधिदेव महादेव के हजारों मंदिर हैं, जो आध्यात्मिक मान्यता और चमत्कारों के लिए विख्यात हैं, लेकिन भूतेश्वर मंदिर में स्थित शिवलिंग बहुत खास है, जो खुद प्रकट हुआ है और हर साल इसका आकार बढ़ रहा है. बताते हैं कि. जब यह शिवलिंग खोजा गया था, तब महज 3 फीट का था, लेकिन अब यह लगभग 25 फीट का हो चुका है।

शिवलिंग के बढ़ते आकार के पीछे है रहस्यमयी कहानी

गौरतलब है गरियाबद के घने जंगल में स्थित भूतेश्वर मंदिर में स्थित विशाल शिवलिंग की खासियत सिर्फशिवलिंग के आकार में ही नहीं, बल्कि इसके पीछे की रहस्यमयी कहानियों में भी है. लोक कथाओं के अनुसार, गांव के कुछ चरवाहे जंगल में मवेशी चराने गए थे. उन्होंने देखा कि एक चट्टान पर गायें अपने आप दूध छोड़ देती हैं।

200 नग नशीले इंजेक्शन के साथ युवक गिरफ्तार

सूरजपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध नशीली दवाएं बरामद की हैं. प्रतापपुर थाना क्षेत्र के चंदेली गांव में एक घर से 200 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए, जिनकी कीमत लगभग 1 लाख रुपये है।

सूरजपुर जिले में नशे के फैलते जाल पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है. इसी क्रम में सोमवार को संभागीय आबकारी उड़नदस्ता, सरगुजा ने एक बड़ी सफलता हासिल की. टीम ने चंद्रेली निवासी रामबरत रवि को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं।

उड़नदस्ता टीम को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि आरोपी अपने घर में अवैध तरीके से नशीला इंजेक्शन संग्रह कर उसकी बिक्री करता है. सूचना की

पुष्टि होने के बाद सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में एक टीम तुरंत आरोपी के घर पहुंची. जैसे ही टीम घर के पास पहुंची, आरोपी एक झोला लेकर भागने की कोशिश करने लगा।

तलाशी में मिले इंजेक्शन

टीम के सदस्यों ने तुरंत पीछा कर उसे पकड़ लिया उसके कब्जे से मिले झोले की तलाशी लेने पर उसमें 100 REXOGESIC Injection और 100 AVIL Injection पाए गए. दोनों ही इंजेक्शन नशीले पदार्थों की श्रेणी में आते हैं और इनका अवैध कारोबार एनडीपीएस कानून के दायरे में दंडनीय अपराध है।

आरोपी रामबरत रवि को मौके से गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद उसे प्रतापपुर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजने का आदेश दिया।

आबकारी अधिकारियों का कहना है कि नशे का कारोबार युवाओं को लगातार प्रभावित कर रहा था, जिसे रोकना बेहद जरूरी था. टीम लगातार विभिन्न इलाकों में निगरानी रख रही है और सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई की जा रही है. विभाग का उद्देश्य नशे की हर छोटी-बड़ी कड़ी को तोड़ना और इस अवैध व्यापार में शामिल लोगों को कानून के दायरे में लाना है।

कई महीनों से कार्रवाई कर रहा विभाग

सरगुजा संभागीय आबकारी उड़नदस्ता पिछले कई महीनों से नशीले पदार्थों और इंजेक्शन के अवैध कारोबार पर लगातार बड़ी कार्रवाइयां कर रहा है. इस कार्रवाई इस अभियान की 26वीं बड़ी सफलता मानी जा रही है. लगातार हो रही छापेमार कार्रवाई से पूरे सरगुजा संभाग में नशे के सौदागरों में हड़कंप मचा हुआ है।

शैक्षिक सिस्टम में भूचाल

सोशल मीडिया पर अमर्यादित टिप्पणी के चलते चार संकुल समन्वयक तत्काल पदमुक्त

कलेक्टर की कड़ी चेतावनी से प्रशासन में हड़कंप

छुरा /नवप्रदेश। जिले के शिक्षा विभाग में सोमवार का दिन भारी उथल-पुथल भरा साबित हुआ। प्रशासन ने अभूतपूर्व सख्ती दिखाते हुए एक साथ चार संकुल समन्वयकों को तत्काल प्रभाव से उनके पद से मुक्त कर दिया। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर की गई अनुचित टिप्पणियों की शिकायत के बाद हुई, जिसने पूरा विभाग हिलाकर रख दिया है।

सोशल मीडिया आज संवाद का सबसे बड़ा माध्यम है, लेकिन शासकीय कर्मचारियों के लिए यह दोधारी तलवार बन चुका है। गरियाबंद जिले में यह पहली बार है जब शिक्षा विभाग ने इतनी बड़ी संख्या में समन्वयकों को एक ही दिन में बाहर का रास्ता दिखा दिया हो।

घटना की शुरुआत: शैक्षिक ग्रुप में प्रशासन विरोधी टिप्पणियाँ

सूत्रों के अनुसार, एक शैक्षिक व्हाट्सएप ग्रुप में इन चारों संकुल समन्वयकों ने प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफअमर्यादित, अनुचित और असंगत स्वर वाले कमेंट किए थे।

जैसे ही जिला मिशन समन्वयक शिवेश शुक्ला के पास शिकायत पहुँची, उन्होंने तुरंत एक जांच टीम गठित कर मामले की तहकीकात शुरू करवाई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि–टिप्पणियाँ अनुशासनहीन,शासकीय सेवा आचरण नियमों के विरुद्ध, और प्रशासन की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाली थीं। इसके बाद किसी भी प्रकार की देरी किए बिना चारों संकुल समन्वयकों सहित ग्रुप एडमिन को भी पदमुक्त कर दिया गया। इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि शासकीय कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया पर किया गया हर शब्द आधिकारिक रिकॉर्ड जितना ही महत्वपूर्ण है।

कलेक्टर की कड़ी चेतावनी: अनुशासनहीनता किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं

जैसे ही इस पूरी घटना की जानकारी गरियाबंद कलेक्टर तक पहुँची, उन्होंने विभाग को एक बेहद कड़ा संदेश जारी किया।

कलेक्टर ने कहा – शासन एवं प्रशासन के खिलाफ सोशल मीडिया पर गलत या भ्रामक टिप्पणी करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

सभी कर्मचारी अनुशासन में रहकर समय पर कार्य करें, यह अनिवार्य है।

कलेक्टर की यह टिप्पणी केवल चेतावनी नहीं, बल्कि एक सीधा प्रशासनिक आदेश माना जा रहा है।

जिले के विभिन्न विभागों में इस वक्त चर्चा का सिर्फ एक ही विषय है।

सोशल मीडिया पर सावधान रहें अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं!

कलेक्टर का यह बयान पूरे शिक्षा तंत्र के लिए एक मजबूत संदेश है कि सरकारी कर्मचारियों की डिजिटल गतिविधियों पर अब बारीकी से निगरानी रहेगी।

डांडेसरा में 65 लाख के विकास कार्यों का भूमि पूजन

■ **विधायक संगीता सिन्हा रही मुख्य अतिथि**

डांडेसरा/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत डांडेसरा में आज लगभग 65 लाख रुपये की लागत से किए जा रहे एवं पूर्ण हो चुके विकास कार्यों का भव्य भूमि पूजन और लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ हुई।

समारोह की मुख्य अतिथि संजारीङ्कबालोद विधानसभा की लोकप्रिय विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी बालोद के अध्यक्ष श्री चंद्रेश हिरवानी ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित– तामेश्वर साहू, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गुरूर, केदारनाथ देवांगन, पूर्व सभापति जिला पंचायत बालोद, दुर्गूराम सिन्हा, उपाध्यक्ष ब्लॉक कमेटी गुरूर, धनुषराम साहू, संयुक्त सचिव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गुरूर, दीनाराम चेलक, अध्यक्ष एस.सी. सेल जिला बालोद, उमेश कुमार साहू, मीडिया प्रभारी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गुरूर, विवेकानंद साहू, सेक्टर अध्यक्ष डांडेसरा, भोजेंद्र साहू, बूथ अध्यक्ष, बाबूलाल साहू रहे। ग्राम पंचायत डांडेसरा के सरपंच श्री टोमन साहू ने सभी आगंतुकों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया।

मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा एवं अन्य अतिथियों द्वारा व्यावसायिक परिसर व टीना शेड सीमेंटीकरण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया।

भारी मात्रा में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय शराब का जखीरा पकड़ाया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। आबकारी विभाग ने जी.ई. रोड स्थित गुलमोहर कॉलोनी स्पर्श हॉस्पिटल के पास एक घर में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है। कार्रवाई के दौरान घर से महाराष्ट्र निर्मित शराब के कई ब्रांड बरामद किए गए। विभाग ने मौके पर ही घर को सील कर दिया है। यह पूरी कार्रवाई आबकारी अधिकारी अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में की गई। टीम में कुसुमलता झोले , अनिल कुमार सिंह (सब इंस्पेक्टर), दीपक गुप्ता (मुख्य आरक्षक), ओमप्रकाश सिंह (आरक्षक) और आर्यन ठाकुर (आरक्षक) शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, राजनांदगांव में पहली बार इतनी भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांड और अन्य राज्यों की शराब एक जगह से बरामद की गई है। आरोपी का नाम जितेंद्र साहू बताया जा रहा है।

द बेल वुड होटल एवं रेस्टोरेंट बिना परमिशन के चल रहा : अधिकारी चुप

टेड़ेसरा/नवप्रदेश। राजनांदगांव जिले से लगभग 13 किलोमीटर दूरी पर स्थित बस स्टैंड के समीप ही जी. ई .रोड़ से लगे द बेल वुड होटल एवं रेस्टोरेंट पंचायत की बिना एनओसी के होटल संचालक के द्वारा बिना कोई रोक-टोक संचालित किया जा रहा है। जिससे गांव का माहौल भी खराब होते नजर आ रहा है। साथ ही साथ यह सब दिखावे के लिए तो होटल है। असल में यह एक लाज की तरह उसे किया जा रहा है। जहां बिना

कोई रोक-टोक के आसानी से बाहरी व्यक्तियों का आना-जाना एवं अनैतिक कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है। जिसमें स्थानीय जिला प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा भी कोई रोक-टोक नहीं किया जा रहा है। जिसकी वजह से होटल संचालक के हौसले बुलंद नजर दिखाई दे रहा है।

पुरानी बात को लेकर दीनदयाल कॉलोनी के पास हुआ था वाद विवाद

राजनांदगांव/नवप्रदेश। पुरानी बात को लेकर हुए विवाद में प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि घटना 15 नवंबर को यह अपने दोस्तो के साथ दीनदयाल कॉलोनी शिवम मार्ट के सामने खडा था। तभी रात्रि करीबन 09:30 बजे तभी हर्ष मसीह देव ठाकुर, भविष्य मसीह और पुरानी बात को लेकर इसे मां बहन की अश्लील गाली गलौज कर जान से खतम करने की धमकी देते हुए हाथ मुक्का तथा चाकूनुमा जैसे नुकिली धारदार वस्तु से चोट पहुँचाकर जान से मारने की धमकी देते हुए इसके मोटर सायकल पल्सर क्रमांक सी.जी./08/बी.सी./2893 को क्षतिग्रस्त कर दिया। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 544/25 धारा 296,115(2),118(1),351 (2),324(4),3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा (भा0पु0से0) के मार्गदर्शन पर अति0 पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन (भा0पु0से0) व पुष्पेंद्र नायक के दिशा निर्देश पर आरोपीगणो की जल्द से जल्द गिरफ्तारी हेतु निर्देश प्राप्त हुआ।

भागवत कथा

सांकरा जोंक में कृष्ण जन्म की कथा सुनकर लोगों का छलका उत्साह

पिथोरा/नवप्रदेश। श्रीमद् भागवत कथा के प्रताप से मनुष्य के ताप और संताप दोनों मिट जाते है। भागवत कथा समस्त वेद पुराणों और उपनिषदों का सार है। जिसका श्रवण कर हम अपना ईहलोक और परलोक दोनों सुधार सकते है। उपरोक्त बातें अयोध्या धाम से पधारी साध्वी राधिका किशोरी ने सांकरा (जोंक) में चौधरी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चतुर्थ दिवस की कथा में कही उन्होंने ध्रुव, प्रहलाद की कथा को विस्तार देते हुए कहा की - भक्त यदि भगवान को साध ले तो भगवान भक्त के अधीन हो जाते है। प्रहलाद और ध्रुव इसके सशक्त उदाहरण है उन्होंने गज और गाह की कथा का उदाहरण देते हुए कहा कि संगी साथी और रिश्तेदार तमाम तरह के भौतिक रिश्ते सुख

के साथी होते है। संकट के समय में व्यक्ति का सहारा केवल ईश्वर का साथ होता है। संकटग्रस्त गज जब अकेला पड़ गया तो उसने भगवान को पुकारा भगवान को तो गज ने पुकारा लेकिन उन्होंने गाह का उद्धार किया श्रीकृष्ण जन्म की कथा विस्तार से बताते हुए साध्वी ने कहा कि पृथ्वी पर जब आसुरी शक्तियां विस्फोटक स्वरूप धारण कर लेती है लोगों में त्राहि - त्राहि मच जाती है। धरती माता के लिए उनका भार असहनीय हो जाता है तब किसी न किसी रूप में भगवान का अवतार अवश्यम्भावी हो जाता है। भगवान के चरण जब ब्रम्हलोक में पड़े तो ब्रम्हा जी ने उनके चरण का पूजन किया तब उनके कमंडल से तीन धाराएं निकली जो आकाशगंगा, पातालगंगा और भागीरथीगंगा नाम से प्रसिद्ध हुई कृष्ण जन्म की कथा में भक्तों का सैलाब उमड़ा था। कथा पंडाल खचाखच भरा हुआ था

पंडाल के बाहर गाड़ियों का रेलमपेल था कथा स्थल मेला स्थल सा लग रहा था नन्द के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की जैसे भजनों पर जब साध्वी राधिका किशोरी ने तान छेड़ी तो भक्तों का विशाल समूह झूमने लगा कथा पंडाल में हजारों लोगों का उत्साह छलक रहा था कृष्ण जन्म के उत्साह में आकर्षक आतिशबाजी की गई और विहंगम झाकियों का प्रदर्शन किया गया कथा का आयोजन सांकरा जोंक के प्रतिष्ठित चौधरी परिवार की ओर से किया गया है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण कर रहे है। प्रतिदिन भोग- भंडारा का आयोजन भी किया जा रहा है। कथा का विराम 19 नवंबर को होना है।

सब्जी वाले ने स्किल डेवलपमेंट के नाम पर लाखों ठगे, महिला ने दर्ज कराया केस

रायपुर/नवप्रदेश। टिकरापारा इलाके में एक सब्जी वाले ने स्किल डेवलपमेंट के नाम पर लाखों रुपए की ठगी की। एक महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफकेस दर्ज किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी अब तक नहीं की गई है। पुलिस के मुताबिक पुष्पा नामदेव उर्फ डॉली की सब्जी बेचने वाले राजू बाघ से पहचान हुई। इस दौरान राजू ने उन्हें बताया कि उसने सहारा जनसेवा कल्याण समिति के नाम से एक संस्था बनाई है। संस्था के जरिए स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देते हैं। इस दौरान रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। इससे उन्हें काफी फायदा होगा। महिला उसकी बातों में आ गई। इसके बाद उसने महिला से अपने खाते में 1 लाख रुपए जमा करने को कहा। महिला ने किस्तों में राशि जमा कर दी। इस तरह अलग-अलग दिन महिला ने सहारा जनसेवा कल्याण समिति के नाम से 7 लाख रुपए जमा कर दिए। इसके कुछ दिन बाद महिला को प्रॉफिट बताते हुए रकम भी लौटाई। इसके बाद राजू ने रकम देनी बंद कर दी। महिला जब रकम लेने उनके घर गई, तो राजू घर छोड़कर चला गया। बाद में 5 लाख 40 हजार लौटाने का आश्वासन देकर एग्रीमेंट भी कराया। इसके बाद तय समय पर पैसा नहीं दिया। इसकी शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना में लिया है।

नए बजट में दिखेगी 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047' की झलक

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का सालाना बजट बनाने की कवायद तेज हो गई है। वित्त विभाग ने सभी विभागों से 21 नवंबर तक नवीन मद के प्रस्ताव सहित बजट प्रस्ताव मांगे हैं। सभी विभागों से विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि विभागीय योजनाएं 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047' तथा सतत विकास लक्ष्यों (2030) की पूर्ति के लिए सहायक हों। लक्ष्यों में दोहराव वाली योजनाओं का एकीकरण कर योजनाओं की संख्या सीमित की जाएगी। वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित अनुमान के आधार ही वर्ष 2026-27 के बजट अनुमान के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधान में अधिकतम 5 प्रतिशत वृद्धि कर वर्ष 2026-27 का बजट तैयार किया जाएगा।

फाइलफोटो

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत@2047' के संकल्प से प्रेरित होकर 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047' नामक एक व्यापक दस्तावेज (रोडमैप) तैयार किया है। इस विजन डॉक्यूमेंट का मुख्य लक्ष्य 2047 तक छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है। इस विजन के माध्यम से राज्य की जीडीपी को 5 लाख करोड़ रुपए से वर्ष 2030 तक 11 लाख करोड़ और वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ रुपए तक करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है।

सभी विभागों को बजट प्रस्ताव के साथ

उसका औचित्य भी बताना होगा। नवीन व्यय के मद को बजट प्रस्ताव में अलग से भेजा जाएगा। राजस्व व्यय व पूंजीगत व्यय का सही वर्गीकरण दर्शाया जाएगा। विभाग अपने लघु, मध्यम व दीर्घकालिक अवधि के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए परिणाम आधारित बजट तैयार करेंगे। बजट प्रस्ताव में 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक महालेखाकार से प्राप्त वास्तविक व्यय के आंकड़े मदवार दिए जाएंगे।

परीक्षित नवीन व्यय के प्रस्तावों को ही प्राथमिकता

स्थायी वित्त निर्देश के अनुसार बजट में नवीन मद के प्रस्तावों को परीक्षित नवीन मद के रूप में शामिल किया जाएगा। अपरीक्षित नवीन व्यय के प्रस्तावों को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। विभागों से कहा गया है कि अधिकाधिक संख्या में परीक्षित नवीन मद के प्रस्ताव पर वितत विभाग से सहमति प्राप्त कर इन्हें बजट में परीक्षित नवीन मद के रूप में शामिल कराना सुनिश्चित करेंगे।

सब्सिडी की राशि अलग से बतानी होगी

सभी विभागों से कहा गया है कि यदि किसी योजना का कोई भाग सब्सिडी के रूप में दिया जाता है, तो उस योजना के साथ सब्सिडी की राशि का उल्लेख अलग से बजट प्रस्ताव में किया जाएगा। नकद व सामग्री के रूप में दी जाने वाली सब्सिडी को भी पृथक-पृथक बताया जाएगा। इसके अलावा बजट प्रस्ताव में राजस्व व्यय व पूंजीगत व्यय का सही वर्गीकरण दर्शाया जाएगा। विभाग सुनिश्चित करेंगे कि पूंजीगत परिसंपत्तियों का निर्माण अंतर्गत प्रावधानित राशि से निर्मित संपत्ति का स्वामित्व शासन का हो।

फूड लाइब्रेरी को 2 दिन की मोहलत, नहीं तो निगम करेगा सील

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम ने संपत्तिकर के बड़े बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तेज कर दी है। सोमवार को जोन-4 के सिविल लाइंस (वार्ड क्रमांक-46) स्थित भवन स्वामी अमरजीत सिंह भाटिया (मर्लिन इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर) के भवन पर बकाया संपत्तिकर की राशि 2,15,651/- (वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक) नहीं चुकाने पर सीलिंग की कार्रवाई शुरू की गई। यह कार्रवाई निगम आयुक्त विश्वदीप, उपायुक्त (राजस्व) जागृति साहू और जोन-4 कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर की गई। जोन-4 राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सीलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी।

सीलिंग के दौरान भवन स्वामी अमरजीत सिंह भाटिया ने जोन कमिश्नर से अनुरोध किया कि उन्हें दो दिन का समय दिया जाए। उन्होंने पूरी बकाया राशि दो दिन में नकद जमा करने का लिखित आश्वासन दिया। जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर सीलिंग कार्रवाई दो दिन के लिए स्थगित कर दी गई। अभियान में जोन सहायक राजस्व अधिकारी अमरनाथ साहू, राजस्व निरीक्षक ऋषि परोच, सहायक राजस्व निरीक्षक अमर मतेलकर, कौशिक राम साहू, मनहरण निषाद, शेख जुनैद, प्रणय ठाकुर सहित जोन-4 राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि दो दिन में पूरी राशि जमा नहीं हुई तो बिना किसी चेतावनी के भवन को फिर से सील कर दिया जाएगा। निगम का बकाया राजस्व वसूली अभियान पूरे शहर में जारी है।

भारत- दक्षिण अफ्रीका वन डे मैच का टिकट सिर्फ 800 रुपये में

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर (अटल नगर) के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 3 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय वनडे इंटरनेशनल मैच खेला जाना है। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने आज यानी 17 नवंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मैच से जुड़ी जानकारी दी।क्रिकेट संघ ने प्रेस वार्ता में मैच की टिकट के रेट की जानकारी भी दी है। 3 दिसंबर को होने वाले मैच की ऑनलाइन टिकट 22 नवंबर से खरीदी जा सकेगी। बता दें कि इस बार टिकट के रेट पिछली बार से कम रखे गए हैं।

कहां खरीदें टिकट?

मैच का टिकट ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड से खरीदी जा सकता है। ऑनलाइन टिकट 22 नवंबर से www.ticketgenie.in पर खरीदा जा सकता है। वहीं ऑफलाइन या फिजिकल टिकट 24 नवंबर से रायपुर के इंडोर स्टेडियम में मिलेगा।

दिव्यांग बच्चे भी देखेंगे मैच

बता दें कि, 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा दिव्यांग बच्चों को निशुल्क मैच दिखाया जाएगा। इतना ही नहीं साथ में उनके आने जाने के लिए बस की भी सुविधा दी जाएगी।

800 में मैच की टिकट

बात करें मैच की टिकट के रेट ,की तो स्टूडेंट के लिए टिकट का मूल्य मात्र 800 रुपये रखा गया है। स्टूडेंट अपनी आईडी दिखाकर एक टिकट खरीद सकते हैं। पिछली बार इसका रेट 1000 रुपये था जिसे अब 200 रुपये से घटाया गया है।वहीं स्टैंड्स टिकट का रेट 1500, 2500, 3000, और 3500 तक है। इसमे सीट की हाइट के हिसाब से रेट अलग-अलग होगा। वहीं सिल्वर सीट 6000 रुपये, गोल्ड 8000 रुपये और प्लैटिनम 10,000 रुपये है। कॉर्पोरेट बॉक्स या पवेलियन का टिकट 20,000 रुपये तक का है।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों की सूची जल्द, बैठक आज

रायपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की सूची अगले दो-तीन दिनों के भीतर जारी हो सकती है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) ने प्रदेश नेताओं की मंगलवार को दिल्ली में बैठक बुलाई है। इसमें प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष डा. चरण दास महंत शामिल होंगे। प्रदेश के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के भी शामिल होने की चर्चा है। बैठक में प्रदेश महासचिव सचिन पायलट के साथ तीन प्रभारी सचिव एसए संपत कुमार, जरिता लैतफ्लांग और विजय जांगिड़ भी मौजूद रहेंगे। शीर्ष नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ समेत देश के 12 राज्यों में चल रहे एसआइआर को लेकर बैठक बुलाई है। हालांकि, वह भी माना जा रहा है कि संगठन सृजन अभियान के तहत नए जिला अध्यक्षों की सूची फाइनल हो सकती है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जिला अध्यक्षों की चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बिहार विधानसभा चुनाव की वजह से अटकी हुई थी। इस पर सिर्फराहुल गांधी की अंतिम मुहर बाकी है। संगठन में बड़े बदलाव की चर्चा है। 41 जिलाध्यक्षों में से 27 के चेहरे बदलने तय माना जा रहा हैं। वहीं, 14 में से पांच-छह को ही दोबारा मौका मिलने की उम्मीद है। शीर्ष नेतृत्व ने मार्च में बालोद, दुर्ग ग्रामीण, नारायणपुर, कोंडागांव, कोरबा शहर व ग्रामीण, बलौदाबाजार, सारंगढ़ बिलाईगढ़, सरगुजा, बलरामपुर, बेमेतरा में जिला अध्यक्ष नियुक्त किए थे। नगरीय निकाय चुनाव से पहले मुंगेली, बस्तर ग्रामीण और रायगढ़ ग्रामीण में नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हुई थी। हालांकि, इन जिलों के लिए भी केंद्रीय नेतृत्व ने पर्यवेक्षक तय किए गए थे। इन जिलों में अध्यक्षों के कार्यों और सक्रियता की समीक्षा करके पर्यवेक्षक रिपोर्ट तैयार कर एआइसीसी को सौंपा है। पांच-छह जिलाध्यक्षों की प्रदर्शन संतोषजनक पाया गया है।

एमएमयू टीम ने 95 नागरिकों की की ओपीडी जाँच, 78 को दी दवाएँ

रायपुर। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं को आम जनता तक पहुँचाने के प्रयासों में रायपुर नगर निगम ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया। लाइफलाइन ग्लोबल फाउंडेशन, रायपुर शाखा में मोबाइल मेडिकल यूनिट (दाई दीदी क्लीनिक) द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 95 नागरिकों की ओपीडी जांच, 17 लोगों के लैब टेस्ट और 78 नागरिकों को दवाइयों का वितरण किया गया।यह शिविर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में, महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर और निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देशन पर आयोजित किया गया। शिविर के सफल संचालन में केंद्र की सिक्योरिटी ऑफिसर पी. अनुराधा राव का विशेष योगदान रहा, जिनके प्रयासों से मोबाइल मेडिकल यूनिट की टीम को बुलाया जा सका। एरिया प्रोजेक्ट मैनेजर काजल शर्मा की निगरानी में शिविर का संचालन किया गया।स्वास्थ्य परीक्षण की मुख्य जिम्मेदारी डॉ. तिलेश्वरी वर्मा ने निभाई, जबकि फार्मासिस्ट नंदिनी साहू, लैब टेक्नीशियन प्रियंका यादव और नर्स नेहा निर्मलकर ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। लाइफ लाइन फाउंडेशन के स्टाफ, प्रशिक्षुओं और आसपास के स्थानीय नागरिकों ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।लाइफ लाइन ग्लोबल फाउंडेशन की सेंटर हेड ने एमएमयू टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शिविर स्टाफ, छात्रों और स्थानीय लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हुआ।

पांच हजार से ज्यादा योजनाएं गांवों को हैंड ओवर

■ अब तक चार हजार गांवों के हर घर में पहुंच पाया नल से जल

रायपुर/नवप्रदेश। जल जीवन मिशन के तहत छत्तीसगढ़ में हर घर नल से जल पहुंचाने पाइप जल आपूर्ति योजना में सत्यापित गांवों की तादाद बेहद कम नजर आ रही है। पीडब्ल्यूएस के तहत प्रदेश में 29 हजार से ज्यादा योजनाएं हैं, इनमें हर घर जल पहुंचाने के मामले में गांवों का आंकड़ा अब तक पांच हजार तक भी नहीं पहुंच पाया है। विभाग पूर्व में हुई गड़बड़ियों को इसकी वजह बता रहा है। दूसरी तरफ भुगतान को लेकर लगातार खींचतान की स्थिति भी बनी हुई है। इसके चलते भी काम प्रभावित हुआ है। हालांकि पीडब्ल्यूएस के तहत अब तक पांच हजार से कुछ अधिक योजनाएं पंचायतों को हैंड ओवर कर दी गई हैं।

छत्तीसगढ़ में हर घर पाइप से जल आपूर्ति के लिए करीब 29 हजार 160 योजनाएं संचालित हैं। विभागीय आंकड़ों में ही प्रगति की स्थिति बेहतर नजर नहीं आ रही है। सूत्रों के मुताबिक राज्य में इस योजना के तहत अब तक 4245 ऐसे गांव हैं, जहां हर घर नल से जल पहुंच रहा है। विभाग द्वारा गांवों का यह आंकड़ा सत्यापित भी करा लिया गया

है। पाइप से जल आपूर्ति वाली इन योजनाओं में से 5058 योजनाएं ऐसी हैं, जिसे पंचायतों को हँड ओवर किया जा चुका है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक ही इस योजना के तहत ही 7772 योजनाएं भौतिक तौर पर पूरी कर लेने के दावे किए गए हैं। इधर हर घर नल से जल के मामले में 5225 गांवों में पूरी होने की रिपोर्ट दी गई है। भले ही अब तक 4245 गांव ही सत्यापित हो पाए हैं। विभाग की ओर से लगातार कामकाज की समीक्षा के बाद अब धरातल पर तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

डीआरएस के खिलाफ जांच रिपोर्ट 7 दिन में मांगी थी, 10 माह बीत गए

■ कृषि मंत्री के निर्देश का पालन नहीं, संचालक की भर्ती और गड़बड़ी की जांच रिपोर्ट 5 माह से फाइलों में

रायपुर/नवप्रदेश। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न शिकायतों की जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति और मनमानी चल रही है। कृषि मंत्री के निर्देश की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। संचालक अनुसंधान सेवाएं की नियुक्ति में गड़बड़ी को लेकर हुई शिकायत की जांच कर कृषि मंत्री ने 7 दिन में रिपोर्ट मांगी थी लेकिन 10 माह बाद भी कुछ नहीं हुआ है। इसको लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन सवालों के घेरे में है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय उपलब्धियों को लेकर कम और विवादों को लेकर सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहता है। विवि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल इसलिए

भी खड़े होते हैं क्योंकि कई मामलों की जांच को महीनों तक लंबित रखा जाता है। कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति चलती है। चहेतों को बचाने के लिए जांच से जुड़ी फाइलें महीनों तक आलमारी में बंद रहती है। संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक त्रिपाठी का ही मामला ले लें। उनकी भर्ती, संचालक का प्रभार तथा केन्द्रीकृत स्तर पर कॉलेजों से अधिकार छीनकर सामग्रियों की खरीदी की शिकायत के बाद कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने 10 माह पहले जांच कर 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे लेकिन आज तक यह मामला फाइलों में ही है।

डॉ. जी. के. दास की अध्यक्षता वाली जांच कमेटी ने 5 माह बाद रिपोर्ट विवि प्रशासन को सौंपी और अब 5 माह से रिपोर्ट फाइल में दबी पड़ी है। कृषि मंत्री के निर्देश की परवाह नहीं करते हुए 10 माह बाद भी रिपोर्ट पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायत के अनुसार विवि में पूर्णकालिक नियुक्ति के बजाय प्रभारवाद चल रहा है। इसके चलते विवि में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलने के आरोप हैं। शिकायत थी कि अनुसंधान सेवाएं के संचालक का प्रभार ऐसे व्यक्ति को दिया गया है जिनका अनुसंधान से कोई लेना-देना नहीं है।

बजट आकार 1.65 लाख करोड़ रुपए के पार

छत्तीसगढ़ सरकार के बजट का आकार लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य निर्माण के समय राज्य का वार्षिक बजट करीब 5,471 करोड़ रुपए था, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1,65,000 करोड़ रुपए के पार हो गया है। आगामी वित्तीय वर्ष में बजट का आकार बढ़ने की उम्मीद है। विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी की गारंटी के तहत किए गए अधिकांश वादों को साय सरकार पूरा कर चुकी है, लेकिन कुछ वादे अभी भी बाकी हैं जिसे नए बजट में शामिल किया जा सकता है।

बच्चों में दिखा कबड्डी, खो-खो और रस्साखींच का उत्साह

रायपुर/ नवप्रदेश। फिट इंडिया मूवमेंट की भावना को आगे बढ़ाते हुए रायपुर लोकसभा क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का आज भव्य शुभारंभ हुआ। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के निर्देश पर रायपुर नगर निगम के विभिन्न जोनों में आयोजित इस खेल महोत्सव का आरंभ सप्रे स्कूल, जे.एन. पाण्डेय स्कूल, सुभाष स्टेडियम और स्वामी आत्मानंद स्कूल गोगांव में एक साथ किया गया। महोत्सव में नगर निगम जोन 1, 2, 3, 4, 6 और बिरगांव नगर निगम जोन के खिलाड़ी कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, कुश्ती, फुगड़ी, गेड़ी और रस्साखींच जैसे पारंपरिक एवं आधुनिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करते दिखाई दिए।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने सप्रे स्कूल, सुभाष स्टेडियम और जे.एन. पाण्डेय स्कूल में महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभापति सूर्यकांत राठौड़, जोन अध्यक्ष और वार्ड पार्षद उपस्थित रहे। विधायक सोनी ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि बच्चे और युवा खेल के माध्यम से न केवल स्वस्थ रहेंगे, बल्कि रायपुर और छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे।

उधर, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने गोगांव स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में खेल महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान रायपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष नंदकुमार साहू, बिरगांव महापौर नंदकुमार देवांगन, नगर निगम खेल एवं युवा कल्याण विभाग अध्यक्ष नंदकिशोर साहू, पार्षद एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। विधायक साहू ने सभी खिलाड़ियों और आयोजकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह महोत्सव युवा प्रतिभाओं को उभारने का उत्कृष्ट मंच बनेगा।

कार्यक्रम के तहत 19 वर्ष से कम और 19 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के महिला‍पुरुष खिलाड़ी 13 खेल विधाओं में हिस्सा ले रहे हैं। प्रत्येक खेल में 4‍4 टीमें 19 नवंबर तक स्पर्धाएं करेंगी। महोत्सव का ग्रैंड फिनाले 29 नवंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने कहा-

÷आज खेलों की लोकप्रियता इतनी व्यापक है कि यह कहावत बदल गई है- पढ़ोगे-लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे तो भी बनोगे नवाब। खेलों से अनुशासन, ऊर्जा और अवसर मिलते हैं। योग्य खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं में भी बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।÷

जशपुर में पहली बार जन्मी दुनिया की सबसे छोटी पुंगनूर गाय

■ पीएम मोदी की फोटो देख पशुपालकों ने की डिमांड

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पुंगनूर गाय की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं, जिसके बाद देश भर में इस अद्वितीय नस्ल की गाय की मांग तेजी से बढ़ी है। इस बीच अब छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में भी पहली बार दुनिया की सबसे छोटी पुंगनूर नस्ल की मादा बछिया का जन्म हुआ है। कृत्रिम गर्भाधान पद्धति के माध्यम से जिले में पहली बार पुंगनूर नस्ल की मादा वत्स (बछिया) का जन्म हुआ है।

जशपुर में पुंगनूर गाय का जन्म-यह उपलब्धि जिले के पशु चिकित्सालय पत्थलगांव में पदस्थ सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी केके पटेल के अथक प्रयासों से संभव हो सकी है। केके पटेल ने ग्राम करमीटिकरा, करूमहुआ के किसान खगेश्वर यादव की देशी गाय को पुंगनुर नस्ल के सांड़ के हिमकृत वीर्य से दिनांक 29 जनवरी 2025 को गर्भित किया था। लगभग 284 दिनों के गर्भकाल के बाद गाय ने 11 नवंबर 2025 को एक स्वस्थ पुंगनुर मादा वत्स को जन्म दिया, जो जिले के लिए गर्व का क्षण बन गया।

विश्व की सबसे छोटी नस्ल की गाय-पुंगनूर गाय का मूल स्थान आंध्रप्रदेश के चित्तूर जिले का पुंगनुर क्षेत्र है। यह गाय विश्व की सबसे छोटी नस्ल के रूप में जानी जाती है। इसकी औसत ऊंचाई 70 से 90 सेंटीमीटर तथा वजन 110 से 200 किलोग्राम तक होता है। यह गाय कम चारा, कम देखभाल और कठिन परिस्थितियों में भी सहज रूप से जीवित रह सकती है।

सुविचार

संसार जानवरों से भरे एक जंगल के रुप में तब्दील हो रहा है। इसमें जीना है तो लड़ना सीखो बचना नहीं। - अज्ञात

बिहार की महिलाओं का अपमान क्यों

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार एनडीए की प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने में वहां की महिला मतदाताओं की अग्रणी भूमिका रही है। इस बार 71 प्रतिशत महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में मतदान किया है। यही वजह है कि एनडीए इस बार दोहरा शतक लगाने में सफल हुई है। एनडीए के प्रति महिला मतदाताओं के इस विश्वास से महागठबंधन में शामिल राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को सांप सूंघ गया है। यही वजह है कि वे बिहार की महिला मतदाताओं पर निशाना साध रहे हैं। वीआईपी पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी जो उपमुख्यमंत्री का चेहरा बने थे उनकी पार्टी इस चुनाव में खाता भी नहीं खोल पाई है वे आरोप लगा रहे हैं कि बिहार में दस हजार रूपये में सरकार बनती है। इसी तरह का बयान जनसुराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने भी दिया है। उनकी पार्टी ने भी चुनाव में एक भी सीट नहीं जीती है। वे भी बिहार में जरूरतमंद महिलाओं को दस-दस हजार से दिये जाने को लेकर अपनी भडास निकाल रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने तो बिहार में एनडीए की जीत पर सवालिया निशान लगाते हुए यह विवादास्पद बयान दिया है कि भाजपा ने बिहार की महिलाओं को दस-दस हजार रूपये की रिश्वत देकर जीत हासिल की है जो जनतंत्र की लूट है। इसी तरह के बयान महागठबंधन के अन्य नेताओं ने भी दिये हैं और राबर्ट वाड्रा ने तो यहां तक कह दिया है कि बिहार में फिर से विधानसभा चुनाव कराये जाने चाहिए। दरअसल महागठबंधन के नेता अपनी हार को पचा नहीं पा रहे हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तो कह भी दिया है कि बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत उनसे पच नहीं रही है। उन्होंने भी बिहार की महिलाओं को एन चुनाव से पहले दस-दस हजार रूपये दिये जाने के फैसले पर आपत्ति उठाई है। दरअसल अपनी हार की खीज निकालने के लिए ये विपक्षी नेता बिहार की महिलाओं का अपमान कर रहे हैं। यह बात ठीक है कि मुख्यमंत्री महिला स्वरोजगार योजना के तहत बिहार की लगभग 75 लाख महिलाओं को दस-दस रूपये की राशि दिये जाने का महिला मतदाताओं पर कुछ तो असर पड़ा है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एनडीए ने बिहार की महिलाओं को दस-दस हजार रूपये देकर उनका वोट खरीदा है। ये विपक्षी नेता यह भूल रहे हैं कि बिहार में जब से नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री के रूप में बागडोर संभाली है तभी से उन्होंने महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई कारगर कदम उठाये हैं। सबसे बड़ी बात तो बिहार में शराबबंदी लागू करना है जिससे बिहार की लाखों महिलाओं को न सिर्फ घरेलू हिंसा से मुक्ति मिली है बल्कि उनके यहां समृद्धि भी आई है। उसके बाद से ही बिहार की महिला मतदाता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुरीद बन गई है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी नीतीश कुमार को ही महिला मतदाताओं का भरपूर समर्थन मिला था। इस बार तो बिहार की महिला मतदाताओं में महागठबंधन के प्रति उसी दिन नाराजगी बढ़ गई थी जब कांग्रेस और के राजद के चुनावी मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मां की गाली दी गई थी। रही सही कसर कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छठी मैया के बारे में विवादित बयान देकर पूरी कर दी थी। लेकिन महागठबंधन वाले अपनी भूल को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं है और एनडीए की जीत में मात्र शक्ति की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगाकर वे अपने आगे का रास्ता भी बंद कर रहे हैं। महागठबंधन में महिलाओं का कितना सम्मान है यह उस समय उजागर हो गया जब चुनाव में हार मिलने के बाद लालू के परिवार में ही अंतरकलह गहरा गई और उनकी बेटी रोहिणी आचार्य जिन्होंने लालू यादव को अपनी किडनी दी थी उन्हें हार का जिम्मेदार ठहराते हुए बेइज्जत करके घर से निकाल दिया गया। ऐसी पार्टी जो अपने घर की बहू बेटी का सम्मान न करे। उससे यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वह बिहार की महिलाओं का सम्मान करेगी। बेहतर होगा कि महागठबंधन के नेता अपनी करारी हार के कारणों की समीक्षा करें। बिहार के मतदाताओं और खासतौर पर महिला मतदाताओं का अपमान न करें। अन्यथा उन्हें भविष्य में भी इसी तरह शर्मनाक पराजय के रूप में इसका खामियाजा भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

❖ हम भी जानते है कि जिंदगी तो बेवफा है एक दिन ठुकराएगी मौत महबूबा है
❖ अपनी, सबाके गले लगाएगी।
❖ सावधान का अर्थ कभी भी डर नहीं होता, डरपोक आदमी कभी सावधान नहीं हो सकता।
❖ ज्ञान का अर्थ ही है समग्रता को जानना।
❖ कपट का कपाट कभी भी नंदलाल से मिलने नहीं देता। जीवन में ये बात क्लियर करो कि धोखा मिलता है? या खाया जाता है?

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1803 वेर्टेयर्स की लड़ाईः जीन-जैक्स डेसलीनों के नेतृत्व में हैती सेना नेपोलियन की सेना को हराया। 1833 हॉलैंड और बेल्जियम के बीच जोनहोवेन संधि पर हस्ताक्षर हुए। 186 अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन की कहानी 'द सेलिब्रेटिंग जंपिंग फ्रॉगो कैलावरस काउंटी', एक लेखक के रूप में उनकी पहली महान सफलता थी, जो प्रकाशित हुई। 1872 अमेरिकी प्रत्यय सुसान बी। एंथोनी को दो सप्ताह पहले रोचेस्टर, न्यूयॉर्क में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के लिए गिरफ्तार किया गया था और . 100 का जुर्माना लगाया गया था। 1873 आयरिश होम रूल आंदोलनः होम गवर्नमेंट एसोसिएशन स्वयं को होम रूल लीग के रूप में पुनर्गठन किया। 1874 क्लीवलैंड में राष्ट्रीय महिला ईसाई टेंपरेंस यूनियन का आयोजन किया गया। 1918 लताविया ने रूस से स्वतंत्रता की घोषणा की। 1928 पहली बार मिकी माउस अपनी फिल्म स्टीमबोट विली के साथ बड़े पर्दे पर दिखा। 1985 एल्मो को बच्चों के टीवी शो तिल स्ट्रीट के नाम से जाना जाता था। 1987 लंदन में, किंग्स क्रॉसस्ट पंचों में एक भूमिगत आग ने 31 लोगों की जान ले ली।

श्रम संहिता : भविष्य अनुकूल कार्यबल का निर्माण

नियोक्ताओं, श्रमिकों, गिग इकोनॉमी प्रतिभागियों, महिला कर्मचारियों और बड़े पैमाने पर समाज को लाभ पहुंचाने के लिए एक सरलीकृत, समावेशी और प्रगतिशील ढांचा

सुश्री ज्योति विज

उच्च वेतन वाली नौकरी जैसे कि खान श्रमिक तथा भारी मशीनरी का संचालन आदि क्षेत्रों में काम करने का अवसर प्रदान करने के साथ ही महिलाओं को भेदभाव से भी बचाता है। ऐसे समय में जब देश में महिला श्रम बल की भागीदारी वैश्विक औसत से कम है, ऐसे सुधार महिलाओं को आर्थिक विकास में पूरी तरह से योगदान करने में सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। नियोक्ताओं और कर्मचारियों के अलावा, श्रम संहिता सरकारी एजेंसियों को पारदर्शी कार्यान्वयन के लिए एक आधुनिक ढांचा प्रदान करते हुए, अनुपालन को सरल बनाकर और विकास को सक्षम करके एमएसएमई और स्टार्ट-अप को भी लाभ पहुंचाती है। निवेशकों के लिए, एक पूर्वानुमानित और व्यापार के अनुकूल श्रम व्यवस्था देश की विकास गाथा में विश्वास बढ़ाती है।

देश आर्थिक और श्रम परिदृश्य में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। 29 से अधिक केंद्रीय श्रम कानूनों को चार व्यापक श्रम संहिताओं में समेकित करना केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह श्रम इकोसिस्टम निर्माण की दिशा में एक कदम है जो आधुनिक, समावेशी और तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति उत्तरदायी है।

लंबे समय से उद्योग जगत द्वारा श्रम सुधार एक मुख्य मांग रही है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के एकीकरण, प्रौद्योगिकी द्वारा उद्योगों को बाधित करने और रोजगार के नए विकल्पों के उभरने के साथ, देश को एक ऐसे ढांचे की आवश्यकता है जो व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता का समर्थन कर सके और श्रमिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा कर सके। चार श्रम संहिताएं- मजदूरी, औद्योगिक सम्बंध, सामाजिक सुरक्षा, और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर - एक एकीकृत और सरलीकृत प्रणाली प्रदान करके ठीक यही करना चाहती हैं जो अस्पष्टता को कम करती है और अधिक समानता सुनिश्चित करती है।

नियोक्ताओं के लिए लाभ

उद्यमों के लिए, विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी वैश्विक वातावरण में, श्रम संहिता बहुत आवश्यक सरलीकरण प्रदान करती है। कई अनुपालन और अतिव्यापी परिभाषाओं को एक स्पष्ट और एकीकृत प्रणाली में बदल दिया गया है। डिजिटल फाइलिंग, समान वेतन परिभाषाएं और सुव्यवस्थित लाइसेंसिंग प्रक्रियाएं अनुपालन बोझ को कम करती हैं और पारदर्शिता लाती हैं। ये सुधार देश के एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। अनुपालन जटिलता को कम करके और एकल-खिड़की मंजूरी को सक्षम करके, श्रम संहिताएं छोटे व्यवसायों को तेजी से बढ़ने और घरेलू और वैश्विक बाजारों में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए सशक्त बनाती हैं। महत्वपूर्ण रूप से, निश्चित अवधि के रोजगार और आधुनिक विवाद समाधान

के प्रावधान व्यवसायों को प्रक्रियात्मक देरी से बाधित हुए बिना बढ़ने और अनुकूलन करने के लिए लचीलापन प्रदान करती हैं। समान रूप से महत्वपूर्ण छोटे अपराधों का गैर-अपराधीकरण है, जो विशिष्ट प्रक्रियात्मक उल्लंघनों के लिए आर्थिक दंड के साथ कारावास को प्रतिस्थापित करता है। यह अधिक विश्वास-आधारित अनुपालन वातावरण के लिए एक प्रगतिशील पहल का प्रतिनिधित्व करता है, अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करता है, और नियोक्ताओं और नियामकों के बीच स्व-नियमन और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

श्रमिकों के लिए लाभ

श्रमिकों के लिए संहिता, निष्पक्षता के सिद्धांत को सुदृढ़ करती है। वेतन संहिता सार्वभौमिक न्यूनतम मजदूरी और वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करती है, इससे मनमाने या विलंबित भुगतान की संभावना समाप्त हो जाती है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता कार्यस्थल सुरक्षा को मजबूत करती है, कल्याणकारी सुविधाओं को अनिवार्य करती है, और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शुरू करती है। भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, मातृत्व अवकाश और बीमा सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ श्रमिकों के व्यापक आधार तक बढ़ाए जाते हैं, इससे उन लाखों लोगों को वित्तीय सुरक्षा मिलती है जो पहले इस दायरे में नहीं आते थे। अक्सर नियामक ढांचे से बाहर रहने वाले अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिक, श्रम संहिताओं से मान्यता और सुरक्षा पाते हैं। ये प्रावधान नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच सामाजिक अनुबंध को मजबूत करते हैं, काम की गरिमा को बनाए रखते हैं।

गिग और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स के लिए लाभ

शायद सबसे दूरदर्शी प्रावधान गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों और एग्रीगेटर्स की औपचारिक मान्यता है। लगभग 8 मिलियन भारतीय गिग इकॉनमी (एक ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें पारंपरिक ÷नौकरी÷ के बजाय अस्थायी, फ्रीलांस और अंशकालिक काम पर जोर दिया जाता है) में लगे हुए हैं और आने वाले दशक में इस संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। श्रम संहिता समावेशी विकास के लिए एक आधार प्रदान करती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता उन योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करती है जो स्वास्थ्य, मातृत्व, बीमा और वृद्धावस्था लाभों को कवर करती हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जो काम के पारंपरिक और नए विकल्पों के बीच के अंतर को कम करता है। यह सुनिश्चित करता है कि जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी नौकरियों के भविष्य को नया आकार देती है, उभरते क्षेत्रों में श्रमिक पीछे न रहें।

महिला कर्मचारियों के लिए लाभ

ये संहिताएं कार्यस्थल में लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने की दिशा में भी एक कदम आगे हैं। वे समान काम के लिए समान वेतन के सिद्धांत की पुष्टि करते हैं, मातृत्व लाभ को मजबूत करते हैं और क्रेच सुविधाओं के लिए प्रावधान लागू करते हैं। सुरक्षा और गरिमा के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ महिलाओं के काम के घंटों पर प्रतिबंधों को कम करके - श्रम संहिताएं महिलाओं के लिए उन क्षेत्रों और बदलावों में भाग लेने के अवसर पैदा करती हैं जो पारंपरिक रूप से कठिन थे।

बिहार का जनादेश और भारतीय राजनीति का उभरता परिदृश्य

- हरदीप सिंह पुरी
पेट्रोलियम मंत्री

बिहार की जनता ने एक ऐसा जनादेश दिया है, जिसका महत्व सीटों के गणित से कहीं आगे जाता है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने विधानसभा की 243 सीटों में से 202 सीट पर जीत दर्ज की है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने अकेले 89 सीटें हासिल की हैं, जो राज्य में पार्टी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दशकों तक विभिन्न गठबंधनों के तहत बिहार की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखने के बाद, महागठबंधन अब सिर्फ़ 34 सीटों पर सिमट गया है। 7.4 करोड़ से ज़्यादा पंजीकृत मतदाताओं में से 67.13 प्रतिशत ने मतदान किया। यह चुनाव राज्य के हाल के इतिहास में सबसे कड़े मुक़ाबले वाले चुनावों में से एक सिद्ध हुआ है और चुनाव परिणामों ने वास्तविक लोकतांत्रिक गहराई को रेखांकित किया है। वर्षों तक, बिहार पर व्यक्त किये गए विचारों में राज्य को समय के प्रवाह में एक रुका हुआ राज्य मान लिया गया था। चुनावों को जातिगत अंकगणित की कवायद माना जाता था और सामाजिक जनसांख्यिकी को राजनीतिक नतीजों में तब्दील कर दिया जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय राजनीति का परिदृश्य निर्णायक रूप से विकास, समावेश और राज्य क्षमता के रूप में बदल गया है तथा बिहार के मतदाताओं ने इस बदलाव को लेकर पूरी स्पष्टता से जवाब दिया है। 2025 के परिणाम एक ऐसे मतदाता को इंगित करते हैं, जिसकी आकांक्षा बड़ी है और जिसने असुरक्षा व पक्षाघात वाले बिहार तथा बेहतर शासन वाले बिहार के बीच के अंतर को महसूस किया है। कई नागरिकों ने बातचीत में और मतदान के पैटर्न में व्यक्त किया है कि 2024 के आम चुनाव में अपेक्षा से कम समर्थन के बाद यह चुनाव जिम्मेदारी की भावना लेकर आया है। लोगों ने अपने निष्कर्ष निकाले हैं कि वे देश की व्यापक यात्रा में बिहार को कहाँ देखना चाहते हैं। बेहतर शासन ने इस परिवर्तन को आधार प्रदान किया है। पिछले एक दशक में, बिहार में 55,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण या उन्नयन हुआ है, जो गांवों को बाजारों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ती हैं। केंद्रीय योजनाओं और राज्य कार्यक्रमों के संयोजन के माध्यम से लाखों परिवारों को बिजली, पेयजल और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हुई है। सौभाग्य और उससे जुड़ी पहलों के तहत, बिहार में 35 लाख से ज़्यादा घरों का विद्युतीकरण किया गया, जिससे राज्य सार्वभौमिक घरेलू बिजली आपूर्ति के करीब पहुँच गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, बिहार के लिए 57 लाख से ज़्यादा पक्के घर स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से कई महिलाओं के नाम पर पंजीकृत हैं। ये आँकड़े उन ठोस बदलावों की ओर इशारा करते हैं, जिन्हें लोग देख और अनुभव कर सकते हैंः एक बारहमासी सड़क, एक जलती रहने वाली रोशनी, एक नियमित पेयजल आपूर्ति करने वाला नल तथा एक ऐसा घर, जो सम्मान प्रदान करता हो।

जैसे-जैसे इन सार्वजनिक कल्याण कार्यक्रमों का विस्तार हुआ, पुरानी शक्तियों की पकड़ ढीली होती गयी। बिहार का समाज विविधतापूर्ण और बहुस्तरीय है, फिर भी चुनावी लिहाज़ से यह बहुस्तरीय समाज अपने समुदायों तक सीमित नहीं रहा। विभिन्न समुदायों की महिलाएँ अब सुरक्षा, आवागमन और अवसर को लेकर एक जैसी अपेक्षाएँ रखती हैं। कभी सामाजिक पदानुक्रम के विपरीत छोर पर खड़े परिवारों के युवा अब खुद को एक ही कोचिंग क्लास और श्रम बाज़ार में पाते हैं। उनके रोज़मर्रा के अनुभव उन्हें आकांक्षाओं के एक साझा दायरे में ले आते हैं। उस दायरे में, वे राजनीति से रोज़गार, अवसंरचना, स्थिरता और निष्पक्षता जैसे सवाल पूछते हैं।

इस जनादेश ने वंशवाद-केंद्रित राजनीति पर भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। पारिवारिक करिश्मे और विरासत में मिले नेटवर्क पर निर्भर रहने वाली पार्टियों का विधायी दायरा तेज़ी से सिकुड़ रहा है। बिहार ने कई दशकों से ऐसे गठबंधनों को करीब से देखा है और उनकी सीमाओं को समझा है। 2025 के नतीजे बताते हैं कि मतदाता इस बात पर गौर कर रहे हैं कि नेता सरकार में कैसा व्यवहार करते हैं, संकट के समय में उनकी प्रतिक्रिया कैसी होती है, संस्थाओं के साथ कैसे व्यवहार करते हैं और सार्वजनिक संसाधनों का किस रूप में उपयोग करते हैं। व्यापक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में पारिवारिक पृष्ठभूमि मौजूद है, लेकिन वहाँ भी कड़ी मेहनत, संगठनात्मक क्षमता और सेवा के रिकॉर्ड से जुड़ी माँगें उन्हें बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती हैं।

युवा मतदाताओं का व्यवहार इस बदलाव का मूल तत्व है। बिहार भारत की सबसे युवा जनसांख्यिकीय आबादी वाले राज्यों में से एक है और 2000 के बाद जन्म लिए लाखों नागरिकों ने इस चुनाव में मतदान किया है। वे ऐसे भारत में पले-बढ़े हैं जहाँ एक्सप्रेसवे, डिजिटल भुगतान, प्रतिस्पर्धी संघवाद और महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाएँ अपेक्षाओं को आकार देती हैं। वे राज्यों की तुलना करते हैं, घोषणाओं पर नज़र रखते हैं और नेताओं का मूल्यांकन इस आधार पर करते हैं कि वादे कितनी तेज़ी से कार्यान्वित होते हैं। उनके लिए, समय पर बनी सड़क और कभी फ़ाइल से बाहर न आने वाली सड़क के बीच का अंतर समझना कोई कठिन बात नहीं है। वे हर दिन उस अंतर का अनुभव करते हैं जब वे कॉलेजों, कोचिंग सेंटर या कार्यस्थलों पर आते-जाते हैं, या जब वे अपने परिवारों को परिवहन संपर्क-सुविधा और कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होते देखते हैं। यह पीढ़ी राष्ट्रीय एकजुटता के लिए भी एक तीव्र प्रवृत्ति रखती है। युवा मतदाता ऐसी बयानबाजी के प्रति सतर्क रहते हैं, जो संस्थानों को कमज़ोर करती हैं, अलगाववादी भावनाओं को भड़काती हैं या राष्ट्रीय सुरक्षा को कम महत्व देती हैं।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

पल पल हँसाती..

पल पल हँसाती.. पल पल रुलाती अजनबी सी ...ये जिंदगी कभी मेरे आगे चलती.. कभी मुझसे पीछे मेरे साथ नहीं चलती.. ये जिंदगी पकड़ती हूँ बार बार...फिर भी नहीं हाथ थामती मेरा... ये जिंदगी हर लमहा मुझसे फिसल फिसल जाता लाख कोशिशें करने के बाद भी--- नहीं सँभाल पाती मैं.....ये जिंदगी तेरे सवालों के जवाब आखिर--- मैं.. .. क्यों नहीं दे पाती..... ए जिंदगी अजनबी सी ये

- डॉ. अर्चना

खाली सफ़ेद पन्नों पर

खाली सफ़ेद पन्नों पर, ख्यालों की बारिश होती है। हर रंग, हर रेखा, आत्मा की कहानी कहती है। उसे छूती हूँ, वो मुझसे बातें करता है मेरे डर, मेरी हसरतों, मेरी खुशियों की गूँज सुनता है। बिना मेरे वह खामोश, बिना उसके मैं अधूरी हम एक-दूसरे में बसते हैं, कल्पना और वास्तविकता का संगम बनते हैं। और जब हम मिलते हैं, तो ख़ाली जगह भी जी उठती है।

- सीमा नागर

कल उसे बेहिजाब देखा है मैंने

कल उसे बेहिजाब देखा है मैंने शायद यह ख्वाब देखा है जिसको सीने पे रख के सोता था वो ही चेहरा किताब देखा है उसको देखे से जी नहीं भरता गो उसे बेहिसाब देखा है अपने रस्ते में मैं ही हूँ शायद मैंने खुद पे नकाब देखा है अब तो लगता है सुधर जाऊँगा खुद को करके खराब देखा है। - **अनु मित्तल**

भेदभाव ले भरे व्यवस्था के जे मन

भेदभाव ले भरे व्यवस्था के जे मन पोषक यें धरम नहीं असल म उन मानवता के शोषक यें छोड़व अइसन ग्रंथ-गुरु ल जे तुँहला अलगाथें आदिदेव के धर लौ रद्दा जे समता के द्योतक यें - **सुशील भोले**

जुल्फ़ गिरते ही, आँखों पर नशा

जुल्फ़ गिरते ही, आँखों पर नशा सा छा गया। आँख मिलते ही, आँखों में उजाला आ गया। क्या लिखूं ? कुछ हद है मेरे कलम की सियाही में चूम लेता जो अधर कि माथे पर पसीना आ गया।... - **नीरज वर्मा नीर**

सफलता तब तक अधूरी होती है,

सफलता तब तक अधूरी होती है, जब तक वह आपके भीतर के व्यक्ति को शांत न कर सके और शांति तब मिलती है, जब हम अपने भीतर के शोर को स्वीकार कर लेते हैं, उससे लड़ना नहीं, उसे समझना शुरू कर देते हैं.. हम है है

- मीनाक्षी

जिस बिहार में किसी फिल्म के प्रीमियर

जिस बिहार में किसी फिल्म के प्रीमियर पर एक लाख लोग एकत्र हो जाते हैं, जिस बिहार में अग्निवीर के बारे में अफ्वाह फैला कर राहुल-तेजस्वी हफ्ते भर के लिए प्रदेश को आग में झोंकने का काम कर जाते हैं, वहां वहां गलत तौर पर 65 लाख नाम काट दिए जायेंगे और लोग शांत रहेंगे? ऐसा हो सकता है क्या?

- पंकज कुमार झा

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिए वृद्धि कर हो सकता है। बीते दिन की तुलना में आज स्वभाव में जल्दबाजी नहीं रहेगी।

वृषः आज का दिन आपके लिए भाग्यवर्धक रहेगा लेकिन इसके लिए लापरवाही से बचना होगा।

मिथुनः आज का दिन भी आपके लिए प्रतिकूल फल देने वाला रहेगा घर एवं कार्यक्षेत्र दोनों जगह नापसंद कार्य होने से क्रोध आएगा।

कर्कः आज का दिन बीते कल की तरह ज्यादा सुख सुविधा प्रदान नहीं कर पाएगा फिर भी सामान्य से उत्तम रहेगा।

सिंहः व की मनमानी आज प्रत्येक क्षेत्र में आपको कुछ ना कुछ कमी रखेगी। कार्यक्षेत्र पर जब मन करेगा तब कार्य करेंगे अन्यथा खाली बैठना ही पसंद करेंगे।

कन्याः आज का दिन भी आपके लिए आनंददायक रहेगा आज आप स्वतंत्र विचार रहने के कारण किसी के दबाव में नहीं आएंगे।

तुलाः आज का दिन आप को शांति से बिताने की सलाह है। निरंतर मिल रही असफलताओं से क्षुब्ध होकर जल्दबाजी में कोई गलत फैसला ले सकते हैं।

वृश्चिकः आज का दिन आप को सार्वजनिक क्षेत्र से लाभ के साथ सम्मान की प्राप्ति कराएगा। स्वभाव में जल्दबाजी भी रहेगी।

धनुः आज का दिन आपके लिए कार्य सफलता वाला रहेगा दिन के पहले भाग में जो भी योजना बनाएंगे।

मकरः आज का दिन आपको मंगल कार्यो की तरफ खींचेगा। घर अथवा बाहर धार्मिक अथवा पारिवारिक कार्यक्रम में जाने के अवसर मिलेंगे।

कुंभः आज भी दिन के आरम्भ से ही स्वास्थ्य में कुछ ना कुछ विकार लगा रहेगा। लापरवाही से बचें अन्यथा कोई नई समस्या खड़ी हो सकती है।

मीनः आज का दिन आपके लिए विजय दिलाने वाला रहेगा। दिन के आरंभिक भाग में स्वभाव में थोड़ी गर्मी रहेगी।

सूर्योदय : 06:52, सूर्यास्तः : 05:31, चन्द्रोदय : 28:53, चन्द्रास्त : 15:26, अयन : दक्षिणायणे (दक्षिण गोले), ऋतु : हेमन्त, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत : 2082 (कालयुक्त), मास : मार्गशीर्ष, पक्ष : कृष्ण, तिथि : चतुर्दशी (पूर्ण रात्रि), नक्षत्र : स्वाती, योग : आयुष्मान, प्रथम करण : गर (17:58 तक), द्वितीय करण : वणिज (पूर्ण रात्रि)।

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : वृश्चिक, चंद्र : तुला (15:34 से), मंगल : वृश्चिक (अस्त, पश्चिम , मार्गी), बुध : वृश्चिक (अस्त, पश्चिम, वक्री), गुरु : कर्क (उदित, पूर्व, वक्री), शुक्र : तुला (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, वक्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) किस राज्य ने पूर्वोत्तर भारत की पहली ऑन्को-रोबोटिक सर्जरी सुविधा का उद्घाटन किया है?

2) क्वांटम सैटेलाइट क्या है?

3) छात्रों की कोचिंग सेंटर्स पर निर्भरता कम करने के लिए हाल ही में गठित पैनल के अध्यक्ष कौन हैं?

4) तरुणेर स्वप्न योजना किस राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई है?

5) नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह किस देश की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गई हैं?

उत्तरमाला- (1) असम (2) एक सैटेलाइट जो संचार संकेतों को सुरक्षित करने के लिए क्वांटम भौतिकी का उपयोग करता है (3) विनीत जोशी (4) पश्चिम बंगाल (5) नामीबिया

कार्टून

■ न्यूज गैलरी

ऑटो स्टोर्स में 40 हजार की चोरी

दुर्ग। पुराना बस स्टैंड स्थित मध्यानी ऑटो स्टोर्स में 40 हजार रुपए की चोरी हुई है। चोरी की घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आ गया है। बीते 15 नवंबर की रात यह घटना हुई। जानकारी के अनुसार चोर पीछे दीवार पर लगे कूलर के सहारे दुकान पर चढ़ा। दुकान से नगद राशि के साथ मोबाइल भी चोरी किया। चोर ने दुकान में घुसते ही सभी सीसीटीवी कैमरों की केबल को काट दिया था। एक कैमरे का तार नहीं कट पाया, जिसमें घटना रिकॉर्ड हो गई। ऑटो स्टोर्स के मालिक मोहित मध्यानी (28) ने बताया कि उन्होंने 15 नवंबर की रात करीब 9:15 बजे दुकान बंद की थी। अगले दिन सुबह 9:15 बजे दुकान खोलने पर काउंटर खुला मिला। काउंटर से लगभग 35,000 रुपए नकद और करीब 5,000 रुपए का सैमसंग मोबाइल गायब था।

जिला समन्वयक पद पर संविदा भर्ती : लिखित परीक्षा 21 को

दुर्ग। पंचायत संचालनालय अंतर्गत पुनर्गठित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना में जिला समन्वयक आरजीएसए के संविदा रिक्त पद पर भर्ती हेतु वांछित अर्हताधारी व इच्छुक अभ्यर्थियों से 30 मई को शाम 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किये गये थे। पात्र/अपात्र आवेदकों की सूची का प्रकाशन करते हुए 10 नवम्बर को शाम 5 बजे तक दावा आपत्ति आमंत्रित की गई थी, जिसमें 2 अभ्यर्थियों द्वारा आपत्ति की गई है। इनका निराकरण करने के बाद 21 नवम्बर को लिखित परीक्षा उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज दुर्ग में होगी। दस्तावेज सत्यापन सुबह 11 बजे से 11.30 बजे तक किया जाएगा। कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा सुबह 11.30 बजे से 12 बजे तक होगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होने कहा गया है।

बौद्ध महासभा के चुनाव की घोषणा, 14 दिसम्बर को मतदान

भिलाई। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर - 6 के कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव कार्यक्रम शुरू हो गया है। मतदान 14 दिसंबर को होगा। इसके बाद मतगणना की जाएगी। चुनाव संचालन समिति में मुख्य निर्वाचन अधिकारी एल. उमाकांत व सहायक निर्वाचन अधिकारी प्रभाकर खोब्रागड़े, नरेश मेश्राम, अनिल रंगारी, भारती खांडेकर मनोनीत किये गए हैं। उमाकांत ने बताया कि मतदाता सूची का प्रकाशन 17 को किया गया। नामांकन पत्र का वितरण 27 नवंबर से 29 नवंबर तक किया जाएगा। उम्मीदवार को नामांकन शुल्क 1500 रुपए जमा करना होगा। नामांकन प्रपत्रों की जांच दो दिसंबर को होगी। नाम वापसी 4 दिसंबर तक होगी। चुनाव चिन्ह आबंटन 5 दिसंबर को होगा। मतदान 14 दिसंबर को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान समाप्ति के 2 घंटे बाद शाम 7 बजे से मतगणना प्रारंभ की जाएगी। मतगणना के बाद परिणामों की घोषणा की जाएगी।

नाले में मिला युवक का शव

दुर्ग/नवप्रदेश। आज सुबह बांस पारा स्थित नाले में युवक का शव मिला है। युवक कल रात को घर से निकला था। आज सुबह उसकी लाश मिली। पुलिस के अनुसार युवक के शव पर चोट के निशान हैं जिसके कारण हत्या की आशंका जताई जा रही है। सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा युवक के पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी नवीन राजपूत के मुताबिक मृतक संजय यादव पिता बसंत यादव (24 वर्ष) पचरी पारा दुर्ग का निवासी था। बीती रात संजय अपने परिवार के सदस्यों से कुछ देर में वापस लौटने की बात कहते हुए घर से निकला। देर रात तक न लौटने पर परिजनों ने उसकी पतासाजी की। संजय की कोई जानकारी नहीं मिल पाई। आज सुबह सफाई कर्मचारियों ने नाले में शव देखकर पुलिस को सूचना दी। बॉडी को बाहर निकल गया पंचनामा कार्रवाई के बाद पीएम के लिए भेज दिया गया। लाश मिलने की जानकारी मिलने पर परिजनों ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण ज्ञात हो सकेगा। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। जिस जगह पर युवक की हत्या हुई है, उसी जगह के पीछे पतली सी गली में शराब-गांजा पीने के सबूत मिले हैं।

सूनसान खंडहर की सीढ़ियों पर मिली ठंड से ठिठुरती नवजात बच्ची

भिलाई/नवप्रदेश। जामुल थाना क्षेत्र के गोकुल धाम में अयोध्या नगर में एक खंडहर में एक नवजात बच्ची मिली है। नवजात ठंड से कांप रही थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि दुकान के पास से बच्ची के रोने की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। वहां खंडहर की सीढ़ियों पर कंबल में लिपटी नवजात बच्ची पड़ी थी। बच्ची की हालत देख लोगों ने डायल 112 को सूचना दी। पुलिस टीम सुबह करीब 7 बजे मौके पर पहुंची और नवजात बच्ची को दुर्ग जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां नवजात का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि उसकी हालत स्थिर है। बच्ची की मेडिकल जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह के समय इलाके में सन्नाटा रहता है। अचानक बच्ची के रोने की तेज आवाज सुनने के बाद लोग मौके पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस जांच कर रही है कि नवजात बच्ची को सुनसान खंडहर में किसने छोड़ा। पुलिस आसपास के अस्पतालों और निजी नर्सिंग होम में भी जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि पता लगाया जा रहा है कि बच्ची किसकी है और किस परिस्थिति में उसे यहां छोड़ा गया। मामले में कई पहलुओं पर जांच की जा रही है।एएसपी पद्मश्री तंवर ने कहा कि थाना जामुल में गोकुलधाम में अयोध्या नगर में एक खंडहर है। उसकी सीढ़ियों पर एक नवजात बच्ची मिली है। डायल-112 की सहायता से नवजात बच्ची को जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। बच्ची लावारिस हालत में मिली है। उसके परिजनों की तलाश की जा रही है।

जेल में बंद पति के दोस्तों ने किया महिला से गैंगरेप

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई नगर थाना क्षेत्र में एक महिला से गैंगरेप की घटना की शिकायत की गई है। महिला का पति धारा 307 के मामले में जेल में बंद है। महिला के पति के दोस्तों ने ही महिला के साथ गैंगरेप किया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एक महिला और दो युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला ने पीड़िता और युवकों के बीच जान पहचान करवाई थी।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित महिला का पति धारा 307 के मामले में जेल में बंद है। जेल जाने से पहले उसने पत्नी से कहा था कि उसके दोस्तों से संपर्क में रहे। पति के एक दोस्त ने महिला की भाभी के जरिए उससे मिलने की कोशिश की। जान पहचान होने के बाद युवक मिलने के लिए महिला के घर पहुंचा। यहां पहले से दूसरा दोस्त मौजूद था। दोनों ने मिलकर बारी-बारी से रेप किया। रेप के बाद पीड़िता थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी रामाराव, नकुल और महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस अफसरों का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला से संपर्क करवाने वाली महिला भी इस मामले में दोषी है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सहकारिता की समझ न साय को है न उनके अधिकारियों को : भूपेश

सहकारी समिति कर्मचारी संघ की हड़ताल का पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश ने किया समर्थन

दुर्ग/नवप्रदेश। चार सूत्रीय मांगों को लेकर सहकारी समिति कर्मचारी संघ 3 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज आंदोलन स्थल पर पहुंचकर सहकारी कर्मचारी संघ की मांगों का समर्थन किया। भूपेश बघेल ने कहा कि हमारी सरकार में सोसाइटी, किसान और राइस मिलर को मजबूत करने का काम किया गया था। सोसाइटियों की मांग पर 240 करोड़ रुपए माफ कर दिये गए थे।

भूपेश ने कहा कि जब हमने 2500 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी शुरू की, तब धान की खेती करना छोड़ चुके किसान भी खेती करने लगे। शहर के लोग वापस गांव में जाने लगे। डॉ रमन सिंह के मुख्यमंत्री कार्यकाल के समय 80 लाख मीट्रिक टन धान का उत्पादन हो रहा था, लेकिन कांग्रेस शासनकाल में

143 लाख मीट्रिक टन उत्पादन पहुंच गया।

बघेल ने कहा कि सहकारिता की व्यवस्था की समझ विष्णुदेव साय या उनके अधिकारियों को नहीं है। मुख्यमंत्री साय साय हैं और उनके अधिकारी आये बांये हैं। 3 दिन में किसानो को भुगतान की व्यवस्था किए थे, लेकिन विष्णु सरकार ने 15 दिन कर दिया। मिलर सीधे धान खरीदी केंद्र से धान उठा रहे थे, उसे भी बंद करके धान संग्रहण केंद्र से धान उठाव करवा रहे है। बघेल ने कहा कि आप लोग अक्खड़ छत्तीसगढिया हो। सरकार ने एस्मा लगाया तो आप लोगों ने उसके पहले ही सामूहिक इस्तीफा दे दिया। हमारे जैसे छत्तीसगढिया आदमी मुख्यमंत्री बने तो अधिकारियों को नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी भी सिखा देते हैं और बासी भी खिला देते हैं। विष्णु देव से सवाल कुछ पूछो तो जवाब कुछ देते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री विष्णु देव की की बहुत तारीफ करते हैं। मुझे समझ नहीं आता कि तारीफ किस बात की करते हैं। छत्तीसगढ़ में किसान परेशान है। स्कूल बंद कर दिये गए हैं।

कर्मचारी हड़ताल पर हैं। किस बात की तारीफ हो रही है। मेरी समझ में छत्तीसगढ़ में उनके इच्छा के अनुसार काम होने के कारण ही वे साय की तारीफकर रहे हैं। जिस प्रकार पूरा खदान और पूरा प्लांट अदानी का है। इस साल धान खरीदी अस्त व्यस्त चल रहा है। आने वाले सत्र में भी धान खरीदी अदानी द्वारा किया जाएगा और आप सब सरकारी कर्मचारी नहीं अदानी के कर्मचारी बन जाएंगे।

धरना प्रदर्शन में हजारों की संख्या में संभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा, अनिला भेडिया, कुंवर सिंह निषाद, गिरीश देवांगन और पूर्व महापौर नीता लोधी भी मौजूद रहे।

ब्लास्ट फर्नेस-7 में किया 5020 टन का रिकार्ड उत्पादन

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस-7 ने 16 नवम्बर को उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए 5,020 टन का हॉट मेटल का अभूतपूर्व दैनिक उत्पादन अर्जित किया। इससे पूर्व दर्ज किये गए 21 मार्च 2025 के 5,002 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि पर कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने ब्लास्ट फर्नेस-7 जाकर सभी को शुभकामनाएं दीं। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी आयरन तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) मनोज कुमार, ब्लास्ट फर्नेस, सिंटर प्लांट-2 और कोक ओवन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। राकेश कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा ही उत्पादन की आधारशिला है। उन्होंने ब्लास्ट फर्नेस-7 टीम और संपूर्ण ब्लास्ट फर्नेस विभाग को उत्पादन व टेक्नो-इकोनॉमिक्स के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि उच्च हॉट मेटल उत्पादन की प्रक्रिया कोक ओवन, सिंटर प्लांट-2, ऑक्सीजन प्लांट, पीबीएस व अन्य संबद्ध विभागों के प्रदर्शन पर आधारित होती है। उन्होंने सभी विभागों के योगदान की प्रशंसा की और उत्पादन व टेक्नो-इकोनॉमिक्स में निरंतर प्रगति के लिये सहयोगात्मक पर जोर दिया।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में हुनर फेस्ट-25 : रैंप वॉक ने बिखेरी छटा

भिलाई/नवप्रदेश। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी भिलाई में हुनर 2025 का आयोजन किया गया। अलग-अलग विधाओं में आयोजित कार्यक्रम हुनर फेस्ट का आगाज महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 6 विभागों द्वारा प्रतियोगिता में कांटे की टक्कर थी। हर समूह ने आगे बढ़ने की होड़ में उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया।

हुनर फेस्ट 25 के समापन समारोह के मुख्य अतिथि ललित चंद्राकर विधायक दुर्ग ग्रामीण, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अर्चना झा व डीन एकेडमिक डॉ जे दुर्गा प्रसाद राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की परंपरा अनुसार मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत पौधा व श्रीफल भेंट कर बैज लगाकर स्वागत गान से किया गया। राज्य गीत अरपा पैरी के धार से छत्तीसगढ़ महतारी का वंदन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ललित चंद्राकर ने कहा कि भारत सभी धर्मो का सम्मान करता है। भारत हमेशा से शिक्षा और ज्ञान का केंद्र रहा है। आज भारत को सोने की चिड़िया बनाना है। नौकरी मांगने की लाइन में खड़े होने की बजाय हमारी युवा पीढ़ी स्टार्टअप के माध्यम से लोगों को रोजगार प्रदान करें। उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 का भी उल्लेख किया और प्रधानमंत्री के खेलो इंडिया के माध्यम से ग्रामीण अंचल के बच्चों के हुनर को रखने का कार्य का भी उल्लेख किया। हुनर इंटर डिपार्टमेंट फेस्ट सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष दीपाली देवांगन गर्ल्स और प्रांजल मातुरकर ने बॉयज वर्ग का प्रतिनिधित्व किया। शिक्षा विभाग से लिखील साहू और जयश्री व्यापारी वाणिज्य विभाग से सौरभ ध्रुव व पूजा झा प्रबंधन विभाग से त्रिस्मीत सिंह भाटिया व स्वाति बिसेन कला विभाग से देवांशु व रितिका विज्ञान विभाग से खुशी सिंह राजपूत और मुनेश्वर बीसीए विभाग से पायल व पवन प्रतिनिधि चुने गए। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग का वर्चस्व रहा। द्वितीय स्थान पर वाणिज्य विभाग, तृतीय स्थान पर प्रबंधन विभाग, चतुर्थ स्थान पर विज्ञान विभाग, पांचवें स्थान पर कला एवं कंप्यूटर विभाग रहा। मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह सीड बॉल देकर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के डीन एकेडमी डॉ जे दुर्गा प्रसाद राव ने किया।

मेयर, कमिश्नर ने किया वार्ड 60 का निरीक्षण, सफाई में लापरवाही पर दी कड़ी चेतावनी

■ **सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने और लोहे का फ्रेम जब्त करने दिये निर्देश**

दुर्ग/नवप्रदेश। मेयर अलका बाघमार व कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने सोमवार को सुबह वार्ड 60 का निरीक्षण किया। सड़क और नाली की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एमआईसी मेंबर देवनारायण चंद्राकर, शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, निखिल खिचरिया, सहायक अभियंता

संजय ठाकुर, उपअभियंता पंकज साहू, बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, ईश्वर वर्मा, करण करोसिया, प्रकाश अहीर, गौतम साहू व अतिक्रमण टीम के सदस्य मौजूद रहे। मेयर ने वार्ड में नालियों में जमी गंदगी और कचरा देखकर नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर ही सफाई गैंग बुलवाकर तुरंत सफाई शुरू कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नालियों और सड़कों की नियमित सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मेयर और कमिश्नर ने नेपाली बस्ती, साई नगर और पुष्पक नगर में स्थानीय नागरिकों से संवाद कर नाली जाम, मरम्मत और जल निकासी से जुड़ी समस्याएं सुनीं। महापौर ने कहा कि शिकायतों का निराकरण तुरंत किया जाए। मेयर व कमिश्नर ने कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनाने और जनसुविधाएं बढ़ाने की दिशा में नगर निगम लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लापरवाही का पता चलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नेपाली पारा क्षेत्र में पुलिया के पास किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। कातुलबोर्ड रोड किनारे पड़े बिल्डिंग मलबे को हटाने का निर्देश दिया गया। जुनवानी रोड, पुष्पक नगर दुकान के सामने नाली के पास लगे लोहे के साइन बोर्ड फ्रेम को कटर से काटकर जब्त करने के निर्देश दिये गए।

छात्रवृत्ति के आवेदन 30 तक

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विगत दिवस छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं छात्रवृत्ति प्रभारी की बैठक ली। बैठक में उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति नवीनीकरण/नवीन आवेदनों में प्रगति लाने निर्देश दिए हैं। सहायक आयुक्त अविनाश श्रीवास ने बताया कि दुर्ग जिला कुल स्वीकृत आवेदनों की संख्या में पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान पर है।

102 केंद्रों में से 23 में धान बेचने नहीं आए किसान

■ **79 केन्द्रों में 487 किसानों से 2495.20 मेट्रिक टन धान की खरीदी**

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में धान खरीदी के लिये 102 धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। आज 79 केंद्रों में 626 किसानों के टोकन काटे गए। इन किसानों के धान की खरीदी की गई। जिला प्रशासन ने दावा किया है कि हड़ताल के कारण सभी केंद्रों में अव्यवस्था और संसाधनों की कमियां दूर कर ली गई है। जिन केंद्रों में किसान पहुंच रहे हैं, वहां टोकन कट रहे हैं और धान खरीदी की जा रही है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के सीईओ हृदेश शर्मा ने बताया कि सभी 102 धान उपार्जन केंद्रों में प्रभारी नियुक्त कर दिये गए हैं। कम्प्यूटर ऑपरेटर भी नियुक्त किये गए हैं। जिन केंद्रों में किसान आ रहे हैं, वहां टोकन काटा जा रहा है और धान खरीदी की जा रही है। प्रशासन स्तर पर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)अपने-अपने अनुभाग मुख्यालय में धान खरीदी के लिये कंट्रोल रूम बनाकर रोटेशन अनुसार नामवार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाएंगे। कंट्रोल रूम में शिकायत निवारण पंजी का संधारण कर प्राप्त शिकायतों को त्वरित निराकरण करेंगे। इसके अलावा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) हर हफ्ते मंगलवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में वस्तुस्थिति से कलेक्टर को अवगत कराएंगे। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ करते हुए दुर्ग जिले के चंदखुरी ग्राम के अनुभवी किसान राजेन्द्र चन्द्राकर ने धान विक्रय की प्रक्रिया पूरी की।

सहकारिता पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए से-6 सोसाइटी के प्रतिनिधि

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 भिलाई के प्रतिनिधियों ने नई दिल्ली में शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र पर हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन-सहकारी कुंभ 2025 (कोप कुंभ) में अपनी भागीदारी दी और सहकारिता क्षेत्र के भविष्य को लेकर देश भर से आए महत्वपूर्ण लोगों के विचारों से अवगत हुए। विज्ञान भवन में संपन्न दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय शहरी सहकारी बैंक और ऋण समिति संघ व सहकारिता मंत्रालय ने संयुक्त रूप से किया। सपनों का डिजिटलीकरण व समुदायों का सशक्तिकरण विषय पर विज्ञान भवन में हुए सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किया। सम्मेलन से भागीदारी देकर लौटे सेक्टर-6 सोसाइटी के संचालक हरिराम यादव, कुलेश्वर चंद्राकर, विनोद वासनिक और सोसाइटी के प्रतिनिधि शैलेश कुमार सिंह व सुनील शर्मा ने आयोजन को सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहल बताया है। भिलाई लौटने पर इन प्रतिनिधियों ने सोसाइटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र से मुलाकात कर सम्मेलन की जानकारी दी। प्रतिनिधियों ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य संवाद, नवाचार और साझा दृष्टिकोण के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाना और देश में वित्तीय समावेशन की सहकारी नींव को मजबूत करना रहा। इसमें नीति निर्माता, सहकारी क्षेत्र के दिग्गज और विश्व ऋण संघ परिषद और ग्रीनस्टोन फर्म क्रेडिट सर्विसेज के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को सुनने का अवसर मिला।

बेहतरीन प्रदर्शन...

रूंगटा बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर को सीएम साय ने दिया उत्कृष्ट सम्मान

रूबी ने टेकस्टार्ट समिट में प्रदेशभर के संस्थानों के बीच बनाई जगह

भिलाई/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में नवाचार और तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ टेकस्टार्ट 2025 कार्यक्रम के दौरान राज्य भर के उन इनक्यूबेटर्स और स्टार्टअप्स को सम्मानित किया, जिन्होंने इनोवेशन के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस सूची में भिलाई की रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (रूबी) को आउट स्टेंडिंग परफॉर्मेंस एज इन्क्यूबेटर्स अवॉर्ड से नवाजा गया। रूबी से पंजीकृत स्टार्टअप वर्टेक्स सूट भी सम्मान का हकदार बना।

स्टार्टअप के फाउंडर रायपुर के सजल मलहोत्रा ने अवॉर्ड लिया। उन्हें सीएम साय ने पुरस्कार के

रूप में 51 हजार का चेक सौंपा।

इसी तरह रूंगटा इन्क्यूबेशन सेंटर के डीन इन्क्यूबेशन अनुराग शर्मा ने भी मुख्यमंत्री साय से अवॉर्ड लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान राज्य में स्टार्टअप ईको सिस्टम को मजबूत बनाने, युवाओं को मार्गदर्शन देने और नई तकनीकी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में उसके योगदान के लिए दिया गया। एनआईटी रायपुर और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को भी इनक्यूबेशन और नवाचार को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। प्रदेश के प्राइवेट कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज के बीच रूंगटा यूनिवर्सिटी अकेला संस्थान रहा, जिसने उत्कृष्ट इन्क्यूबेशन सेंटर की सूची में जगह बनाई और पुरस्कार हासिल किया।

लघु उद्योगों और स्टार्टअप्स को नए मौके

यह आईपीएफसी सेंटर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप्स को बौद्धिक संपदा (इंटेलेक्चुअल प्रॉपटी) पंजीकरण, संरक्षण और व्यावसायीकरण की सुविधा उपलब्ध कराएगा। छत्तीसगढ़ में अब केवल तीन आईपीएफसी सेंटर हैं। पहला एमएसएमई डीआई, दूसरा सीजीकॉस्ट रायपुर और अब तीसरे संस्थान के तौर पर रूंगटा आर-1 इंजीनियरिंग कॉलेज को शामिल किया गया है। इस सेंटर 1 के माध्यम से उद्यमी अपने विचारों को सुरक्षित कर प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना सकेंगे।

रूबी से जुड़े 17 स्टार्टअप

रूंगटा आर-1 ग्रुप का अपना बिजनेस इनक्यूबेटर सेंटर (रूबी) पहले से ही 32 छात्र इनोवेटर्स, 17 स्टार्टअप और 10 इनक्यूबीटी स्टार्टअप्स को क्षमता निर्माण, तकनीकी सहयोग और उद्योग मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। अब आईपीएफसी के रूप में आरसीईटी इन सेवाओं का दायरा और बढ़ाएगा। ताकि, छत्तीसगढ़ एमएसएमई और स्टार्टअप इकोसिस्टम राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सके। इस उपलब्धि पर रूंगटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति संतोष रूंगटा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के हर इनोवेटर और उद्यमी को विश्वस्तरीय बौद्धिक संपदा संरक्षण और नवाचार समर्थन मिले, ताकि एमएसएमई और स्टार्टअप इकोसिस्टम नई ऊंचाइयों को छू सके।

लघु उद्योगों की मदद करेगा रूबी

एमएसएमई ने इनोवेटिव स्कीम 2025-26 के तहत देशभर में 10 फैसिलिटेशन सेंटर की शुरुआत की है। खास बात यह है कि छत्तीसगढ़ के लघु उद्योगों और उनके बिजनेस आइडिया को आगे बढ़ाने के लिए रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के संघटक इंजीनियरिंग कॉलेज (रूंगटा आर-1) को इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी फैसिलिटेशन सेंटर का दर्जा दिया गया है। इसके लिए रूंगटा कॉलेज के आईपीएफसी सेंटर को अनुदान के तौर पर 47.22 लाख की ग्रांट स्वीकृत की गई है। आरसीईटी यह गौरव पाने वाला छत्तीसगढ़ का पहला निजी संस्थान बन गया है। एमएमएमई इस सेंटर के लिए एक साल में एक करोड़ रुपए तक की ग्रांट उपलब्ध कराएगा, जिससे प्रदेश के लघु उद्योगों को मदद दी जाएगी।

न्यूज गैलरी

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने पर भेजा गया जेल

सहसपुर लोहारा। सोशल मीडिया में भारतीय संविधान के संबंध में भड़काऊ पोस्ट करने वाले गणेश तिवारी को जेल भेज दिया गया है। सहसपुर लोहारा के वार्ड 9 निवासी गणेश तिवारी ने समाज मे वैमनस्यता फैलाने के उद्देश्य से भारतीय संविधान के संबंध में वीडियो बनाकर अशोभनीय टिप्पणी की थी। यह वीडियो वायरल होने पर समाज के कुछ प्रमुख लोगों ने आपत्ति जाहिर की। इस मामले में पुलिस ने गणेश तिवारी से वायरल वीडियो के संबंध में पूछताछ की। आरोपी युवक पुलिस के साथ विवाद करने लगा। आक्रोशित होकर चिल्लाते हुए पुलिस के सामने ही मरने-मारने पर आमादा हो गया। पुलिस द्वारा युवक को समझाने का प्रयास किया गया लेकिन उसके न मानने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। युवक को एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कार्यवाही में सउनि बलदाउ भट्ट ,प्रधान आरक्षक लक्ष्मीनारायण अनंत, बिनेश पोर्ते, दुर्गेश टण्डन का योगदान रहा।

साढ़े चार लाख मूल्य की अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि नीलगिरी पार्क राजनांदगांव में आलीखुटा थाना तुमड़ीबोड़ निवासी जितेन्द्र साहू के कब्जे से 683 नग केन बियर महाराष्ट्र राज्य निर्मित, 69 नग बोतल, 64 नग अद्धी, 27 नग पाव विदेशी मदिरा व्हिस्की लगभग 4 लाख 50 हजार रूपए के महाराष्ट्र राज्य निर्मित कुल मात्रा 403.735 बल्क लीटर शराब जप्त किया गया। आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग को एक बड़ी सफलता मिली है। इस बार रेड लेबल, ब्लैक लेबल, बुलडॉग से लेकर बडवाइजर जैसी महंगी और प्रीमियम ब्रांड की बोतलों से जुड़ा मामला पकड़ा गया है।

4.41 करोड़ की लागत से बनेगा नालंदा परिसर, उपमुख्यमंत्री शर्मा ने किया भूमिपूजन

- **नालंदा परिसर लाइब्रेरी से युवाओं को मिलेगा आधुनिक अध्ययन माहौल**
- **250 सीट क्षमता वाली आधुनिक नालंदा लाइब्रेरी से युवाओं को मिलेगा 24 घंटे अध्ययन का अवसर**

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा ज़िले में शिक्षा और ज्ञान-संस्कृति को नई दिशा देने बहुप्रतीक्षित 4 करोड़ 41 लाख रुपये की लागत से बनने वाली 250 सीट क्षमता वाली नालंदा परिसर लाइब्रेरी के निर्माण कार्य की नींव रखी। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, पूर्व संसदीय सचिव डॉ सियाराम साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, जनपद अध्यक्ष सुषमा गणपत बघेल, विजय पटेल, मनीराम साहू, सतविंदर पाहुजा सहित समस्त पार्षदगण, जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नालंदा परिसर लाइब्रेरी लगभग डेढ़ एकड़ शासकीय भूमि पर निर्मित होगी। यह लाइब्रेरी आधुनिक सुविधाओं, डिजिटल संसाधनों और उन्नत अध्ययन माहौल से युक्त एक प्रमुख अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित की जाएगी। यहां 250 सीटों वाला पूर्णतः वातानुकूलित हॉल बनाया जाएगा, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

भवन के भूतल में 100 सीट क्षमता वाला रीडिंग हॉल, विद्युत कक्ष, कम्प्यूटर टेबल, पुस्तक भंडारण कक्ष, प्रवेश एवं प्रतीक्षा कक्ष, कार्यालय, लिफ्ट कक्ष और शौचालय का निर्माण होगा। इसी प्रकार प्रथम तल में 150 सीट क्षमता का रीडिंग हॉल, विद्युत कक्ष, कम्प्यूटर टेबल, लेक्चर रूम, ई-लॉबी, लिफ्ट रूम और शौचालय की सुविधा विकसित की जाएगी। यह नालंदा लाइब्रेरी जिले के युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाला अध्ययन वातावरण प्रदान करेगी और उन्हें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित करेगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा में नालंदा परिसर की स्थापना यहाँ के युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक सौगात और स्वर्णिम पल है। यह परिसर शिक्षा, ज्ञान और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जाएगा कि यह लाइब्रेरी 24 घंटे संचालित हो। परिसर को आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा।

यहाँ ऑडियो बुक, डिजिटल कॉर्नर, चैट जीपीटी सहित सभी एआई टूल्स के उपयोग के लिए अलग स्पेस तैयार किया जाएगा, ताकि युवा दिन-भर अध्ययन कर सकें और ज्ञान का लाभ लेकर अपना भविष्य संवार सकें।

शर्मा ने बताया कि कवर्धा को मेडिकल कॉलेज की बड़ी सौगात मिली है। मेडिकल कॉलेज के लिए 42 एकड़ भूमि आरक्षित कर ली गई है तथा लगभग सवा 300 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। टेंडर जारी हो चुका है और निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होने वाला है। कॉलेज में 50 एमबीबीएस सीटों की तैयारी की जा रही है, वहीं 60 पदों की स्वीकृति भी मिल चुकी है। कवर्धा में विकास कार्यों की गति लगातार तेज है।

नपा अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि यह परिसर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा और उनके सपनों को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे बिहार का नालंदा विश्वविख्यात अध्ययन केंद्र है, वैसे ही अब छत्तीसगढ़ में बन रहा नालंदा परिसर शिक्षा और अनुसंधान का नया केंद्र बनेगा। कवर्धा को मेडिकल कॉलेज और पर्यटन विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना से 146 करोड़ की मंजूरी जैसी बड़ी उपलब्धियाँ मिली हैं।

नए नवेले ऑपरेटर चालू नहीं कर पाए कम्प्यूटर, कई समितियों में नहीं हो पाई खरीदी

अधिकारी-कर्मचारी सहित प्रशासनिक अमला दिन भर व्यवस्था बनाने जुटा रहा, नहीं मिली सफलता

खैरागढ़/नवप्रदेश। समिति कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से जिले में धान खरीदी व्यवस्था चरमरा गई है। धान खरीदी के दूसरे दिन भी अव्यवस्था जारी रही। जिले की समितियों में अधिकारियों, कर्मचारियों की तैनाती और नए कम्प्यूटर आपरेटरों की भर्ती के बाद भी आधे से ज्यादा समितियों में आपरेटर कम्प्यूटर सिस्टम चालू नहीं कर पाए। रविवार को सभी नए आपरेटरो को आनन फानन में कलेक्ट्रेट में प्रशिक्षण देकर सोमवार से समितियों में तैनात किया गया।

नए नवेले आपरेटरों को सिस्टम की समझ न होने के कारण धान खरीदी की कार्रवाई नहीं हो पाई। कई जगहों पर सिस्टम अपडेट न होने, सिस्टम चालू न होने जैसी दिक्कतें भी आई। सोमवार को धान खरीदी केन्द्रों से ऑफलाइन और ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत 41 खरीदी केन्द्रों से कुल 403 टोकन जारी किए गए थे। इन टोकनों से सोमवार को कुल 24497 क्विंटल धान की खरीदी होनी थी। तकनीकी दिक्कतों के कारण आधे से अधिक केंद्रों में धान खरीदी नहीं हो पाई। जिले के ईटार, गाड़ाडीह, अमलीपारा, कामठा, मड़ौदा, जालबांधा, बाजार अतरिया सहित कई समितियों में किसान अपनी उपज लेकर समितियों में पहुंचे। किसान कम्प्यूटर सिस्टम चालू होने का इंतजार करते रहे। अव्यवस्था की जानकारी मिलने पर बैंक अधिकारी सहित प्रशासनिक अधिकारी भी समितियों में व्यवस्था दुरुस्त करने का प्रयास करते रहे। लेकिन, समिति कर्मचारियों की हड़ताल के कारण व्यवस्था नहीं सुधर सकी।

चार सुत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चल रहे समिति कर्मचारियों ने सोमवार को संभाग स्तरीय हड़ताल के दौरान दुर्ग में अपना सामूहिक इस्तीफा सौंप दिया। छग सहकारी समिति कर्मचारी संघ के बैनर तले जारी हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए सामूहिक इस्तीफा सौंपा। उन्होंने कहा कि धान का परिवहन न होने, सुखत की राशि सहित प्रासंगिक व्यय, सुरक्षा व्यय, कमीशन की राशि काटने से समिति कर्मचारियों को महीनों से वेतन भुगतान नहीं हुआ। मिलरो द्वारा समय पर उठाव न करने की पेनाल्टी भी सरकार लेती है। समिति को होने वाली क्षति से कर्मचारियों को नुकसान हो रहा है। कई बार मांग करने के बाद भी सरकार ने नहीं सुनी। कर्मचारियों ने कहा कि लगातार मांग के बाद भी सरकार द्वारा समस्या का निराकरण न करने से कर्मचारी शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से क्षुब्ध और नाराज है। इन परिस्थितियों मे कर्मचारी संघ धान खरीदी का बहिष्कार करते हुए अपने पदों से सामूहिक इस्तीफा दे रहे हैं। इस्तीफे में समिति के प्रबंधक, लिपिक, आपरेटर, विक्रेता, चौकीदार, सहायक सहित सहकर्मी भी शामिल हैं।

शिकायत के बाद दुकान नीलामी निरस्त

खैरागढ़/नवप्रदेश। नगरपालिका द्वारा दुकान नीलामी प्रक्रिया में व्यापक रूप से गडबड़ी और नुकसान की शिकायत के बाद पालिका प्रशासन ने दुकान नीलामी प्रक्रिया को निरस्त करने के आदेश जारी किए हैं। पालिका द्वारा धरमपुरा मणिकंचन केन्द्र, फतेह मैदान और संगीत विवि द्वार के समीप स्थित दुकानों की पहली नीलामी निरस्त कर नियम विरूद्ध दूसरी नीलामी कराकर पहले बेची गई नीलामी से कम में नीलामी कर खास लोगों को फायदा पहुँचाया गया था। मामले के तूल पकडने के बाद विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने नगरीय प्रशासन विभाग से शिकायत करते हुए नपा अधिकारियों और जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्यवाही की मांग की थी। शिकायत के तीन दिन बाद ही पालिका प्रशासन ने गड़बड़ी छिपाने और कार्यवाही से बचने दुकानों की नीलामी प्रक्रिया को निरस्त करने के आदेश जारी कर दिए।

64 लाख के नुकसान में बेची थी दुकानें

नगरपालिका द्वारा धरमपुरा स्थित कॉम्पलेक्स की आठ, फतेह मैदान की 3 यानी कुल 11 दुकानों की नीलामी की गई थी। दो साल पहले इन दुकानों की नीलामी के बाद बोलीकर्ताओं द्वारा राशि जमा न करने पर पालिका ने स्थानीय पार्षदों और अपने नेताओं को खुश करने आनन फानन में बिना नियम कायदे के दोबारा नीलामी कराई। इसके लिए सूचना भी जारी नहीं की गई। ताकि, ज्यादा बोलीकर्ता इसमें भाग न ले सकें। जिन दुकानदारों ने पिछली नीलामी मे ज्यादा रकम की बोली लगाकर दुकानें ली थी, उन्हें ही औने-पौने दरों पर दुकानें बोली में दे दी गई।

कर्मचारियों की हड़ताल के बीच शुरू हुई धान खरीदी

- **सांकरा सोसायटी में पंचायत के सचिव की प्रबंधक के रूप में लगी ड्यूटी**

बालोद/नवप्रदेश। सेवा सहकारी समितियों में पदस्थ प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कई दिनों से हड़ताल पर हैं। शासन प्रशासन द्वारा अल्टीमेटम देने के बावजूद काम पर नहीं लौटे हैं। धान खरीदी बाधित न होने देने के लिये प्रशासन ने वैकल्पिक इंतजाम करते हुए 15 नवंबर से खरीदी शुरू कर दी है। कई जगहों पर पूरी तैयारी न होने के कारण 17 नवंबर से धान खरीदी की शुरुआत की गई।

इलेक्ट्रॉनिक तराजू से धान तौलाई की शुरुआत की गई। हड़ताल में व्यवस्था बाधित न होने देने के लिये प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर सहित अन्य स्टाफ के बदले वैकल्पिक इंतजाम किए गए हैं। बालोद ब्लॉक के सांकरा ज सोसाइटी में सांकरा पंचायत के सचिव पूरन जोशी को प्रभारी प्रबंधक के रूप में ड्यूटी लगाई गई है।

गांव के अन्य युवकों को भी कंप्यूटर ऑपरेटर व अन्य कार्य दिये गए हैं। कई समितियों में पटवारी की ड्यूटी भी प्रबंधक के तौर पर लगाई गई है। इस बार भी टोकन सिस्टम से धान खरीदी की जा रही है। ऐप अपडेट होने के कारण कुछ किसानों को सर्वर के चलते टोकन कटवाने में तकनीकी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

सोमवार को सांकरा (ज) सोसाइटी में धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री प्रेम साहू, भाजपा जुंगेरा मंडल अध्यक्ष अरुण साहू, प्राधिकृत अध्यक्ष छगन देशमुख, संतोष देशमुख सहित सोसाइटी के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार किसान हित, सुशासन और अंत्योदय की भावना के साथ प्रत्येक वर्ग तक विकास व लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को समय पर समर्थन मूल्य, पारदर्शी खरीदी व्यवस्था और उनके मेहनत की सही कीमत दिलाना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। सांकरा ज के ही उपकेंद्र दरबारी नवागांव में भी सोमवार को ही धान खरीदी शुरू की गई।

एसआईआर का प्रशिक्षण

खैरागढ़। प्रदेश कांग्रेस से मिले दिशानिर्देश के बाद विधायक यशोदा वर्मा की अगुवाई में खैरागढ़ ब्लाक के सेक्टर प्रभारियों को एसआईआर का प्रशिक्षण दिया गया। रायपुर में प्रशिक्षण लेने के बाद विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने सेक्टर प्रभारियों को एसआईआर के दौरान होने वाली कार्यवाही से अवगत कराते कहा कि आगामी समय में बीएलए की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक बीएलए को अपने-अपने बूथ क्षेत्र में घर-घर संपर्क अभियान चलाने और मतदाताओं को फॉर्म भरने में सहायता करनी है।

गोंडवाना यूथ क्लब ने मनाया जनजातीय गौरव दिवस

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कौरीनभांठा स्थित प्री-मैट्रिक बालक छात्रवास में 15 नवंबर 2025 को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर गोंडवाना यूथ क्लब द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति, परंपरा और वीर शहीद बिरसा मुंडा के योगदान को उत्साहपूर्वक याद किया गया। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर गोंडवाना यूथ क्लब राजनांदगांव और प्री-मैट्रिक बालक छात्रवास कौरीनभांठा द्वारा संयुक्त रूप से भव्य आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक और प्रेरणादायी कार्यक्रम में छात्रवास के बच्चों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि व समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोंडवाना यूथ क्लब के अध्यक्ष नरेन्द्र मंडावी ने की। इस अवसर पर कौरीनभांठा वार्ड के पार्षद सेवक उइके, पेंड्री वार्ड के पार्षद कुलेश्वर ध्रुव, समाज के सुरेंद्र मंडावी, दीपक ठाकुर, हितेश ठाकुर, सुदर्शन नेताम, पुष्पेंद्र नेताम, तिलक मंडावी, राहुल नेताम, डामेंद्र मंडावी, अज्जू नेताम, रवि ओटी, मोरध्वज ठाकुर उपस्थित रहे। छात्रावास अधीक्षक उइके और गोंडवाना यूथ क्लब के सदस्यों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और जनजातीय गौरव दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया।

बिहार चुनाव में प्रचंड जीत के बाद कवर्धा पहुंचे सांसद पांडेय का स्वागत

कवर्धा/नवप्रदेश। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय के कवर्धा आगमन पर जिलाध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की हुई प्रचंड जीत में क्षेत्रीय सांसद व भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता संतोष पांडेय का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। पार्टी हाईकमान ने सांसद पांडेय को बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूर्वी चंपारण्य लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया था। इसके अंतर्गत छह विधानसभा सीट आती है। सांसद पांडेय ने अपने प्रभार वाले क्षेत्र में कारगर रणनीति बनाकर पूरी सक्रियता के साथ धुंआधार चुनाव प्रचार किया। बैठक व सभाएं की। परिणाम स्वरूप उनके प्रभार वाले सभी 6 विधानसभाओं में एनडीए प्रत्याशियों को प्रचंड जीत मिली। इस जीत के बाद कवर्धा पहुंचे सांसद संतोष पांडेय का पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्वागत-अभिनंदन किया। सांसद पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी व नीतीश कुमार के सुशासन के चलते बिहार में एनडीए को प्रचंड जीत मिली है। पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की। जनता ने एनडीए पर भरोसा जताया।

भूमिपूजन-लोकार्पण

संगठन की टीम के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष के निवास में डेढ़ घंटे रहे

उपमुख्यमंत्री साव ने दी करोड़ों के विकास कार्यो की सौगात

बालोद/नवप्रदेश। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव बालोद जिले के प्रवास पर रहे। उन्होंने नगर पंचायत डौंडीलोहारा में अमृत मिशन 2.0 का भूमिपूजन और अटल चौक का लोकार्पण करते हुए करोड़ों की सौगात दी। कार्यक्रम के बाद वे स्थानीय भाजपा मंडल के अध्यक्ष कुसुम शर्मा के निवास पर पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे तक भाजपा संगठन नेताओं के साथ चर्चा की। इस दौरान भाजपा के प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन सहित अन्य दिग्गज नेता मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों और पंचायत के लोगों से मुलाकात की और उनकी मांगों से संबंधित आवेदन भी लिये। गांव की छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान को लेकर निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने अध्यक्ष कुसुम शर्मा के कार्यों और नेतृत्व की सराहना की। उपमुख्यमंत्री साव ने डौंडीलोहारा में 3 करोड़ 30 लाख रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति नगर पंचायत को दी है। इसमें से 30 लाख रुपए की लागत से श्मशान घाट का काम होना है। 3 करोड़ अन्य विकास कार्यों में खर्च होने हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मंडल अध्यक्ष कुसुम शर्मा और नगर पंचायत अध्यक्ष लाल निवेंद्र सिंह टेकाम कहेंगे तो उनकी अनुशंसा पर अन्य कार्यों की भी जल्द स्वीकृति दे देंगे। भाजपा मंडल अध्यक्ष कुसुम शर्मा ने उप मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं की भारी भीड़ मौजूद होने पर सराहना करते हुए कहा कि मंडल अध्यक्ष की सक्रियता के कारण महिलाओं की भीड़ देखने मिल रही है। मुलाकात के दौरान विभिन्न गांव से आए हुए भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा अपने क्षेत्र की सड़कों की मांगों को लेकर आवेदन दिया गया। उपमुख्यमंत्री ने इन कार्यों के लिये तत्काल स्वीकृति दी। प्रदेश भाजपा के महामंत्री यशवंत जैन ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष डौंडीलोहारा क्षेत्र की समस्याओं और विभिन्न जनप्रतिनिधियों के माध्यम से आए हुए मांगों को मंत्री के समक्ष रखा। उपमुख्यमंत्री ने तत्काल मांगों पर दोगुनी स्वीकृति दे दी। स्वीकृति मिलने पर भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश भाजपा महामंत्री यशवंत जैन का आभार जताया। इस अवसर पर जिला आयुक्त स्काउट गाइड राकेश यादव, राजा दीवान, जिला महामंत्री सौरभ लूनिया, होरी लाल रावटे, कांति सोनबरसा, विवेक वैष्णव, मंडल उपाध्यक्ष लता गुप्ता, मंडल महामंत्री सोमेन्द्र देशमुख, दुष्यंत गिरी, गैंदमल भंसाली, जसराज शर्मा, जयलाल मालेकर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेहा उपाध्याय, पार्षद ममता यादव, ममता शर्मा उपस्थित थे।

पेज 1 का शेष

भारत-दक्षिण अफ्रीका के ...

ऑनलाइन शुरू होगी। इस बार छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने दर्शकों को राहत देते हुए टिकट दरों में कमी की है। स्टूडेंट्स के लिए टिकट की कीमत 800 रुपए रखी गई है जबकि पिछली बार स्टूडेंट के लिए टिकट 1000 रुपए रखी गई थी। इस बार स्टूडेंट अपनी आईडी दिखाकर एक टिकट ख़रीद सकता है। अन्य दर्शकों के लिए लोवर और अपर सीट के टिकट 1500 से 3500 के बीच शुरू होंगे, जबकि पवेलियन और कॉर्पोरेट बॉक्स के टिकट 20 हजार रुपए तक जा सकते हैं।

22 नवंबर से www.ticket-gini.in पर टिकट मिलना शुरू हो जायेगा। वहीं फिजिकल टिकट 24 नवंबर से रायपुर के इंडोर स्टेडियम में मिलेगी। केवल इंडोर स्टेडियम, बुद्धा पाड़ा में उपलब्ध। सीमित टिकट ही उपलब्ध हैं। प्रत्येक छात्र अपने वैध छात्र पहचान पत्र की एक फोटोकॉपी प्रस्तुत करके केवल एक टिकट प्राप्त कर सकता है। वहीं 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा दिव्यांग बच्चों को नि: शुल्क मैच दिखाया जाएगा और उनके आने जाने के लिए बस की भी सुविधा दी जाएगी।

यातायात और पार्किंग व्यवस्था

यातायात विभाग के समन्वय से, स्टेडियम के चारों ओर कई पार्किंग क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें पार्किंग ए, बी, सी, डी, ई, एफ जी और एच नाम दिया गया है। सीएससीएस, पुलिस और यातायात विभाग के साथ निकट समन्वय में, मैचों में भाग लेने वाले सभी प्रशंसकों के लिए एक सुचारू और निर्बाध अनुभव सुनिश्चित करेगा।

बस-टैंकर की भीषण ...

बचने का भी समय नहीं मिला। हादसा इतना भयानक था कि मृतकों की पहचान करना भी मुश्किल है। हादसे में 45 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने की 45 मौतों की पुष्टि

हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने बताया है कि सऊदी अरब में हुए बस हादसे में 45 लोगों की मौत हुई है और मरने वालों में अधिकतर हैदराबाद के निवासी हैं। मीडिया से बात करते हुए हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि 'बीती 9 नवंबर को हैदराबाद से 54 लोग उमराह के लिए जेद्दाह गए थे और इन लोगों को 23 नवंबर को वापस आना था। इन 54 में से चार लोग एक कार से मक्का से मदीना जा रहे थे और चार अन्य लोग मक्का में ही रुक गए थे। बाकी लोग हादसे का शिकार हुई बस में सफर कर रहे थे। हादसे के समय बस में 46 लोग सवार थे। हादसे में सिर्फ एक व्यक्ति जीवित बचा है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।'

पुलिस आयुक्त ने कहा कि हमें जो सूचना मिली है, उसके मुताबिक 45 लोग मारे गए हैं और ये लोग 23 नवंबर को हैदराबाद लौटने वाले थे। एआईएमआईएम विधायक माजिद हुसैन ने भी बताया कि हमें जो शुरुआती रिपोर्ट मिल रही है, उसके तहत हादसे में 40 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। हम पीड़ित परिवारों से संपर्क कर रहे हैं। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से हादसे में मारे गए लोगों के शवों को वापस भारत लाने में मदद की अपील की है।

बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ...

अनुपस्थिति में उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया।

भारत शेख हसीना को ...

तत्काल प्रत्यर्पित करना 'भारत का अनिवार्य कर्तव्य' है। बांग्लादेश ने मौत की सजा का फैसला पारित होने के बाद शेख हसीना और उनके सहयोगी देश के पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को तत्काल प्रत्यर्पित करने की मांग की।

सजा पर शेख हसीना की ...

न ही यह किसी भी तरह से निष्पक्ष है। उनका दावा है कि न्यायाधिकरण ने केवल अवामी लीग के सदस्यों पर मुकदमा चलाया है, जबकि कथित तौर पर राजनीतिक विरोधियों द्वारा की गई हिंसा को नजरअंदाज किया है।

उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ सुनाया गया फैसला धांधली भरे न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है। जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है। वे पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित हैं। मृत्युदंड की उनकी घृणित मांग, अंतरिम सरकार के भीतर चरमपंथी लोगों के बांग्लादेश के अंतिम निर्वाचित प्रधानमंत्री को हटाने और अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में निष्प्रभावी करने के बेशर्म और जानलेवा इरादे को उजागर करती है।

हसीना ने कहा कि मैं आईसीटी द्वारा मानवाधिकारों के हनन के अन्य आरोपों को भी निराधार मानते हुए खारिज करता हूं।

छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता ...

अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद निजी वकालत करते रहे। राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद एक बार फिर उन्हें महाधिवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

प्राकृतिक खेती शिखर...

पर्यावरण-पैकेजिंग और स्वदेशी प्रौद्योगिकी में नवाचारों एवं उपकरणों का प्रदर्शन करना; प्रशिक्षण, इन्क्यूबेशन और उद्यम विकास के माध्यम से युवाओं एवं महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ जलवायु अनुकूल कृषि और मृदा स्वास्थ्य जागरूकता को मजबूत करना है।

ग्राम कनेरी में धान खरीदी का शुभारंभ

कनेरी/नवप्रदेश। सेवा सहकारी समिति ग्राम कनेरी में 15 नवंबर 2025 को शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ पूजा-अर्चना कर किया गया। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के लिए प्रति एकड़ 21 क्विंटल तथा प्रति क्विंटल ?3100 की समर्थन मूल्य दर पर किसानों से धान की खरीदी की जा रही है।

शुभारंभ अवसर पर उपस्थित किसानों का पुष्पगुच्छ एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत कनेरी की सरपंच श्रीमती दिनेश्वरी पन्नालाल सिन्हा, प्राधिकृत अधिकारी श्री मेहत्तर नेताम, समिति के पदाधिकारी श्री जनार्दन सिन्हा, श्री रेखराम पटेल, श्री जानूराम साहू, श्री अशवन साहू, मुरली सिन्हा, भोला दास मानिकपुरी, खेमलाल साहू, बंसीराम, विजय गंधर्व, सचिव कामता प्रसाद देवांगन, पटवारी रूपेंद्र गोरे उपस्थित थे।

इसके साथ ही ग्राम कनेरी सहित भेजा मैदानी, कुलिया, डोकला और नवागांव से आए किसान भाइयों ने भी खरीदी प्रक्रिया में भाग लिया। किसानों में उत्साह देखा गया और शासन द्वारा दिए जा रहे समर्थन मूल्य एवं व्यवस्थाओं के लिए आभार व्यक्त किया गया।

धान की खरीदी शुरू, 22800 किसानों ने कराया पंजीयन

■ 100 केंद्रों पर धान बेच सकेंगे किसान

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी समेत पूरे छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 15 नवंबर से शुरू हो गई है. हालांकि पहले दिन जिले में चार से पांच धान खरीदी केंद्रों पर 1 से 2 लोगों ने ही ऑनलाइन टोकन कटवाया. तो कई धान केंद्रों पर धान खरीदी का शुभारंभ करने के बाद कर्मचारी-अधिकारी व्यवस्थाओं में लगे हुए थे, जिससे खरीदी भी प्रभावित हुई थी.

यह पहली बार होगा.. जब खरीदी प्रक्रिया की जिम्मेदारी कृषि और राजस्व विभाग के अधिकारी और कर्मचारी निभाने वाले हैं, क्योंकि छत्तीसगढ़ सहकारी समिति के कर्मचारी, ऑपरेटर संघ के द्वारा लगातार अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हैं... ऐसे में जिले के कलेक्टर अबीनाश मिश्रा ने किसानों को कोई दिक्कत ना हो... इसके लिए जिले में अहम बैठक कर खरीदी प्रक्रिया की जिम्मेदारी कृषि और राजस्व के अधिकारियों को दे दी. धमतरी जिले में 100 धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं. जिले में धान बेचने के लिए इस साल 1 लाख 22 हजार 800 किसानों ने पंजीयन कराया है, जिसमें से 5 हजार 367 नए किसान है. जो पहली बार धान समितियां में बेचेंगे. वहीं सभी किसानों से 100 खरीदी केंद्रों के माध्यम से 66 लाख क्विंटल धान खरीदने का जिले में लक्ष्य रखा गया है।

उड़न दस्ता दल गठित

अवैध भंडारण परिवहन को रोकने के लिए तहसील स्तर पर भी उड़न दस्ता दल गठित किया गया है. इसमें राजस्व, मंडी, खाद्य, सहकारिता और कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है. सीमावर्ती इलाके में भी चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं, ताकि किसानों को किसी तरह का दिक्कत ना हो।

धमतरी में धान की खरीदी शुरू

दरअसल, धान खरीदी 15 नवंबर से लेकर 31 जनवरी 2026 तक होनी है. हालांकि 15 नवंबर को धान की खरीदी शुरू जरूर की गई थी, लेकिन कई केंद्रों में कई समस्या बनी हुई थी, जिसके कारण कर्मचारी-अधिकारी व्यवस्थाओं में लगे हुए थे. वहीं आज यानी 17 नवंबर को सुबह 7:00 से दोपहर 12:00 तक जिले के तमाम 100 उपार्जन केंद्र में खरीदी शुरू हो गई.

बायोमेट्रिक मशीन से की जाएगी धान की खरीदी

बता दें कि जिले में 99 केंद्रों पर धान की खरीदी बायोमेट्रिक मशीन से की जाएगी, जबकि रिसगांव में ऑफलाइन मोड में धान खरीदे जाएंगे. वहीं जिले में धान खरीदी के बीच एक्टिव ब्रोकर जो धान बेचने वाले किसानों के साथ गड़बड़ी करते हैं... उन पर भी विशेष तौर पर ध्यान रखा जा रहा है.

एक कार समेत डेढ़ लाख कैश ले उड़ा चोर

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में इन दिनों चोरी के वारदात बढ़ने लगा है। बीती रात शहर के बीच सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। रविवार की रात अज्ञात चोरों ने मुख्य मार्ग से लगे विठोबा टॉकीज के कार्यालय से एक क्रेटा कार और डेढ़ लाख रुपये कैश पर हाथ साफ कर दिया है। सुबह जब कर्मचारी वहां पहुंचे तो टॉकीज का मेन गेट खुला हुआ था और टीन शेड से क्रेटा कार गायब था। ऑफिस के साइड की खिड़की का शीशा तोड़कर चोर अंदर घुसे और आलमारी से कैश भी ले गए । कर्मचारियों ने इसकी सूचना टाकीज संचालक को दी। संचालक ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है । मिली जानकारी के अनुसार चौकीदार रात में वहां रुकता था, लेकिन कल रात आवश्यक कार्य आ जाने से वह ताला लगाकर चला गया था।

पटवारियों को जारी किया कारण बताओ नोटिस

महासमुंद/नवप्रदेश। एसआईआर के कार्य में लापरवाही बरतने पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने बूथ लेवल अधिकारी के पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त 9 पटवारियों को सिविल सेवा आचरण नियम 1965 एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के प्रावधानों के आधार पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सचिन भूतड़ा ने बताया कि सरायपाली तहसील के 3, पिथौरा के 2, बागबाहरा के 1 एवं महासमुंद के 3 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को स्पष्टतः निर्देशित किया है कि एसआईआर राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, और इसे समयसीमा में पूर्ण शुद्धता के साथ पूरा किया जाना है। उक्त कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही करने वाले कर्मचारियों/अधिकारियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए।

जिले के 111 उपार्जन केंद्रों के प्रभारी बनाए गए पंचायत सचिव

महासमुंद/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विनय लंगेह ने धान उपार्जन का कार्य सुचारु रुप से संचालित किए जाने हेतु जिले के 111 उपार्जन केंद्रों का संचालन ग्राम पंचायत के सचिवों को सौंपा है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 धान खरीदी अंतर्गत विगत 12 नवंबर 2025 के आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से धान खरीदी कार्य को सुचारु रुप से संचालित किए जाने हेतु जिले के 111 उपार्जन केंद्रों में ग्राम पंचायत सचिवों को उपार्जन केन्द्र प्रभारी का प्रभार सौंपा है। जारी आदेश के तहत इनमें से महासमुंद विकासखंड के 18 उपार्जन केंद्र,बागबाहरा एवं कोमाखान के 09-09 , पिथौरा के 24 ,बसना के 30 एवं सरायपाली के 21 उपार्जन केंद्रों को ग्राम पंचायत सचिव के प्रभार में सौंपा गया है।

रवि शंकर बिसेन का निधन

नगरी। ग्राम संबलपुर निवासी एवं पूर्व सरपंच रवि शंकर बिसेन का 16 नवंबर, रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। जिसमे

स्वर्गीय बिसेन का अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम संबलपुर में पूर्ण विधि-विधान के साथ किया गया। वे अपने पीछे दो पुत्रियों का परिवार छोड़ गए हैं। वही अंतिम दर्शन एवं संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में सामाजिक जन, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासियों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

72 वर्षीया दलित ओमबाई बघेल ने जमीन विवाद में लगाई गुहार

राष्ट्रपति को खून से लिखा पत्र फिर भी न्याय अधूरा

छुरा/नवप्रदेश । 72 वर्षीया ओमबाई बघेल नगर पंचायत छुरा की दलित महिला ने देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति महोदया तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए एक अत्यंत संवेदनशील कदम न्याय की उम्मीद में खून से पत्र लिखने जैसी कठोर पहल की है। इतना ही नहीं इन्होंने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भी पत्र भेज कर मामले से अवगत कराया। बावजूद इसके आज तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई न होने के कारण परिवार और समाज में गहरी निराशा व्याप्त है। अब तक ना जांच शुरू हुई ना सुनवाई।

दो बार कोर्ट का फैसला , फिर भी विवाद कायम

इस मामले में दो अलग-अलग वर्षों में अदालत में निर्णय दिए।

पहला - 2012-13 में तहसील कार्यालय में चला मामला जिसमें स्वर्गीय सुंदर सिंह बघेल विजय हुए। व संतोष सारंडा के ऊपर धारा 1959 एलआरसी के तहत एकतरफा कार्रवाई किया गया। **दुसरा** - 2022-23 में कोर्ट ने भूमि का मालिकाना हक किसी दूसरे व्यक्ति को बताया। यह विरोधाभाषी फैसला इस बात का संकेत देता है कि इस प्रकरण में लेन-देन या दबाव की स्थिति रही है।

भूख हड़ताल के बाद भी न्याय अधूरा

ओमबाई बघेल ने अपने परिवार और समाज के लोगों के साथ भूख हड़ताल भी की लेकिन प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। स्थानीय समाज का कहना है कि 72 वर्षीया दलित महिला अपने हक के लिए दर-दर ठोकरे खा रही है फिर भी न्याय दूर है यह व्यवस्था पर बड़ा प्रश्न चिन्ह है।

राजस्व विभाग के अंदरूनी खुलासे

गोपनीय जानकारी के अनुसार राजस्व विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि मामले को दबाने के लिए पत्रकारों को दो से ढाई लाख रुपए तक देने की तैयारी की जा रही थी लेकिन जब मामला अधिक तूल पकड़ने लगा तो पूरा प्रयास विफल हो गया।

लंबित न्याय ने बढ़ाई पीड़ा

पिछले कई वर्षों से अपनी पैतृक भूमि को लेकर संघर्ष कर रही महिला का आरोप है कि उनकी जमीन पर संतोष सारडा नामक कपड़ा व्यापारी अवैध कब्जा करना चाह रहा है। और संबंधित विभागों में शिकायत करने के बावजूद समाधान नहीं मिल रहा। लगातार उपेक्षा और लंबित कार्रवाई से परेशान होकर संविधानिक संस्थाओं को अपनी पीड़ा भेजी है।

अधूरी धाराएं अधूरी न्याय प्रक्रिया

ओमबाई बघेल का आरोप है कि आरोपी संतोष सारडा पर पुलिस ने धारा 126 व 135 (3) बी एन एस एस ईस्तगारा लगाई है लेकिन यह धाराएं अधूरी है । पीड़िता का कहना है कि संतोष सारडा द्वारा जेसीबी से मठ (समाधि) को तोड़ा गया गाली गलौज हुआ धमकी भी दी गई परंतु इन गंभीर आरोपों की धाराएं एफआई आर में शामिल नहीं की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस निष्पक्षता से जांच करें तो कई छुपे हुए तथ्य और दबे हुए स्वर बाहर आ जाएंगे।

75 वर्षीया रुक्मिणी बाई नेताम पिता स्वर्गीय गूहलेद राम नेताम ने महत्वपूर्ण बयान देते हुए बताया कि जिस जमीन को संतोष सारडा अपना बताता है दरअसल उसके नाम का है ही नहीं।

मादक पदार्थ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्त अभियान आयोजित

अरमरीकला/नवप्रदेश। मदन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय अरमरीकला में आज दिनांक 15 नवंबर 2025, शनिवार को मादक पदार्थ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्त अभियान रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रेरक भाषण एवं प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और नशा उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना पॉल ने सभी छात्र-छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए घातक है, इसलिए युवाओं को इससे दूर रहते हुए समाज में जागरूकता फैलानी चाहिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कल्पना पॉल, सहायक प्राध्यापक डॉ. यशवंत साव, डॉ. रामेश्वर प्रसाद ठाकुर, श्री प्रमोद भारती, श्रीमती योगिता ठाकुर, डॉ. आशीष द्विवेदी, श्री कमलेश्वर साहू, डॉ. वंदना ध्रुव, श्रीमती अंजनी पैकरा, डॉ. ममिता साहू, सुश्री सुमन कश्यप, श्री मयंक साहू, श्रीमती अनुराधा सोनी, डॉ. रूचि ताम्रकार, श्री प्रदीप साहू, डॉ. रमेश साहू, श्रीमती दामिनी झा, डॉ. मीनाक्षी देवांगन सहित सभी कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफल और प्रेरणादायी रहा, जिसमें छात्रों ने नशा-मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया।

छात्रों ने राज्य प्रशासनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए दिया तीसरा टेस्ट

महासमुंद/नवप्रदेश। नवकिरण अकादमी में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की राज्य प्रशासनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए 08 टेस्ट सीरीज के क्रम में रविवार को तीसरा टेस्ट का आयोजन किया गया। जिला समन्वयक नवकिरण अकादमी डी. बसंत साव ने बताया कि 08 टेस्ट सीरीज के क्रम में तीसरा टेस्ट पेपर विज्ञान, अर्थशास्त्र, आर्थिक सर्वेक्षण, कंप्यूटर का हुआ, जिसमें कुल 100 नंबर का पेपर हुआ । इसमें विज्ञान, अर्थशास्त्र, आर्थिक सर्वेक्षण, कंप्यूटर आदि के प्रश्न पूछे गए थे। तीसरा टेस्ट में 81 शामिल हुए। चौथा टेस्ट का आयोजन 23 नवंबर को भारत का भूगोल एवं छत्तीसगढ़ का भूगोल का टेस्ट आयोजित होगा।

पिथौरा केंद्रों पर तीसरे दिन भी धान खरीदी ठप

इधर खरीदी नहीं होने से कौहकूड़ा किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी !

पिथौरा/नवप्रदेश। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने के शुरुआती दिनों में ही प्रशासनिक अव्यवस्था और कर्मचारियों की हड़ताल ने किसानों की कमर तोड़ दी है। पिथौरा सहकारी शाखा के अंतर्गत आने वाले अधिकांश उपार्जन केंद्रों पर तीसरे दिन भी धान खरीदी शुरू नहीं हो सकी है, जिससे किसान अपनी उपज बेचने के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

प्रशासनिक दावों के विपरीत, ज़मीनी हकीकत निराशाजनक है। सोनासिल्ली उपार्जन केंद्र में टोकन कटने के बावजूद किसान

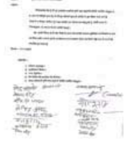

चोपलाल पटेल को बिना धान बेचे वापस लौटना पड़ा। किसान चोपलाल का 105 क्विंटल धान बेचने के लिए टोकन कटा था, लेकिन खरीदी व्यवस्था ठप होने के कारण उन्हें अपनी उपज लेकर बैरंग लौटना पड़ा। ओर बिना विशेषज्ञ स्टाफ (पैक्स कर्मचारी) के धान खरीदी करना संभव नहीं हो पा रहा है। प्रशासनिक वैकल्पिक व्यवस्था 'फेल': पटवारी के बाद सचिवों की नियुक्ति भी बेअसर कर्मचारियों की हड़ताल के बाद प्रशासन ने पहले पटवारीयों की नियुक्ति वैकल्पिक व्यवस्था के तहत की थी, लेकिन उन्होंने चार्ज लेने से मना कर दिया। इसके बाद प्रशासन ने सभी धान खरीदी केंद्रों के लिए पंचायत सचिवों की नियुक्ति की है, इधर शाखा प्रबंधक सुशील यादव ने पुष्टि की है कि पिथौरा शाखा अंतर्गत अधिकांश उपार्जन केंद्रों में से किसी भी केंद्र में अब तक खरीदी शुरू नहीं हो सकी है। यह लगातार विफल हो रही वैकल्पिक व्यवस्था किसानों की परेशानी का बड़ा कारण बन रही है। ग्रामीणों और किसानों, जिनमें सेतराम पटेल, मधुसूधान पटेल, रोहित कुमार, कौशल यादव, घनश्याम पटेल, कृष्णकुमार, रुपेश, धनेश्वर, रामसिंह, तेजराम, चमनलाल, राजाराम समेत दर्जनों किसान शामिल थे।

कौहाकूड़ा के किसान 'चक्का जाम' के लिए तैयार

धान खरीदी शुरू न होने से गुस्साए किसानों ने अब आंदोलन की राह पकड़ ली है। प्राथमिक कृषि साख कौहकूड़ा (पंजीयन क्रमांक 874) में ऑपरेटर नहीं होने के कारण खरीदी शुरू नहीं हो पाई है, जिससे नाराज ग्रामीणों ने प्रशासन को तीन दिन के भीतर व्यवस्था नहीं सुधरने पर चक्का जाम करने की चेतावनी दी है।

134 ग्राम पंचायतें और 2 नगरीय निकाय बाल विवाह मुक्त घोषित

गरियाबंद/नवप्रदेश। बाल विवाह के पूर्ण उन्मूलन हेतु राज्य सरकार द्वारा संचालित ÷बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान÷ को गरियाबंद जिले में व्यापक जनसहभागिता मिल रही है। इस अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 10 मार्च 2024 को की गई थी। जिले में कलेक्टर श्री बीएस उइके के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक पाण्डेय एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री अनिल द्विवेदी के नेतृत्व में यह अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिला को बाल विवाह मुक्त

जिला घोषित करने के लिए 31 मार्च 2029 तक का तिथि निर्धारित किया गया है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री द्विवेदी के अनुसार, वर्ष 2025 में गरियाबंद जिले की 134 ग्राम पंचायतें और 02 नगरीय निकाय बाल विवाह मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। वर्तमान में 195 सरपंचों/सचिवों के द्वारा बाल विवाह मुक्त प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिए है। बाल विवाह रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानीनों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, धर्मगुरुओं और युवा समूहों को अभियान से जोड़ा गया है। इसके अतिरिक्त फील्ड स्टाफ मीडिया प्रतिनिधियों, सरपंच-सचिवों और समुदाय प्रेरकों को भी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

मजदूरों को बाहर भेजने पर मजदूर दलाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में मजदूरों को बिना अनुज्ञप्ति एवं पलायन पंजी में दर्ज किए बगैर बाहर भेजने वाले दलालों पर जिला प्रशासन ने कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में 16 नवंबर को श्रम विभाग की कार्रवाई के बाद थाना बसना में आरोपी के मजदूर दलाल के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है।

16 नवंबर को श्रम विभाग टीम को सूचना मिली कि समीर खान निवासी बसना द्वारा 22 ग्रामीण मजदूरों को अधिक मजदूरी का लालच देकर उत्तर प्रदेश स्थित ईंट भट्ठे में भेजने की तैयारी कर रहे हैं। श्रम विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर 22 मजदूरों से पूछताछ की। इस दौरान मजदूरों ने अपना अनिल चौहान, भवानी चौहान, रेवशंकर चौहान, रायमोती चौहान, गुरूदयाल कंवर बुटुकवर निवासी ग्राम उमरिया सरायपाली बताया और अग्रिम धन एवं अधिक मजदूरी दिलाने के नाम पर उन्हें बाहर ले जाए जाने की बात स्वीकार की।

प्रशासन ने किया 4 हजार 266 क्विंटल धान जब्त

अंतर्राज्यीय सीमा के कारण सर्वाधिक कार्रवाई

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारम्भ होने के पूर्व से ही जिले में अवैध परिवहन से आने वाले धान की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर तक 37 प्रकरणों में लगभग 4 हजार 266 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इस बार जिला प्रशासन द्वारा जिले में अवैध परिवहन के जरिए अन्य राज्यों से जिले में आने वाले धान को रोकने के लिए जिले के सीमावर्ती राज्य एवं जिलों में 16 चेकपोस्ट तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था की सतत् निगरानी की जा रही है।

मार्कफेड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर के अवधि में सीमावर्ती विभिन्न जिलों से छत्तीसगढ़ राज्य में अवैध परिवहन के माध्यम से आने वाले धान में सर्वाधिक महासमुंद जिले में 4266 क्विंटल धान जब्त किया गया है। जो राज्य में सर्वाधिक है।

उल्लेखनीय है कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन पर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पूर्व प्रदेश में अवैध धान परिवहन और संग्रहण पर सख्त निगरानी जारी रखते हुए लगातार कार्रवाईयाँ की जा रही है। जिले में 16 चेकपोस्ट के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है। इसके अलावा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। जिसके तहत 111 उपार्जन केन्द्रों में ग्राम पंचायत सचिवों को प्रभारी बनाया गया है। धान खरीदी में लापरवाही के चलते एस्मा एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। अभी तक 9 पटवारियों को कारण बताओं नोटिस और तीन कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज किया गया है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि जिले में 130 समिति के 182 उपार्जन केंद्रों में खरीदी की जा रही है।

कार्ययोजना तैयार ... **शिवराज सिंह चौहान के आगामी धमतरी आगमन को देखते हुए तैयारियों की**

ग्राम सचिवों एवं रोजगार सहायकों को 'रन फॉर यूनिटी' के संचालन के दिशा निर्देश

नगरी/नवप्रदेश। कलेक्टर अविनाश मिश्रा के आदेश एवं जिला पंचायत सीईओ के निर्देशन में सोमवार 17 नवंबर 2025 को जनपद पंचायत नगरी में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित कुमार बोरझा ने ली जिसमे ग्राम पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों को एसआईआर संबंधी जानकारी तथा 18 नवंबर को आयोजित होने वाले 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिसमे सीईओ नगरी द्वारा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आगामी धमतरी आगमन को देखते हुए तैयारियों की भी विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। इसके साथ ही निर्माण कार्यों से संबंधित स्वीकृति हेतु आवश्यक प्रारंभिक दस्तावेज–जैसे स्थल के फोटोग्राफ नक्शा, खसरा, प्रस्ताव एवं अन्य आवश्यक कागजात–को समय पर जिला कार्यालय में जमा कराने के निर्देश दिए गए।

मनरेगा के अंतर्गत नवीन कार्यों के लिए युक्तधारा पोर्टल में कार्य-योजना तैयार कर तत्काल जिला कार्यालय को भेजने का निर्देश भी सभी पंचायत सचिवों को दिया गया। वही

बैठक में विभाग के सभी अपूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही लक्षित आवासों को प्राथमिकता क्रम में पूर्ण करने हेतु ठोस रणनीति बनाने के सख्त निर्देश दिए गए। जिसमे बैठक में नगरी जनपद क्षेत्र के सभी ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं कार्यालयीन स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

एफएलएन मेला शिक्षा को रोचक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है: महेश्वर सिंह जयसिंधु

नगरी/नवप्रदेश। राज्य शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 14 नवंबर 'बाल दिवस' को एफ एल एन मेला का आयोजन हुआ. शासकीय प्राथमिक शाला दलदली अ में आयोजित मेले में प्राथमिक शाला बिलभदर, दलदली ब एवं चचानवाही के विद्यार्थी, शिक्षकों के साथ पालक भी उपस्थित हुए. 'करके देखबो सीख के राहीबो' की भावना से प्रेरित मेले में खेल, गणितीय प्रयोग, भाषा आधारित गतिविधियां, स्टॉल के माध्यम से टी एल एम का प्रदर्शन हुआ. इस मेले का मुख्य उद्देश्य बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता कौशल का विकास करना था. ताकि वह पढ़ने लिखने और बुनियादी गणितीय अवधारणाओं को सहजता से समझ सके. मेले में मुख्य रूप से सरपंच चित्ररेखा कुंजाम उपस्थित रहीं. संकुल केंद्र कर्राघाटी के संकुल प्रभारी महेश्वर सिंह जयसिंधु ने कहा कि यह मेला बच्चों में सीखने की जिज्ञासा बढ़ाने, आत्मविश्वास विकसित करने और शिक्षा को रोचक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर सीखने को आनंदमय बनाने के मुहिम में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष किसून राम ध्रुव, परस राम ध्रुव, कविता, सुर्यनारायण राव, राजकुमार शील, गणेश राम ध्रुव, सरस्वती कोसरे, स्मिता मरकाम, दीक्षा सुर्यवंशी, सरिता ध्रुव उपस्थित रहीं.

महाविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री की पाती का वाचन

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनके वीरगाथा एवं जीवनी के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य करूणा दुबे ने किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य आदिकाल से ही जनजातियों का घर रहा है। यहां हल्बा, मुरिया, माड़िया, बिंझवार, गोंड जैसे कई जनजातीय समुदायों ने विभिन्न आंदोलनों के जरिए भारत के स्वतंत्रता संग्राम की नींव को मजबूत किया था। 1857 की महान क्रांति के नायक शहीद वीर नारायण सिंह, बस्तर भूमकाल विद्रोह के जननायक गुंडाधूर, जंगल सत्याग्रही शहीद रामाधीन गोंड एवं अन्य जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के शौर्य एवं गौरव के बारे में जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ शासन के आदेशानुसार मुख्यमंत्री की पाती का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन मनबोध चौहान व आभार प्रदर्शन अजय कुमार राजा ने किया। कार्यक्रम में डॉ मालती तिवारी, प्रदीप कन्हेर, डॉ जगदीश सत्यम, मनीषा प्रधान, परवीन करीम, डॉ कलम रेखा, अंकिता साहू, राकेश जांगड़े उपस्थित रहे।

खेल का उद्देश्य केवल जितना नहीं, कुछ सीखना भी होना चाहिए : निखिलकांत

महासमुंद / नवप्रदेश। ग्राम केड़ियाडीह (सिरपुर) में जय ठाकुर देव कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्पर्धा में बतौर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू शामिल हुए। उन्होंने ठाकुर देव व ग्राम के देवी देवताओं की पूजा कर गांव की समृद्धि की प्रार्थना की। खिलाड़ियों के उत्साह व खेल कौशल को देख मुख्य अतिथि श्री साहू ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि खिलाड़ियों का उद्देश्य केवल जितना ही नहीं, कुछ सीखना भी होना चाहिए। हार जीत तो स्वाभाविक है, लेकिन परिणाम चाहे जो भी हो हर परिस्थिति में संयमित रहकर जो खेल कौशल में सुधार करता है, वही असली खिलाड़ी होता है। इसलिए स्पर्धा के दौरान ध्यान रखें कि कोई किसी का शत्रु नहीं केवल एक खिलाड़ी है। खेल भावना का परिचय देते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें।

इससे पूर्व आयोजन समिति के सदस्यों व ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि श्री साहू का भव्य स्वागत किया। इस दौरान मुख्य रूप से निहाल सोनकर, रत्नेश साहू, कुणाल चंद्राकर, गंगा प्रसाद ध्रुव, समिति अध्यक्ष बलिराम निषाद, सचिव खिलेश्वर साहू, उपाध्यक्ष गजानंद निषाद, कोषाध्यक्ष सतवन ध्रुव, मंच संचालक शोभाराम निषाद, अजय शेखर नेताम, तोरण लाल निषाद आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ को फिल्म निर्माण के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना मुख्य उद्देश्य : मोना सेन

■ छत्तीसगढ़ फिल्म निगम के अध्यक्ष एवं अभिनेत्री मोना सेन मैनपुर पहुंची नगर व क्षेत्र के लोगों ने जोरदार स्वागत किया

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के वनांचल मैनपुर क्षेत्र की प्राकृतिक सौन्दर्य पूरे प्रदेश और देश के लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है और यहां भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित फिल्म माटी पुत्र बिरसा बलिदानी फिल्म का इन दिनों शूटिंग चल रहा है जिसमें पूरे क्षेत्र के लोग अपना सहयोग प्रदान कर रहे है। निश्चित रूप से यहां के लोग फिल्म कलाकारों को प्रोत्साहित कर रहे है वह अपने आप में एक मिशाल है। उक्त बातें मैनपुर पहुंचे छत्तीसगढ़ फिल्म निगम के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री मोना सेन भगवान बिरसा मुंडा जी के 150वीं जयंती पर मैनपुर में बिरसा बलिदानी के पोस्टर विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मैनपुर एसडीएम डॉ तुलसीदास मरकाम, एसडीओपी पुलिस ओपी खुजुर, विकास पाटले, जनपद सदस्य श्रीमति कुमारी पटेल, मैनपुर सरपंच हनिता नायक, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सरिता ठाकुर, सरोज सेन, भाजपा नेता रूपेश साहू एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को आगे संबोधित करते हुए मोना सेन ने कहा छत्तीसगढ़ फिल्म निगम के माध्यम से छत्तीसगढ़ के फिल्म निर्माण के क्षेत्र में नई दिशा दिलाना है जिससे पर्यटन, रोजगार और संस्कृति तीनो को नई मजबुती मिलेगी साथ ही स्थानीय युवाओ को रोजगार के साथ-साथ प्रशिक्षण तथा तकनीकी दक्षता के अवसर मिलेंगे। उन्होने छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा यह समय है जब प्रदेश के कलाकारो और तकनिशियनो को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के एक मजबुत प्लेटफार्म मिले। मोना सेन ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा उन्होने उन्हे फिल्म निगम का अध्यक्ष बनाया है साथ ही यह उम्मीद जताई है कि यह दायित्व का वह पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगी। छत्तीसगढ़ फिल्म को आगे ले जाने के लिए पूरा भरसक प्रयास किया जायेगा। प्रदेश में पहली बार फिल्म निगम बना है और मेरा उद्देश्य है कि छालीवुड का भला होना चाहिए हमेशा मै इस क्षेत्र के लिए समर्पित रहुंगी। आपसी भाईचारा प्रेम जीवन में बहुत जरूरी है कोई काम छोटा बड़ा नही है हम सबको एक परिवार की तरह रहना है उन्होंने क्षेत्रवासियो से कहा कोई भी कार्य हो मेरे से संपर्क करे कोई एंपाईमेंट लेने की जरूरत नही है। उन्होने बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ ही बच्चों की पढ़ाई लिखाई के संबंध में भी लोगों से चर्चा किया साथ ही छत्तीसगढ़ फिल्म निगम के निर्माण से एक नई पहचान मिलने की बात कही है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मैनपुर एसडीएम डॉ तुलसीदास मरकाम ने कहा बड़ी खुशी की बात है कि मैनपुर क्षेत्र में पिछले एक माह से फिल्म का शूटिंग हो रहा है और आज हमारे बीच बोर्ड के अध्यक्ष मोना सेन स्वयं पहुंची है। इस दौरान मैनपुर सरपंच एवं जनपद सदस्य ने गुलदस्ता भेटकर उनका स्वागत किया।

अनुभवी कर्मचारियों को हटाने से उपार्जन व्यवस्था अस्थिर

उतई / नवप्रदेश। राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष के अति-संवेदनशील दौर में धान खरीदी व्यवस्था में किए गए व्यापक प्रशासनिक फेरबदल, जिसके तहत अनुभवी कर्मचारियों को हटाकर गैर-कृषि पृष्ठभूमि वाले अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, जिससे किसानों के बीच गंभीर वित्तीय संकट की आशंका पैदा कर दी है।

किसान संगठनो ने चेतावनी दी है कि अनुभवहीनता के कारण धान उपार्जन प्रणाली में होने वाली त्रुटियाँ सीधे किसानों की आर्थिक रीढ़ KCC (किसान क्रेडिट कार्ड) लोन भुगतान को प्रभावित करेंगी, जिससे हजारों किसानों के खातों पर NPA का खतरा मंडरा रहा है।

छत्तीसगढ़ में इसवर्ष 150-160 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी किये जाने का अनुमान है, और यह प्रक्रिया तकनीकी सटीकता और समयबद्धता की मांग करती है।

दोहरी संकट -तकनीकी त्रुटियाँ और वित्तीय जोखिम

किसान संगठनों का कहना है कि अनुभवी कर्मचारियों के हटने से दोहरे खतरे उत्पन्न हो गए हैं:

1. खरीदी केंद्र पर तकनीकी और परिचालन त्रुटियाँ

स्वक्त गुणवत्ता जांच में चूक: अनुभवहीन कर्मियों के कारण नमी, टूटे दाने या अशुद्धियों का गलत आकलन होगा, जिससे किसानों के धान में अनावश्यक और मनमानी कटौती की जाएगी।

तुलाई और पोर्टल एंट्री की गलती: इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनों और उपार्जन पोर्टल के संचालन में अनुभव की कमी से गलत वजन, गलत ऑनलाइन एंट्री, या त्रुटिपूर्ण रसीदें जारी होने की आशंका है। एक भी गलत एंट्री होने पर किसान का भुगतान फंस सकता है।

भीड़ और अराजकता: जमीनी व्यवस्था का ज्ञान न होने से खरीदी केंद्रों पर भीड़, अव्यवस्था, और तुलाई में भारी देरी होगी।

2. KCC लोन भुगतान पर सीधा खतरा

धान खरीदी के बाद किसानों को मिलने वाले भुगतान से ही लाखों चष्टष्ट खातों का समायोजन किया जाता है। यह कार्य अत्यंत जटिल और तकनीकी होता है।

देरी से भुगतान: खरीदी केंद्र पर अव्यवस्था या पोर्टल में गलत एंट्री के कारण किसान के बैंक खाते में भुगतान देरी से पहुँचेगा।

NPA का खतरा: यदि भुगतान KCC की नियत तारीख तक नहीं पहुँचता है, तो किसान ब्याज सब्सिडी (3त्न की छूट) से वंचित हो जाएंगे, और उनका खाता NPA घोषित हो सकता है।

गलत समायोजन: अनुभवहीन अधिकारियों द्वारा किए गए गलत एडजस्टमेंट के कारण KCC की बकाया राशि गलत तरीके से अधिक दिख सकती है, जिससे किसान अगले वर्ष नया लोन या सरकारी लाभ लेने से वंचित हो सकते हैं।

किसान नेता ढालेश साहू का सशक्त बयान

धान खरीदी कोई प्रशासनिक प्रयोग का मैदान नहीं है। यह लाखों किसानों की वित्तीय स्थिरता और चष्टष्ट बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ा मामला है। एक गलत एंट्री या एक दिन की भुगतान देरी से किसान पर ह्लक्क का ठप्पा लग सकता है, जिससे उसकी पूरी कृषि अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी।

हम सरकार से मांग करते हैं कि धान खरीदी के संवेदनशील कार्य में अनुभवी कर्मचारियों की तत्काल पुनर्वापसी सुनिश्चित की जाए। यदि सरकार ने जानबूझकर उत्पन्न की गई इस अव्यवस्था पर तुरंत कार्रवाई नहीं की, और यदि एक भी किसान का चष्टष्ट खाता गलत समायोजन या देरी के कारण ह्लक्क होता है, तो किसान व्यापक और उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

जिनियस पब्लिक स्कूल में

बाल दिवस पर जायके का सफर' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

■ बच्चों ने बनाए लजीज व्यंजन, झूला मनोरंजन का उठाया भरपूर आनंद लेते हुए

नगरी/ नवप्रदेश। नगर के प्रतिष्ठित जिनियस पब्लिक स्कूल में 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर 'जायके का सफर' कार्यक्रम बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तरह तरह के स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए और उन्हें अतिथियों व अभिभावकों को परोसा। बच्चों की रचनात्मकता और पाक-कला को देखकर उपस्थित सभी लोगों ने उनकी प्रतिभा की प्रशंसा की। जिसमे कार्यक्रम स्थल पर बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला, फिसलपट्टी व विभिन्न खेल सामग्री की आकर्षक व्यवस्था की गई थी, जिसमें नन्हे-मुन्नों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। बड़ी संख्या में पहुंचे अभिभावक भी इन यादगार पलों के साक्षी बने। जिनियस पब्लिक स्कूल अपने शैक्षणिक स्तर के साथङ्कसाथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों के लिए भी जाना जाता है। हर वर्ष स्कूल में कृष्ण जन्माष्टमी, स्वतंत्रता दिवस, ईलेवन फंक्शन सहित अनेक विभिन्न कार्यक्रम भव्य तरीके से आयोजित किए जाते हैं, जिससे बच्चों में नेतृत्व, सहभागिता और आत्मविश्वास का विकास होता है। जिसके साथ छोटे छोटे बच्चे भी विभिन्न गतिविधियों में अपना प्रदर्शन करते दिखाई देते हैं विद्यालय के संचालक मोहन सोनी ने कहा कि स्कूल संचालित करने का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ अर्जित करना नहीं है, बल्कि इस आदिवासी अंचल के बच्चों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना है।

स्कूल चैंपियनशिप में वेडनर मेमोरियल ने आत्मानंद इंग्लिश स्कूल को किया परास्त

महासमुंद / नवप्रदेश। टर्मिनेटर इंटरनेशनल क्रिकेट एकेडमी के तत्वावधान में आयोजित टर्मिनेटर स्कूल चैंपियंस ट्रॉफी-1 के 15 नवंबर के प्रथम मैच में स्वामी आत्मानंद स्कूल ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। वेडनर मेमोरियल स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 154 रन बनाए। वेडनर स्कूल के तरफ से बल्लेबाजी करते हुए आवेश अली ने सर्वाधिक 78 रन एवं जितिन कश्यप ने 20 रनों का योगदान दिया। स्वामी आत्मानंद स्कूल की तरफ से गेंदबाजी करते हुए सैयम यादव ने 1 विकेट लिए। जवाब में 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आत्मानंद स्कूल की टीम ने 140 रन बनाए।

सी सी रोड के भूमिपूजन में उपस्थित रहे वार्डवासी

भाटापारा / नवप्रदेश। नगर के वार्ड क्रमांक 19 में बब्बू होटल से छाबड़ा फ्लोर मिल तक 6.28 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान काफी तादाद में वार्ड वासी उपस्थित थे।

सी.सी. रोड निर्माण का यह कार्य वार्ड में बेहतर आवागमन, स्वच्छता और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सड़क निर्माण पूर्ण होने पर नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात का लाभ प्राप्त होगा।पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि यह सड़क निर्माण कार्य लंबे समय से क्षेत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता थी और इसके पूर्ण होने पर वार्डवासियों को अत्यंत लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं को व्यापक रूप से बेहतर बनाने के लिए नगर में कई कार्य नियोजित हैं, और जनता के सहयोग से ये सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएंगे।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि वार्डवासियों की सुविधा और सहज आवागमन को ध्यान में रखते हुए इस सड़क निर्माण का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि विकास के हर कदम के पीछे क्षेत्रवासियों का विश्वास, सहयोग और सहभागिता ही सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि भाटापारा के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे, ताकि क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।नगर क्षेत्र में आवश्यकतानुसार बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए अन्य कार्य भी चरणबद्ध रूप से किए जा रहे हैं, जिससे भाटापारा शहर को और अधिक विकसित तथा सुविधायुक्त बनाया जा सके।

इस अवसर पर सभापति गोविन्द पटेल पार्षद उमाशंकर वर्मा, पार्षद भुवन ठाकुर, बब्बू मंधान दशरथ साहू कीर्तन जायसवाल मनीष पंजवानी, राकेश तिवारी, मनिंदर सिंह गुम्बर महाबल बघेल टिक्कू नायडू ,आयशा खान, श्रीमती अंजनी जायसवाल भागसिंह सलूजा, धनुष छाबड़ा मनमीत सलूजा संजय चौहान रवि वर्मा शुभम राजपूत हारून, मनोज कामरी, रोशन बंजारे बंशीलाल नेताम लालू मानिकपुरी हरमिंदर सलूजा सहित नगर के जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे !

राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप हैदराबाद के लिए 3 खिलाड़ी चयनित

महासमुंद। 25वीं राज्य स्तरीय सीनियर तीरंदाजी महिला एवं पुरुष चैंपियनशिप का आयोजन साइंस कॉलेज मैदान रायपुर में आयोजित किया गया। पुरुष वर्ग में जिले के खिलाड़ी कमलेश साहू ने इंडियन राउंड में सबसे ज्यादा 630 अंक बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका इंडियन राउंड में चांदनी साहू ने 628 अंक बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, बालिका कंपाउंड राउंड में नवलीन कौर ने 321 अंक बनाकर चौथा स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में चयनित हुए हैं। राष्ट्रीय तीरंदाजी

चैंपियनशिप का आयोजन हैदराबाद तेलंगाना में दिनांक 10 से 19 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया गया है, जिसमें जिले के 3 खिलाड़ी शामिल होंगे। इससे पहले भी नवलीन कौर, चांदनी साहू ने सीनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में भागीदारी किया है। एक बार फिर से अच्छे प्रदर्शन कर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के चयन होने पर खिलाड़ियों में हर्ष है।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भागीदारी कर अच्छे प्रदर्शन करने के लिए भारतीय तीरंदाजी संघ उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका, छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन सचिव आयुष मुरारका, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज कुमार घृतलहरे, छात्रावास अधीक्षक डॉ. पूर्णेन्द्र चंद्राकर, जिला तीरंदाजी संघ बागबाहरा के अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल, सचिव एवन कुमार साहू, कोषाध्यक्ष अरविंद छाबड़ा, सोमनाथ साहू, प्राचार्य सेजेस बागबाहरा हीरा सिंह नायक, व्यायाम शिक्षक ऋषि कपूर साहू, हिरेन्द्र देवांगन, बसंत मांझी, डॉ. सुनील कुमार भोई, पिरीत साहू, संजय पैकरा, रिंकल बग्गा, रंजीत कौर, सोमनाथ साहू, संजय सोनवानी, बॉल आश्रम बिहाझर के खिलाड़ी नरेश साहू, जया साहू, सत्यभामा, पद्मा साहू एवं खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग के समस्त खिलाड़ियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर लोकसभा यूनिटी मार्च की तैयारियां तेज

■ नगरी रेस्ट हाउस में प्रभारी अधिकारियों की बैठक सम्पन्न

नगरी। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली लोकसभा मुनिटी मार्च पदयात्रा को सफल बनाने हेतु आज नगरी रेस्ट हाउस में कार्यक्रम प्रभारीयों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसमे यह पदयात्रा 18 नवंबर, मंगलवार को महामाई फरसिया से प्रारंभ होकर गोरेगांव, अमाली, संबलपुर, छिपली होते हुए नगरी के बजरंग चौक में संपन्न होगी।

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं, सुरक्षा और सहभागी वर्गों के समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमे जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष नागेंद्र शुक्ला, नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा, जिला पंचायत सदस्य अजय ध्रुव, जिला मंत्री दिनेश्वरी नेताम, पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन नाहटा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कमल डागा, पार्षद राजा पवार, जनपद सदस्य प्रेमलता नागवंशी, जनपद सदस्य शुभम यदू, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष अजय नाहटा, मंडल महामंत्री सुलोचना साहू, रूपेंद्र साहू, महामंत्री दीपक साहू, मीडिया प्रभारी मोहन पूजारी, मौर्यध्वज सेन, आमाली बूथ अध्यक्ष दीनदयाल सेन एवं युगल साहू एवं सभी पदाधिकारियों ने पदयात्रा को ऐतिहासिक और सफल बनाने हेतु संयुक्त रूप से तैयारी किया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ

नगरी/नवप्रदेश। नगरी ब्लाक के वनांचल क्षेत्र ग्राम रिसगांव के धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ सरपंच ग्राम पंचायत रिसगांव चन्द्र कुमार अग्रवानी के आतिथ्य में विधिवत पूजा अर्चना कर किसानों की धान की तौल शुरूआत किया इस मौके पर धान खरीदी केंद्र रिसगांव के फड़ प्रभारी, कर्मचारी, कृषक बंधु शामिल रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम बिरकोनी में चार महीने पहले सड़क हादसे में घायल युवक की ईलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक भोरिंग निवासी गंगाराम साहू (30) 6 अगस्त की शाम करीब 6 बजे बाइक से रायपुर से अपने गांव भोरिंग जा रहा था। इसी दौरान बिरकोनी मुख्य मार्ग पर तेज रफ़्तार बाइक क्र. सीजी 04 पीक्यू 0430 ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे ईलाज के लिए डीकेएस अस्पताल रायपुर में भर्ती कराया गया था, जहां 15 नवंबर को उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस आरोपी बाइक क्र. सीजी 04 पीक्यू 0430 के चालक के खिलाफ धारा 184, 106(1) के तहत अपराध कायम किया है।

बाइक की ठोकर से एक की मौत, दूसरा घायल

महाससमुंद/नवप्रदेश। ग्राम तोषगांव धान मंडी के पास बाइक की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मामला बसना थाना क्षेत्र का है। रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

ग्राम खरोरा निवासी गौचरण डड़सेना ने बसना पुलिस को बताया कि 15 नवंबर की शाम करीब 4.30 बजे उसके पिताजी जावासिंह डड़सेना बाइक स्प्लेंडर प्लस क्र सीजी 06 जी 8925 से चाचा के पुत्र चैतन के साथ भाड़ा का पैसा लेने ग्राम पझरापाली जा रहे थे। शाम 5 बजे ग्राम तोषगांव धान मंडी के पास पीछे से प्लेटिना क्र सीजी 06 के 9386 के चालक ने ठोकर मार दिया, जिससे जावासिंह के सिर, पैर एवं हाथ तथा भाई चैतन के सिर में गंभीर चोटें आई, उन्हें सीएचसी बसना ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जावासिंह की मृत हो जाना बताया, वहीं चैतन का इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ धारा 184 मोटर व्हीकल एक्ट, 106(1), 125(ए), 281 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

नपाध्यक्ष वार्डों में पहुंचकर सुनी नागरिकों की समस्याएं

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू आज वार्ड क्रमांक 24 व 25 पहुंचे। उन्होंने दोनों वार्डों के नागरिकों से भेंटकर उनकी समस्याएं सुनी। व आवश्यक समाधान करने आश्वस्त किया। भ्रमण के दौरान वार्ड पार्षद भाऊ राम साहू भी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। अध्यक्ष श्री साहू ने दोनों वार्डों के नागरिकों से चर्चा कर मूलभूत सुविधाओं, आवश्यकताओं की जानकारी लेकर संभावित विकास कार्यों के लिए स्थलों का निरीक्षण किया।

निर्माण पर सवाल, लाखों की लागत वाला स्टाप डेम एक वर्ष में ढहने लगा

राजिम/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत सेंदर के आश्रित ग्राम परसट्टी में निर्मित स्टॉप डेम की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। लाखों की लागत से तैयार किया गया यह स्टॉप डेम सिर्फ एक वर्ष में ही टूट-फूट की स्थिति में पहुंच गया, जिससे निर्माण की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

मौके पर दिखाई दे रहा है कि स्टॉप डेम के कुछ हिस्से धंस गए हैं, वहीं कई स्थानों पर सीमेंट-बालू का बंधाव कमजोर नजर आता है।

ग्रामीणों ने की शिकायत, कार्रवाई अब तक लंबित : ग्रामीणों ने इस संबंध में एक माह पूर्व जिला प्रशासन से लिखित शिकायत की थी, लेकिन अभी तक न कोई स्थल निरीक्षण, न कोई तकनीकी जांच, और न ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई की गई है।

शिकायतकर्ता को प्रताड़ित करने के आरोप

ग्रामीणों ने जानकारी दी है कि शिकायत दर्ज होने के बाद से ही शिकायतकर्ता को प्रताड़ित करने की कोशिशें की जा रही हैं। उनका कहना है कि मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में नाराज़गी है।

ग्रामीणों ने उठाया सवाल

क्या शिकायत के बाद भी कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है?

ग्रामीणों की मांग

स्टॉप डेम की तकनीकी जांच तत्काल कराई जाए। निर्माण में संभावित अनियमितता की विभागीय जांच हो। जिम्मेदार अधिकारियों व संबंधित कर्मियों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

प्रशासन से अपील

जिला प्रशासन से आग्रह है कि ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए स्टॉप डेम निर्माण की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों पर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

एक वर्ष में ही टूटने लगा स्टॉप डेम

ग्रामीणों का कहना है कि स्टॉप डेम का निर्माण वर्ष 2023-24 में किया गया था, लेकिन यह एक वर्ष भी टिक नहीं पाया और कई स्थानों पर इसकी दीवारें दरारों और टूट-फूट का शिकार हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री की गुणवत्ता बेहद निम्न स्तर की रही है। ग्रामीणों के अनुसार अगर सही निर्माण कराया गया होता, तो स्टॉप डेम इतनी जल्दी जर्जर नहीं होता।

स्वास्थ्य क्रांति का शंखनाद : 100 बिस्तरों वाले सिविल अस्पताल का भूमि पूजन

अजय चन्द्राकर के प्रयासों से वर्षों पुराना सपना हुआ साकार नए कुरूद का पूरा भूगोल बदल रहा है : अजय

कुरूद/नवप्रदेश। क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग और विधायक अजय चन्द्राकर जी के सतत प्रयासों का फल अंततः मिलने जा रहा है। सोमवार, 17 नवंबर 2025 का दिन कुरूद के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज होगा, जब यहां 50 बिस्तरों वाले सिविल अस्पताल को 100 बिस्तरों के विशाल और आधुनिक अस्पताल में उन्नत करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल द्वारा भूमि पूजन किया गया। इस ऐतिहासिक सौगात ने कुरूद समेत पूरे ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सुरक्षा की एक नई उम्मीद और भारी उमंग भर दी है।

यह आयोजन सिर्फ एक निर्माण कार्य का शुभारंभ नहीं, बल्कि क्षेत्र के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के एक नए युग का सूत्रपात है, जिसे कुरूद विधानसभा के लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री श्री अजय चन्द्राकर जी ने अपना संकल्प बनाकर सिद्ध किया है।

मुख्य अतिथि के रूप में श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी (माननीय मंत्री छ्ठ्ठ लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा) उपस्थित थे, जबकि महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की माननीया सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी जी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत निरंजन सिन्हा, रविकांत चंद्राकर अध्यक्ष अरुण सार्वा, उपाध्यक्ष गौकरण साहु, कुरूद जनपद अध्यक्ष गीतेश्वरी साहु, जनपद पंचायत मगरलोड के अध्यक्ष वीरेन्द्र साहु, विधायक प्रतिनिधि भानु चंद्राकर,और छ.ग. मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लि. के अध्यक्ष दीपक महस्के , पिछड़ा वर्ष आयोग के अध्यक्ष नेहरु निषाद, मालकराम साहु, भूपेंद्र चंद्राकर, विकास चंद्राकर, ऋषि सोनी, अनिल चंद्राकर, प्रसन्न नायडू, प्रभात बैंस सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

अजय की दूरदर्शिता का परिणाम

इस 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का उन्नयन श्री अजय चन्द्राकर जी की दूरदर्शिता और जनहितैषी राजनीति का स्पष्ट प्रमाण है। यह उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि कुरूद की जनता को अब गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए धमतरी या रायपुर जैसे दूर शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। विधायक जी के नेतृत्व में यह परियोजना, स्वास्थ्य सुविधाओं को हर ग्रामीण तक पहुंचाने के लक्ष्य को साधती है।

मुख्य विशेषताएं और जनहितैषी लाभ: 100 बिस्तरों वाला यह विस्तारित सिविल अस्पताल कुरूद और आसपास के हजारों लोगों के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान करेगा।

गरिमामयी समारोह में उमड़ी जनता

स्वामी विवेकानंद इंडोर स्टेडियम परिसर में आयोजित होने वाला यह भूमि पूजन समारोह सुबह 11 बजे शुरू होगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे में क्रांतिकारी सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयं माननीय विधायक श्री अजय चन्द्राकर ने की जो इस परियोजना को कुरूद के जन-जन के लिए एक समर्पित भेंट मानते हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से 16 बकरे बकरियों सहित वृद्धा की मौत

■ **बोड़तरा रेलवे फाटक की घटना**

भाटापारा/नवप्रदेश। पुणे से हावड़ा की ओर जा रही आजाद हिंद एक्सप्रेस की चपेट में आने से 16 बकरे बकरियों की मौत हो गई वही इन बकरों को बचाने के चक्कर में रेल लाइन पर आई वृद्धा की भी ट्रेन की ठोकर लगने से मौत हो गई।ये हादसा भाटापारा हतबंद रेल लाइन पर बोड़तरा रेलवे फाटक के पास सोमवार की शाम को हुआ।

उपरोक्त संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार पुणे से चलकर हावड़ा की ओर जाने वाली आजाद हिंद एक्सप्रेस के भाटापारा स्टेशन पहुंचने के पूर्व बोड़तरा रेलवे फाटक के पास उसकी चपेट में आने से लगभग 16 बकरे बकरियों की कटकर मौत हो गई,वही इन बकरों को चरा रही वृद्धा सरस्वती यादव उम्र लगभग 62 वर्ष भी इन बकरे बकरियों को बचाने के चक्कर में ट्रेन की चपेट में आ गई जिससे उसकी भी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना सोमवार पौने 4 बजे के आसपास की बताई जाती है।इस दौरान ट्रेन लगभग 5 मिनट तक घटना स्थल पर रुके रही।

घटना की जानकारी मिलते ही स्टेशन प्रबंधक अजय कुमार ने ग्रामीण थाना को सूचना दी।वही आर पी एफस्टाफभी घटना स्थल पर पहुंच गए। ग्रामीण पुलिस ने शव को वहां से उठवा कर अस्पताल भेज दिया,जहां आज मंगलवार को पोस्टमार्टम होगा।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई नाबालिग आरोपी पकड़ा गया

नकद राशि व 3 चोरी की मोटर साइकिल बरामद

नगरी/नवप्रदेश। धमतरी जिले के नगरी थाना पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर कार्रवाई करते हुए एक विधि से संघर्षरत नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नकद राशि के साथ तीन चोरी की मोटरसायकिलें भी बरामद की हैं।

घटना की शुरुआत तब हुई जब आवेदिका हंसीना बिझेंकर ने थाना नगरी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 13 मार्च 2025 को होली पर्व के दौरान गांधी उद्यान के सामने स्थित यात्री प्रतिक्षालय में रखे उनके बैग से ?40,000 नकद चोरी हो गए थे।इसी क्रम में प्रार्थी जयकिशन दिवान की स्प्लेंडर मोटरसायकिल कृषि उपज मंडी परिसर, नगरी से चोरी हो गई थी इसके अतिरिक्त प्रार्थी नंदकुमार नेताम की पल्सर मोटरसायकिल दो दिन पूर्व देवपुर से चोरी हुई थी, जिसकी रिपोर्ट थाना सिहावा में दर्ज की गई थी।इन सभी मामलों की जांच में पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, गोपनीय मुखबिरों की सूचना और फील्ड वेरिफिकेशन का सहारा लेते हुए आरोपी की तलाश तेज कर दी थी।

जिले के 6 तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस

धान खरीदी कार्य में संलग्न राजस्व निरीक्षक तथा पटवारियों के विरूद्ध

महासमुंद/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विनय लंगेह ने जिले के 6 तहसीलदारों को एस्मा अधिनियम के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि राज्य शासन द्वारा 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 अर्थात् खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की संपूर्ण धान खरीदी की अवधि तक धान खरीदी कार्य में संलग्न समस्त कर्मचारियों पर छत्तीसगढ़ अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 (श्वस्न्रू-ष्ट्ज्ञ) लागू किया गया है। धान खरीदी वर्ष 2025-26 के सुचारू रूप से संचालन के लिए दिए गए आदेश के तहत् तहसील में पदस्थ राजस्व निरीक्षक तथा पटवारियों को धान खरीदी कार्य में ड्यूटी लगाई गई थी, जिसमें राजस्व निरीक्षक तथा पटवारियों द्वारा 15 नवंबर 2025 को संबंधित धान उपार्जन केन्द्रों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं किया गया, साथ ही 16 नवंबर 2025 को आयोजित धान खरीदी संबंधी प्रशिक्षण में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहे, जो छत्तीसगढ़ अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 (श्वस्न्रू-ष्ट्ज्ञ) का स्पष्ट उल्लंघन है। इस कृत्य से 15.11.2025 को धान खरीदी प्रभावित हुई तथा आगामी खरीदी भी प्रभावित होने की संभावना है। आपके अधीनस्थ राजस्व निरीक्षक तथा पटवारियों को उनके कर्तव्य का पालन करने तथा आयोजित प्रशिक्षण में उपस्थिति के लिए जिम्मेदारी तहसीलदारों सौंपा गया था। धान खरीदी कार्य में संलग्न राजस्व निरीक्षक तथा पटवारियों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया गया था, जिसका पालन जानबूझकर नहीं किया गया, जो शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन के प्रति घोर लापरवाही तथा स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है।

विशेष गहन पुनरीक्षण में सहभागी बनें : देवांगन

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन द्वारा मतदाता सूची शुद्धिकरण हेतु चलाए जा रहे एसआईआर यानि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लोगों को बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए युवा भाजपा नेता किशोर देवांगन ने कहा कि भारत के प्रत्येक वैध नागरिक को इस प्रक्रिया में स्वस्फूर्त भाग लेते हुए बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वितरित किए जा रहे एसआईआर फॉर्म भरकर अपना मतदान सुरक्षित करवाना चाहिए।

किशोर ने कहा कि विपक्ष दल इस प्रक्रिया को लेकर देशवासियों के बीच लगातार भ्रम फैला रहे हैं, जबकि खुद माननीय सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया को वैध बता चुका है। एसआईआर का एक लाइन में मतलब घुसपैठियों को भगाना है। वे घुसपैठिए जो अवैध रूप से भारत में घुसकर यहां निवास करते हुए भारत के वैध नागरिकों के साधन और संसाधन पर डाका डाल रहे हैं। लेकिन विपक्षी दल के लोग इस सच्चाई को जानते हुए भी, केवल अपने वोट बैंक के लिए इन घुसपैठियों को बचाने की नीयत से एसआईआर प्रक्रिया का शुरुआत से विरोध करते हुए देशवासियों को भी अपने विरोध में शामिल करने लगातार विभिन्न भ्रम फैला रहे हैं। विपक्षी दलों के इस हथकंडे को देशवासियों को समझना होगा क्योंकि यह देश के साधन और संसाधन पर उनके पहले अधिकार के हक को घुसपैठियों द्वारा छीनने से रोकने के साथ-साथ अपने संवैधानिक मताधिकार की रक्षा करना भी है। किशोर ने कहा कि अपने और परिवार के हक और मताधिकार की सुरक्षा के लिए प्रत्येक देशवासी को बिना किसी संकोच और बिना किसी भय के मतदाता शुद्धिकरण की इस प्रक्रिया एसआईआर में हिस्सा लेना चाहिए।

वक्ता मंच ने शीत लहर में जरूरतमंदों को कंबल बांटे

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। कड़कड़ाती ठंड में लाचार, असहाय व गरीबों को ठंड से बचाने के लिए सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा आज शाम आकाशवाणी चौक रायपुर में जरूरतमंदो को 101 कंबल सहित शाल, जैकेट, स्वेटर व अन्य गर्म कपड़े वितरित किए गए। कम्बल स्व. ओम प्रकाश गोयल एवं स्व. कमल कांता गोयल की स्मृति में उनके परिजनों द्वारा उपलब्ध कराये गये थे। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया कि इस दौरान हर धर्म, जाति और समुदाय के जरूरतमंदों को कंबल दिया गया। वक्ता मंच द्वारा विगत एक दशक से शीत ऋतु के दौरान कंबल व गर्म कपड़ों का शहर भर में वितरण किया जाता है।

फुलझर में पृथ्वी फाउंडेशन का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, बड़ी संख्या में ग्रामीण हुए लाभान्वित

नवापारा-राजिम/नवप्रदेश। नवापारा अंचल की प्रतिष्ठित सामाजिक सेवा संस्था पृथ्वी फाउंडेशन ने आदिवासी बहुल ग्राम फुलझर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर बीपी, शुगर, रक्त समूह, फेफड़े की जांच सहित विभिन्न चिकित्सा परामर्श का लाभ उठाया। विशेष रूप से स्कूली बच्चों में रक्त समूह जांच को लेकर खासा उत्साह देखा गया। दिनभर चले इस शिविर में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा पृथ्वी फाउंडेशन के इस जनहितैषी प्रयास की सराहना की। ग्रामीणों ने आगे आंख जांच शिविर आयोजित करने की भी मांग रखी।

मानव सेवा ही ईश्वर सेवा : योगिता

पृथ्वी फाउंडेशन की अध्यक्ष योगिता सिन्हा ने कहा कि संस्था का मूल उद्देश्य समाज सेवा है। फाउंडेशन शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में विगत वर्ष से विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर लोगों को जरूरी सुविधाएं और परामर्श प्रदान कर रही है।

ये रहे उपस्थित

स्वास्थ्य शिविर के अवसर पर फाउंडेशन की अध्यक्ष योगिता सिन्हा, वरिष्ठ सदस्य सोनल महाडिक, कल्पना पांडे, अनु सारडा, रुचि सेठ, हर्षा कंसारी, डॉ. डाली सिन्हा, सरपंच संतोष कंवर, तकनीशियन तुषार, कशिश सिन्हा, तोशिबा सिन्हा, ईशान देवांगन, आस्था पॉली क्लीनिक की टीम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

तिल्दा में राजयोग ध्यान शिविर का शुभारंभ

तिल्दा/नवप्रदेश। नगर के वृंदावन कॉलोनी में रविवार की सायंकाल ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा शाखा द्वारा आयोजित राजयोग ध्यान शिविर का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। आध्यात्मिकता, सकारात्मकता और आत्मबल को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत ईश्वर स्मरण और मधुर संगीत के साथ हुई। मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर शिविर का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ की बहनों ने राजयोग ध्यान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की व्यस्त और तनावपूर्ण जीवनशैली में राजयोग ऐसा सरल साधन है, जो मन को शांत, विचारों को शुद्ध और आत्मबल को प्रबल बनाता है। राजयोग केवल ध्यान की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली दिव्य विधा है, जो मनुष्य के व्यक्तित्व में चमत्कारिक परिवर्तन ला सकती है। ब्रह्माकुमारी प्रियंका बहन ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में खुशी, शांति और संतुलन बनाए रखने के लिए आत्म-सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है। यह शिविर लोगों को आत्मचिंतन, सकारात्मक सोच, और तनाव प्रबंधन की कला सीखने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि शिविर में हर आयु वर्ग के लोग भाग ले सकते हैं और यह पूर्णतः निःशुल्क है। उद्घाटन समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने ब्रह्माकुमारीज़ के इस प्रयास की सराहना की।

रजत महोत्सव ... **डीएवी के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी नहीं : इंद्र साव**

डीएवी टिकुलिया में फन फिएस्टा और भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

भाटापारा/नवप्रदेश। डीएवी टिकुलिया में अध्यनरत विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है,आज के इस फन फेयर और एग्जीबिशन , कल्चरल इवेंट , आर्ट गैलरी, रंगोली , संगीत रैंप वॉक में उनकी सहभागिता से इसका अंदाज लगाया जा सकता है,उक्त बाते क्षेत्र के विधायक इंद्र साव ने

डीएवी टिकुलिया में बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपने वक्तव्य में कही,इस दौरान उन्होंने स्कूल में 6 नग कंप्यूटर देने की घोषणा की। विधायक इंद्र साव ने आगे कहा कि यहां के शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों की प्रतिभा का अनुमान लगाया जा सकता है कि आज यहां हो रहे

फन फेयर और एग्जिबिशन में शत प्रतिशत छात्र इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा को सामने ला रहे है।उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभाएं छुपी रहती है उनमें असीम संभावनाएं रहती है लेकिन बच्चे संकोच वश उसे बाहर नहीं ला पाते,जिससे वे इस क्षेत्र में धीरे धीरे पिछड़ने लग जाते है,उन्हें यहां आकर इस बात की खुशी हो रही है कि इस संस्था के प्रमुख एस के सिंह लगातार अपने शिक्षकों के साथ मेहनत कर इस आयोजन में सभी बच्चों को पार्टिसिपेट कराया है,उनकी यह मेहनत निश्चित रूप से भविष्य में कोई नया अध्याय रचेगी। विधायक साव ने फन फेयर और एग्जिबिशन की प्रशंसा करते हुए

डीएवी विद्यार्थियों के लिए 6 कंप्यूटर देने की घोषणा की।

विदित हो कि डीएवी टिकुलिया भाटापारा जो विद्यार्थियों में शिक्षा, संस्कार, समर्पण और सफलता के दीप को लगातार 9 वर्षों से प्रज्वलित कर रहा है । विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ साथ वैदिक शिक्षा ,आधुनिक शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, व्यावसायिक कौशल, रचनात्मक और कलात्मक कौशलों के साथ पूर्णता छात्र केंद्रित शिक्षा के लिए विख्यात है।इसी का एक उदाहरण बाल दिवस के अवसर पर देखने को मिला जहां विद्यार्थी ने आधुनिक शिक्षा के साथ, व्यवसायिक और कौशल आधारित फन फिएस्टा और एग्जिबिशन का अनूठा संगम प्रस्तुत किया । कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना और जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य अतिथि इंद्र साव विधायक के द्वारा किया गया।इस दौरान संस्था प्रमुख एस के सिंह, प्रीति ताम्हणे प्रिंसिपल मॉडर्न इंग्लिश मीडियम स्कूल , थॉमस एंटो प्रिंसिपल आधारशिला भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ की 25वीं वर्षगांठ व रजत महोत्सव, छत्तीसगढ़ की परंपरा व संस्कृति को प्रदर्शित लोक नृत्य कक्षा नवी के विद्यार्थियों के द्वारा प्रस्तुत किया गया, कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों द्वारा पहाड़ी डांस, व बाल दिवस फन डांस प्रस्तुत किया गया। कक्षा चौथी व पांचवी के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न योग मुद्राओं को प्रदर्शित योगा डांस प्रस्तुत किया गया।

हड़ताली समिति कर्मचारियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। सहकारी समिति के हड़ताली कर्मचारियों के विरुद्ध प्रशासन के द्वारा सख्त कार्यवाही शुरू कर दी गई है। धान खरीदी कार्य से इंकार करने वाले कर्मचारियों पर अति आवश्यक सेवा अनुरक्षण क़ानून के तहत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज प्रभारी प्रबंधक सहित 13 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है तथा 3 कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर प्रस्तावित है।

जिला खाद्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिमगा समिति प्रबंधक मंजुला शर्मा, खोखली समिति प्रबंधक राकेश कुमार टंडन, धुर्रा बांधा समिति प्रबधक मूलचंद वर्मा,रोहांसी समिति प्रबंधक धर्मेन्द्र साहु, समिति प्रबंधक तिल्दा रामकुमार साहु को बर्खास्त किया गया है। इसीतरह कसडोल विकासखंड के समिति गिरौद के विक्रेता नन्द कुमार पटेल, हसुआ के विक्रेता गोकुल प्रसाद साहु,थरगांव के विक्रेता ललित साहू, कटगी के विक्रेता रामस्वरूप यादव,चिखली के विक्रेता खेलसिंग कैवर्त्य कोसमसरा के विक्रेता अमित साहू, सरखोर के विक्रेता भीम साहु, लवन के विक्रेता रविकमल को बर्खास्त किया गया है। विकासखंड पलारी अंतर्गत समिति कोनारी के प्रभारी प्रबंधक राजेंद्र चंद्राकर, समिति रोहरा के कम्प्यूटर ऑपरेटर बीरेंद्र साहु एवं समिति रिसदा के विक्रेता टीका राम वर्मा के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने शाखा प्रबंधक को पत्र जारी किया गया है।

कोमपल्ली स्टापडेम के लिए 1.61 करोड़ स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा बीजापुर जिले के विकासखण्ड- भैरमगढ़ के कोमपल्ली स्टापडेम के निर्माण कार्य के लिए एक करोड़ 61 लाख 79 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने पर जल संवर्धन, निस्तारी, पेयजल एवं किसानों के द्वारा स्वयं के साधन से करीब 54 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। योजना के निर्माण कार्य हेतु मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

अब रायपुर में भी लागू होगा पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम

रायपुर। रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम नए साल में लागू करने को लेकर एक बार फिर सुगबुगाहट तेज हो गई है. राजधानी में नए पुलिस कमिश्नर की नियुक्ति को लेकर सरकार और क्क्षात्त दोनों स्तरों पर मंथन जारी है. इस पद के लिए, ष्ठत्र या द्बत्र रैंक के अधिकारी के विकल्पों पर गंभीरता से विचार हो रहा है. हालांकि, इसके पहले एक नवंबर से पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने की तैयारी थी, लेकिन पुलिस कमिश्नर किस अधिकारी को बनाया जाएगा, इसके लेकर मामला अटक गया था. इसके साथ ही राजधानी रायपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली एक जनवरी से लागू करने की प्रक्रिया तेज हो गई है.

फुल प्रूफ व्यवस्था बनाने में जुटे अफसर

अब एक बार फिर से रायपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है. इसके साथ ही गृह विभाग लगातार समीक्षा में जुटा है, ताकि नए सिस्टम में किसी तरह की कमी न रह जाए. विभागीय सूत्र के अनुसार, मौजूदा स्क्क-ष्टस्क पैटर्न पर जिले का स्टाफ पहले से ही भारी दबाव में है. इसलिए नई व्यवस्था में बड़े रैंक के अधिकारियों की तैनाती बेहद आवश्यक मानी जा रही है.

नशामुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगांठ

रायपुर/नवप्रदेश। देशभर में 18 नवम्बर को नशामुक्त भारत अभियान की पाँचवीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर का मुख्य कार्यक्रम अमृतसर, पंजाब में होगा, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संदेश वर्चुअल माध्यम से पूरे देश में प्रसारित किया जाएगा। इस राष्ट्रीय आयोजन से राज्य के हर हिस्से को जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ में भी बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है।

छत्तीसगढ़ के सभी जिलों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, स्कूलों, विभागीय संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों तथा आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से सामूहिक रूप से नशामुक्ति शपथ दिलाई जाएगी। राज्यभर में नशा छोड़ने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और युवाओं को नशे से दूर रखने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक तैयारी की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ में 70 स्थानों से वर्चुअल जुड़ाव की व्यवस्था की गई है, जिससे व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित होगी। जिला स्तर पर कलेक्टोरेट, जिला मुख्यालय सहित विभिन्न स्थानों से लगभग 26 हजार 190 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

अभा वन खेल में छत्तीसगढ़ फिर बना चैम्पियन,150 मेडल जीत रचा इतिहास

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में एक बार फिर इतिहास रच दिया है. देहरादून में हुई 28वीं अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल तालिका में पहला स्थान हासिल किया है. इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने 150 मेडल और 578 अंक के साथ लगातार दूसरे वर्ष चैम्पियनशिप अपने नाम की है.

CM विष्णु देव साय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन मंत्री केदार कश्यप ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों और टीमों को

बधाई देते हुए उन्हें भविष्य में ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी है।

150 मेडल के साथ पहले स्थान पर छत्तीसगढ़

बता दें कि 28वीं ऑल इंडिया फ़ॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट 12 नवम्बर से 17 नवम्बर तक देहरादून में आयोजित हुई. इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने 74 गोल्ड, 34 रजत, 42 कांस्य लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया. छत्तीसगढ़ की ओर से इस प्रतियोगिता में भाग लेने 253 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ ने जीता 74 गोल्ड मेडल

प्रतियोगिता में कई उत्कृष्ट व्यक्तिगत प्रदर्शन भी छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने किया. इनमें सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी निखिल ज़ाल्को ने तैराकी में 5 स्वर्ण, सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी संगीता राजगोपालन बैडमिंटन और टेनिस में 4 स्वर्ण, 1 रजत, सर्वश्रेष्ठ एथलीट महिला ओपन थोटा संकीर्तन ने 5 स्वर्ण पदक प्राप्त कर 'गोल्डन गर्ल' का खिताब पाया।इसी तरह सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष वेटरन) सुखनंदन लाल धुर्व ने 5 स्वर्ण, सर्वश्रेष्ठ एथलीट (महिला वेटरन) चारुलता गजपाल 4 स्वर्ण ने पदक प्राप्त किया।

देहरादून में किया गया अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता का आयोजन

छत्तीसगढ़ ने लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की. इस खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और उत्तराखंड के वन मंत्री सुबोध उनियाल ने संयुक्त रूप से ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की. छत्तीसगढ़ की ओर से यह ट्रॉफी आईएफएस शालिनी रैना ने ग्रहण की।

केरल दूसरे स्थान पर

अखिल भारतीय वन खेल-कूद प्रतियोगिता में केरल ने 31 गोल्ड लेकर द्वितीय स्थान और कर्नाटक ने 25 गोल्ड मेडल लेकर तीसरा स्थान हासिल किए, जबकि मेजबान उत्तराखंड छठे स्थान पर रहा. इस प्रतियोगिता को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए एक विशेष पहल भी की गई. इसके तहत 'एक खेल-एक वन' की अवधारणा पर सभी मेडल जीतने वाले खिलाड़ी के नाम पर एक पेड़ लगाया गया, जिससे खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश भी मिला।

नकली पुलिस बन छात्राओं को बंधक बनाया, मारपीट

रायपुर। राजधानी रायपुर के कमल विहार इलाके में बीती रात बड़ी वारदात सामने आई है। पढ़ाई करने आई दो बहनों और उनके भाई को हिस्ट्रीशीटर पूजा सचदेव और उसके भाई निखिल सचदेव सहित उसके साथियों ने बंधक बनाकर मारपीट की, छेड़छाड़ की, जान से मारने की धमकी दी। आरोपी पीड़ितों से 1.50 लाख रुपये से अधिक की लूट कर फरार हो गए। पूरी घटना पर मुजगहन थाना में गंभीर धाराओं के तहत स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है।

पीड़िता रोशिता तिर्की ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 नवंबर की रात करीब 12 बजे वह अपनी बहन रिया तिर्की के साथ अपने बीमार भाई अटल कुमार भगत के लिए खाना देने कृष्णा हाइट्स, ब्लॉक-1, फ्लैट 102, कमल विहार पहुंची थी। खाना देकर वापस जाने

लगी तो लिफ्ट के पास एक महिला और तीन युवक नशे की हालत में खड़े थे।इन आरोपियों ने खुद को पुलिस वाला बताकर दोनों बहनों से पूछताछ शुरू कर दीष फिर बलपूर्वक उन्हें उनके भाई के फ्लैट में धकेल दिया। कमरे में घुसकर बेरहमी से मारपीट की, गले पर चाकू लगाया, रोशिता से छेड़छाड़ की।

दर्ज शिकायत से मिली जानकारी अनुसार, जैसे ही दोनों बहनें कमरे में पहुंची, आरोपियों ने हाथ-मुक्का, बेल्ट से मारना शुरू कर दिया। विरोध करने पर युवकों ने चाकू निकालकर अटल भगत के गले पर टिकाया और धमकी दी कि आवाज निकाली तो जान से मार देंगे।

पीड़िता के साथ की छेड़छाड़

गैंग के अन्य साथी भी कमरे में पहुंच गए और सभी ने छात्र-छात्राओं को रस्सी से बांधकर कमरे में बंद कर दिया। एफआईआर में दर्ज है कि पूजा सचदेव और निखिल सचदेव ने मारपीट के दौरान रोशिता के प्राइवेट पार्ट को गलत नियत से छुआ, जिसका उसने विरोध किया।

पीड़ितों ने थाने में दर्ज स्नढ्ढक्र में बताया कि आरोपियों ने 2 लाख की मांग की, श्जरू से पैसे निकलवाए, मोबाइल बाइक लैपटॉप सब लूटकर ले गए। गैंग ने पीड़ितों से 2 लाख रुपये की मांग की। पैसे नहीं होने पर रिया तिर्की के पर्स से 7,000 रुपये और नवनीत कुजूर को धमकाकर श्जरू से 9,000 रुपये निकलवाए।

इसके साथ ही आरोपियों ने पीड़ितों का आईफोन मोबाइल छीन लिया। अनुराग तिर्की की एक्टिवा लेकर भाग गए।रितिक लकड़ा का लैपटॉप भी ले गए। यहां तक की आरोपी कमरे में गैस सिलेंडर तक उठा ले गए। बदमाशों ने पीड़ितों से करीब 1.5 लाख रुपये का सामान लूट लिया।

आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज

पूजा सचदेव अपने साथ चार लड़कों को लेकर आई थी। आरोपियों ने लगातार धमकाकर, मारपीट कर रातभर छात्रों को बंधक बनाकर रखा था। आरोपियों के जाने के बाद पीड़ितों ने रात में ही परिजनों को घटना की सूचना दी।इसके बाद उन्होंने सुबह थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई।

19 हजार क्विंटल से अधिक धान जब्त

■ समर्थन मूल्य पर खरीदी से पहले प्रशासन का शिकंजा कसा

रायपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले ही प्रदेश में अवैध धान परिवहन पर सख्त निगरानी के परिणाम दिखाई देने लगे हैं। मार्कफेड द्वारा एक नवंबर से अब तक जारी आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में राज्य के सीमावर्ती जिलों में कुल 19,320 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है।

अन्य राज्यों से धान की आवक रोकने के लिए चेकपोस्ट, कलेक्टर की अध्यक्षता में टास्क फोर्स और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है। जिला वार आंकड़ों के अनुसार महासमुंद में सर्वाधिक 4,266 क्विंटल धान पकड़ा गया। इसके बाद बलरामपुर में 4,139 क्विंटल, सूरजपुर 1,750 क्विंटल, रायगढ़ 1,201 क्विंटल, जशपुर 1,157 क्विंटल तथा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 967 क्विंटल धान जप्त किया गया।

सीमावर्ती इलाकों में बढ़ी निगरानी और त्वरित अलर्ट-रिस्पॉन्स सिस्टम के चलते अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लग रही है। रविवार को हुई दो महत्वपूर्ण कार्रवाई भी विशेष उल्लेखनीय रही। मार्कफेड के कंट्रोल सेंटर से प्राप्त अलर्ट पर कोंडागांव जिले की टीम ने 600 बैग (231.5 क्विंटल) धान मौके पर पहुंचकर जब्त किया।

वहीं, ग्राम त्रिशूली (थाना सनवाल) में रात्रि गश्त के दौरान अलग-अलग स्थानों पर रखे कुल 222 कट्टा धान का पता चला। विवाद की आशंका को देखते हुए दिन में तहसीलदार, थाना प्रभारी और मंडी कर्मियों की उपस्थिति में विस्तृत जांच कर धान की विधिवत जप्ती की गई।

दिव्यांगजन कल्याण एवं पुनर्वास नीति के ड्राफ्ट को सशक्त बनाने कार्यशाला आज

■ 'राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध विशेषज्ञ का होगा विमर्श'

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग और यूनिसेफ के विशेष सहयोग से रायपुर स्थित एक निजी होटल में ''छत्तीसगढ़ राज्य दिव्यांगजन कल्याण एवं पुनर्वास नीति 2025'' के ड्राफ्ट को और सशक्त बनाने महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन करेगा। यह कार्यशाला महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न होगी। कार्यशाला का उद्देश्य है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत प्रदेश के दिव्यांगजनों के लिए एक व्यापक और समावेशी नीति को अंतिम रूप देना है।दिव्यागजन अधिकार अधिनियम, 2016 एक ऐतिहासिक कानून है जो दिव्यांगता को दया के बजाय 'अधिकार' के विषय के रूप में स्थापित करता है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश में प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा ''छत्तीसगढ़ राज्य दिव्यांगजन कल्याण एवं पुनर्वास नीति 2025'' का एक व्यापक ड्राफ्ट तैयार किया गया है। ड्राफ्ट को और अधिक सशक्त एवं समावेशी बनाने के लिए यह कार्यशाला यूनिसेफ के विशेष सहयोग से आयोजित की जा रही है। यह कार्यशाला ''हमारे बिना, हमारे बारे में कुछ भी नहीं'' के मार्गदर्शी सिद्धांत पर आधारित होगी। इसका मुख्य उद्देश्य नीति को अंतिम रूप देने से पहले प्रमुख हितधारकों, विभिन्न संबंधित विभागों और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों से अमूल्य सुझाव एवं व्यावहारिक फीडबैक प्राप्त करना है। इस महत्वपूर्ण विमर्श को तकनीकी और विशेषज्ञ राय प्रदान करने के लिए देश के जाने-माने विशेषज्ञ शामिल होंगे। इनमें राजीव रतूड़ी (राजीव रतूड़ी बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक मामले में मुख्य याचिकाकर्ता एवं डिसेबिलिटी राइट्स प्रमोशन इंटरनेशनल के एशिया पेसिफिक क्षेत्रीय अधिकारी), समीर घोष (समावेश सलाहकार, विश्व बैंक), अखिल पॉल (मुख्य संरक्षक, सेंस इंटरनेशनल इंडिया) और यूनिसेफ की विशेषज्ञ अलका मल्होत्रा प्रमुख हैं।

महाराष्ट्र मंडल के केंद्रों रामरक्षा स्त्रोत, हनुमान चालीसा का पाठ

■ दिव्यांग बालिका विकास गृह में सत्यनारायण कथा- हवन के बाद राम नाम की गूंज

रायपुर/नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल की आध्यात्मिक समिति की ओर से रामरक्षा स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ इस शनिवार भी उत्साह के साथ जारी रहा। महाराष्ट्र मंडल ने शनिवार को एकादशी तिथि पर पुनर्निमित दिव्यांग बालिका विकास गृह में भगवान सत्यनारायण की कथा और पूजन किया। इसके बाद सभी ने मिलकर राम रक्षा स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके साथ मंडल के वल्लभ नगर, सरोना सहित विभिन्न केंद्रों में भी सामूहिक पाठ पूरे उल्लास के साथ किया गया।

आध्यात्मिक समिति की सृष्टि दंडवते ने बताया कि दिव्यांग बालिका विकास गृह में सत्यनारायण पूजा के पाठ सभी ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ भी किया। इस दौरान संध्या खंगन, दिव्या पात्रीकर, आकांक्षा गद्दे, साक्षी टोले, गीता दलाल, अंजलि काले, अक्षता पंडित, नमिता शेष, गीता दलाल, रेणुका पुराणिक, वंदना निमोणकर, अपर्णा कालेले, डा. शुचिता देशमुख सहित अनिल कालेले, अजय काले, चेतन दंडवते, अतुल गद्रे, दीपक पात्रीकर, अभय भगवतकर, परितोष डोनगांवकर, श्याम दलाल, प्रसन्न निमोणकर, विनोद राखुंडे, श्याम सुंदर खंगन, विक्रम हिशीकर, शचिन्द्र देशमुख, गुड्डू शर्मा सहित अनेक सभासदों सभासदों ने सामूहिक पाठ किया।

इधर वल्लभनगर केंद्र की महिलाओं ने संत ज्ञानेश्वर विद्यालय प्रांगण में एकत्रित होकर रामरक्षा स्तोत्र और हनुमान चालीसा का मिलकर पाठ किया। इस दौरान मानसी विठालकर, शुभांगी आप्टे, अर्चना जतकर, कांचन पुसदकर, सुहानी पवार, हर्षा, प्रतिमा आगलावे, वैभवी चौधरी, शुभदा अगस्ती, वंदना पाटील. आदि उपस्थित रहे।

अमरजीत, लीना केलकर, शोभा पाटील, सुलु हर्डीकर, श्वेता, मंजूषा चिलमवार, रोहिणी चिमोटे, उषा काकडे, सुवर्णा कस्तुरे, नंदा अगस्ती, सीमा तिघा , सुरेखा मेघावाले, आशा बरेवार , प्राजक्ता पुसदकर, अनिता उमाडे, प्रीति केसकर, विजया चौधरी और शोभा ठाडा उपस्थित रहीं।

दिवाली मिलन में ताश के खेलों का सभी ने लिया आनंद

रायपुर/नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल के वल्लभ नगर केंद्र की महिलाओं ने संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में दिवाली मिलन उत्सव का आयोजन किया। एकादशी होने के कारण महिलाओं ने सर्वप्रथम रामरक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा का पाठ किया और ताश के पत्तों का मनोरंजक खेलों का भी आनंद लिया। कार्यकारी महिला प्रमुख अपर्णा देशमुख ने बताया कि दिवाली उत्सव हो और ताश के खेल न हो ऐसा हो ही नहीं सकता है। इसलिए इस बार केंद्र की महिलाओं ने ताश के विभिन्न खेलों का आनंद लिया। महिलाओं के लिए कई खेल बिल्कुल नए थे, लेकिन सभी ने इसका भरपूर आनंद उठाया। ताश के खेल में प्रथम आशा

नवंबर महीने में जनवरी जैसी कड़ाके की सर्दी

■ आईएमडी ने जारी की शीतलहर की चेतावनी

रायपुर। प्रदेश में इस बार समय से पहेल ही कड़ाके की ठंड ने दस्तक दे दी है। उत्तरी हवाओं के असर से शीतलहर चल रहे हैं, जिससे तापमान तेजी से गिरा है। सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। मौसम विभाग की ओर से अगले तीन दिनों में शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है, जिससे तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज की जाएगी।

राजधानी में नवंबर की ठंड इस बार रिकॉर्ड तोड़ रही है। रविवार को शहर का तापमान 10 साल में सबसे कम पर पहुंच गया। रात का तापमान भी सामान्य से लगभग चार डिग्री नीचे रहा।

बीते दशक का रिकॉर्ड टूटा

-दस साल के आंकड़ों का अध्ययन बताता है कि नवंबर के मध्य में रायपुर का अधिकतम तापमान आमतौर पर 32-33 डिग्री के बीच रहता था, लेकिन इस बार तापमान सीधे 28 डिग्री तक पहुंच गया, जो पिछले दशक में इस अवधि का सबसे कम अधिकतम तापमान है। इसी तरह, पिछले वर्षों में न्यूनतम तापमान 14-16 डिग्री के बीच रहता था, पर इस बार यह 13.8-13.9 डिग्री दर्ज होकर रिकॉर्ड किया गया है।

रायपुर माना में न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री, 10 साल के औसत से कम रही।रविवार को रायपुर शहर का अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री और न्यूनतम 13.9 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से क्रमशः 2.5 डिग्री और 3.9 डिग्री कम है। माना एयरपोर्ट केंद्र में भी अधिकतम 27.6 डिग्री और न्यूनतम 13.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

मौसम विभाग के अनुसार, यह तापमान बीते दस वर्षों के औसत से भी नीचे है, जिससे साफ है कि इस बार ठंड ने समय से पहले दस्तक दे दी है। सिर्फ2022 में छह नवंबर को 13 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

उत्तरी हवाओं ने बढ़ाई सर्दी- मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के बाद, तेज उत्तरी हवाएं छत्तीसगढ़ पहुंच रही हैं, जिससे दिन और रात दोनों तापमान सामान्य से काफी नीचे जाना शुरू हो गया है।

अंबिकापुर संभाग में तापमान में गिरावट

संभाग मुख्यालय अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान सामान्य से लगभग सात डिग्री नीचे चले जाने से भीषण शीतलहर की स्थिति बन गई है। रविवार को लगभग डेढ़ डिग्री की गिरावट के साथ शहर का न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री पहुंच गया। उत्तर भारत की सर्द हवा के प्रभाव से उत्तरी छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पिछले आठ दिनों से न्यूनतम तापमान दस डिग्री से नीचे बना हुआ है। एक समान तापमान बने रहने से लोग ठंड से बेहाल हैं।

पार्षद पर बीएलओ को धमकाने का आरोप

■ कांगेस ने की एफआईआर दर्ज करने की मांग

रायपुर। पुरानी बस्ती में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान भाजपा पार्षद अंबर अग्रवाल पर बीएलओ को धमकाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने एफआइआर दर्ज करने की मांग की। मतदाता विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के बीच रायपुर की पुरानी बस्ती में रविवार को एक गंभीर और बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है। घर-घर मतदाता सत्यापन के दौरान एक शासकीय बीएलओ को भाजपा पार्षद अंबर अग्रवाल द्वारा धमकाए जाने का वीडियो प्रसारित हो गया है।

बीएलओ को धमकाने का वीडियो वायरल-प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बीएलओ अपने निर्धारित कार्य के तहत मतदाता सत्यापन कर रही थीं। इसी दौरान पार्षद अंबर अग्रवाल वहां पहुंचे और उन्होंने बीएलओ पर दबाव बनाया, कांग्रेस प्रतिनिधियों को साथ न रखने की चेतावनी दी, और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने जैसा आचरण किया। स्थिति इतनी भयावह हो गई कि डरी-सहमी बीएलओ वहीं पर फफककर रो पड़ी।

रो पड़ी बीएलओ

वीडियो में पार्षद का आक्रामक व्यवहार स्पष्ट दिख रहा है, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। कांग्रेस ने कहा, यह अमानवीय, अवैधानिक और लोकतंत्र पर हमला, घटना के बाद कांग्रेस के छाया पार्षद बंशी कन्नौजे ने कड़ा बयान जारी किया। उन्होंने कहा यह अत्यंत शर्मनाक है कि पुरानी बस्ती के भाजपा पार्षद ने एक महिला बीएलओ को इस कदर धमकाया कि वह डर के मारे रो पड़ी। यह सरकार संचालित कार्य में बाधा डालने और एक महिला कर्मचारी को मानसिक प्रताड़ना देने का गंभीर अपराध है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ समेत देश के 12 राज्यों में चुनाव आयोग की ओर से मददान सूची का विशेष गहन पुनरिक्षण कराया जा रहा है। इस प्रक्रिया में बूथ लेबल अधिकारी हर वोटर के घर जाकर उनका सत्यापन कर रहे हैं। इस दौरान सभी पार्टियों के प्रतिनिधि भी बीएलओ के साथ प्रक्रिया में साथ रह रहे हैं। रायपुर में इसी दौरान पार्षद पर बीएलओ को धमकाने का आरोप लगा है।

तेजस्वी यादव चुने गये विधायक दल के नेता, हार पर हुई चर्चा

पटना (आईएएनएस)। बिहार चुनाव में मिली करारी हार के बाद महागठबंधन में शामिल मुख्य घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की सोमवार को समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में चुनाव में मिली हार की समीक्षा की गई और यह माना गया कि पार्टी लोगों तक अपनी बातों को सही ढंग से पहुंचाने में असफल रही। बैठक के बाद राजद नेता संजीव कुमार ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि इस मीटिंग में तेजस्वी यादव को विधानमंडल दल का नेता चुना गया और सभी विधायकों ने इसका समर्थन किया। संजीव कुमार ने कहा कि यह परिणाम नहीं होना था। बिना किसी गड़बड़ी के ऐसा परिणाम नहीं आ सकता है। उन्होंने कहा कि कोर्ट जाने को लेकर भी योजना बनाई जा रही है। बैठक में फिर से संगठन के लिए जुटने का और संगठन को फिर से मजबूत करने का दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि यह चौंकाने वाला परिणाम है।

एनएमडीसी @68 : भारत के अग्रणी लौह अयस्क उत्पादक के रूप में साढ़े छह दशकों से अधिक की उत्कृष्टता का उत्सव मनाया

हैदराबाद। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने 15 नवंबर को अपने संचालन के 68 साल में प्रवेश करते हुए अपना स्थापना दिवस बड़े गर्व के साथ मनाया । इस अवसर पर सम्पूर्ण कंपनी में उत्कृष्ट योगदान करने के लिए संगठन के सर्वोच्च सम्मानजनक अवॉर्ड, सीएमडी उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए । इस आयोजन में एनएमडीसी की 1958 में स्थापित एकल-इकाई संचालन से लेकर भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक और खनन क्षेत्र में वैश्विक- स्तर की पहचान बनाने की उल्लेखनीय यात्रा को याद किया गया । कार्यक्रम में एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी के साथ वरिष्ठ नेतृत्व विश्वनाथ सुरेश, निदेशक (वाणिज्य), विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), जयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन), प्रियदर्शिनी, निदेशक (कार्मिक), स्वतंत्र निदेशकगण और पूर्व निदेशकगण तथा वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारीगण और उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे। सीएमडी उत्कृष्टता पुरस्कार अनेक श्रेणियों में प्रदान किए गए, जिनमें खनिज रत्न (व्यक्तिगत और समूह), एनएमडीसी रत्न (व्यक्तिगत और समूह), सर्वश्रेष्ठ विभाग-उत्पादन एवं बिक्री के लिए सीएमडी शील्ड, सर्वश्रेष्ठ विभाग-सपोर्ट के लिए सीएमडी शील्ड और सर्वश्रेष्ठ परियोजना और सर्वश्रेष्ठ परियोजना (वर्क्स) शामिल हैं। 2023 में स्थापित ये पुरस्कार पूरे संगठन में एनएमडीसी कर्मचारियों के असाधारण प्रयासों और उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करते हुए उनकी सराहना करत हें । एनएमडीसी परिवार को बधाई देते हुए, अमिताभ मुखर्जी ने कहाः एनएमडीसी एक ऐसी कंपनी है, जिसका इतिहास हमसे बहुत पुराना है तथा भविष्य हमसे कहीं अधिक लंबा है। अपने परिचालन को मजबूत करने के लिए हम डिजिटल रूप से सक्षम अत्याधुनिक उपकरण ला रहे हैं । पुरस्कार विजेताओं ने हमें प्रेरित किया है और हमारे इस संकल्प की पुष्टि की है कि हमारे सामूहिक सपने पूरी तरह से साकार होंगे । हम साठ वर्ष से अधिक के भले ही हों, लेकिन हम युवा हैं, अभी भी बढ़ रहे हैं और सीख रहे हैं; हम आगे बढ़ने के साथ सीख रहे हैं और सीखते हुए आगे बढ़ रहे हैं । और जैसा कि कहा गया है, जो बहुत दूर तक जाने का जोखिम उठाते हैं, केवल वे ही यह पता लगा सकते हैं कि वे कितनी दूर तक जा सकते हैं । हम एनएमडीसी 2.0 की नींव रख रहे हैं । भविष्य में एनएमडीसी नवाचार, सुस्थिरता और परिचालन उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़-संकल्पित है । पिछले 68 वर्षों में निर्मित एक मजबूत विरासत के साथ, यह संगठन भारत के विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है ।

'कश्मीर का गुस्सा लाल किले पर दिखा'

नई दिल्ली। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती द्वारा एक नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया।भाजपा ने महबूबा मुफ्ती के इस बयान की आलोचना की है। मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि राजधानी में लाल किले के पास विस्फोट का मामला देश भर में बढ़ती असुरक्षा की भावना और जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीतियों की विफलता को दर्शाता है।

आतंकी उमर के साथी आमिर को 10 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली में हुए एक बड़े आतंकी धमाके के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी उमर के साथी आमिर को पटियाला हाउस कोर्ट ने 10 दिनों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी की कस्टडी में भेज दिया है। यह फैसला एनआईए द्वारा अदालत में पेश की गई दलीलों और मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच आमिर को कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई बंद कमरे में की गई। साथ ही सुनवाई के दौरान मीडिया को भी जाने की अनुमति नहीं दी गई। आरोपी को जिला जज अंजू बजाज चांदना की अदालत में पेश किया गया था। एनआईए ने आतंकी उमर के दोस्त आमिर को किया था गिरफ्तार । दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम धमाके की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उस कश्मीरी निवासी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने आत्मघाती हमलावर के साथ मिलकर इस आतंकी वारदात को अंजाम देने की साजिश रची थी।

साइबर अटैक से टाटा की इस कंपनी में घमासान

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की पैसेंजर व्हीकल कंपनी के निवेशकों के लिए सोमवार का दिन बेहद खराब साबित हुआ। कंपनी के शेयरों में 7 फीसदी से ज्यादा की ज़बरदस्त गिरावट देखने को मिली, जिससे निवेशकों में घबराहट फैल गई।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अण्डा सर्कल जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र. 202511101200034 /अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रा.प्र.क्रं 202511101200034/31-6 /वर्ष 2025-26 आवेदिका श्रीमती त्रिवेणी ठाकुर पति स्व. बेदनाथ व अन्य-05 तहसील व जिला दुर्ग, छ.ग. के द्वारा कास्तकार ग्राम कुथरेल प.ह.नं. 32 रा.नि.म. अण्डा तहसील व जिला दुर्ग स्थित खसरा नंबर 414, 568/1, 1020 रकबा 0.3400, 0.6100, 0.4600 हे. कुल खसरा 03 कुल रकबा 1.4100 हे. भूमि आवेदगण के पति/पिता के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के खातेदार स्व. बेदनाथ ठाकुर पिता स्व. नथेला की मृत्यु दिनांक 28.09.2025 को हो जाने पर मृतक भूमिस्वामी के नाम को राजस्व अभिलेख से विलोपित कर उनके विधिक वारिसान के नाम दर्ज किये जाने एवं शेष खातेदार के नाम को यथावत रखे जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 27.11.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12.11.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, अण्डा जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202511101000039/अ-6अ/सन्- 2025-26

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न. 00045 हे.

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- तोरन लाल देवांगन/अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

आवेदक तोरनलाल देवांगन पिता/पति/विभाग-स्व.बरनू राम देवांगन पता दल्लीराजहरा द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग की भूमि पुराना खसरा न. 276/3, 276/4 नया खसरा 3202, 3203 रकबा 0.030 हे. आवेदक एवं अन्य के नाम पर शामिलात खाते में दर्ज है। जिसमे तोरनलाल पिता बरनूराम का नाम राजस्व अभिलेख से विलोपित हो गया है। जिसे दर्ज किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 26.11.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है । समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07.11.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाईनगर (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं शपथकर्ती दीपमाला पति चंद्र शेखर, उम्र 43 वर्ष, जाति सामान्य, निवासी-1036/7/3, होलीसटिक फाउंडेशन रोड, साई मंदिर के पीछे इस्पात नगर रिसाली तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) 491107 की निवासी हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं:- यह कि, मै दर्शित पते पर निवास करती हूं। यह कि मेरे पुत्र लोकाव्य सिंह (LOKAVYA SINGH) के जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में मेरे पुत्र का नाम लोकाव्य (LOKAVYA) दर्ज है। यह कि मेरे पुत्र के समस्त अंकसूची में मेरे पुत्र का नाम (LOKAVYA SINGH) दर्ज है जो कि सत्य व पूर्ण है। यह कि लोकाव्य सिंह (LOKAVYA SINGH) एवं लोकाव्य (LOKAVYA) दोनो नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे पुत्र के ही नाम है। यह कि मैं अपने पुत्र के आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज नाम लोकाव्य (LOKAVYA) के स्थान में मेरे पुत्र का पूर्ण नाम लोकाव्य सिंह (LOKAVYA SINGH) को दर्ज करवाना चाहता हूं जो कि मेरे पुत्र के अंकसूची में स्पष्ट दर्ज है को शासकीय गजट में प्रकाशन करवाना चाहती हूं।

शपथकर्ती
दीपमाला पति चंद्र शेखर,
निवासी-1036/7/3, होलीसटिक फाउंडेशन रोड, साई मंदिर के पीछे इस्पात नगर रिसाली
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

में शपथकर्ता निरंजन ठाकुर पिता शोभाराम ठाकुर, उम्र 47 वर्ष निवासी हाउस न. 15/2, आदर्श नगर उतई वॉर्ड न. 11 दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491107 का हूँ जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन करता हूँ:- यह कि मेरा नाम एवं पता बताये अंनुसार है। यह कि मेरे पुत्र सोम्य सिंह (SOMYA SINGH) को पूर्व में सोम्य ठाकुर (Somy Thakur) पिता का नाम निरंजन ठाकुर (Niranjan Thakur) माता जी का नाम महेश्वरी ठाकुर (Maheshwari Thakur) पुकारा जाता था। यह कि मेरे पुत्र सोम्य सिंह (SOMYA SINGH) के द्वारा अपना पुराना नाम सोम्य ठाकुर (Somy Thakur) पिता का नाम निरंजन ठाकुर (Niranjan Thakur) माता जी का नाम महेश्वरी ठाकुर (Maheshwari Thakur) को त्याग कर अपना नया नाम सोम्य सिंह (SOMYA SINGH) पिता- निरंजन कुमार (NIRANJAN KUMAR) तथा माता का नाम कंचन (KANCHAN) रख लिया है तथा वर्तमान में मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाता है। यह कि मेरे पुत्र सोम्य सिंह (SOMYA SINGH)के आधार कार्ड एवं सभी शासकीय एवं अर्धशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम सोम्य ठाकुर (Somy Thakur) पिता का नाम निरंजन ठाकुर (Niranjan Thakur) माता जी का नाम महेश्वरी ठाकुर (Maheshwari Thakur) से बदलकर सोम्य सिंह (SOMYA SINGH) पिता निरंजन कुमार (NIRANJAN KUMAR) तथा माता का नाम कंचन (KANCHAN) दर्ज कर पढ़े एवं समझे जाने के समर्थन में मेरे द्वारा यह शपथ पत्र श्रीमान कार्यपालिक मजिस्ट्रेट महोदय के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं। अत: यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
निरंजन ठाकुर पिता शोभाराम ठाकुर
निवासी हाउस न. 15/2, आदर्श नगर
उतई वॉर्ड न. 11 दुर्ग (छ.ग.) 491107

नाम-परिवर्तन

मैं शपथकर्ता जितेन्द्र कोचर (JITENDRA KOCHR) पिता श्री रतन चंद कोचर, आयु 43 वर्ष निवासी मकान नं.- 865, वार्ड नं.-30, डिपरा पारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूँ जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ :- यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है। यह कि मेरी पुत्री भावना कोचर (BHAVNA KOCHR) पिता जितेन्द्र कोचर (JITENDRA KOCHR) की जन्मतिथि- 21/08/2010 है। यह कि मेरे पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र जन्म-मृत्यु पंजीयन कार्यालय नगर पालिका निगम दुर्ग जिला दुर्ग से जारी किया गया है, जिसका पंजीयन क्रमांक 3674, दिनांक 04/07/2025 है। उक्त जन्म प्रमाण पत्र मेरी पुत्री व पिता का नाम भावना जैन (BHAVNA JAIN) पिता जितेन्द्र जैन (JITENDRA JAIN) दर्ज है एवं माता का नाम हीरा जैन (HEERA JAIN) दर्ज है। मेरी पुत्री ने नर्सरी से छठवी तक शिवम पब्लिक बैजनाथ पारा दुर्ग में अध्ययन की है, जिसमें मेरी पुत्री व पिता का नाम कु. भावना जैन (KU. BHAVNA JAIN) पिता जितेन्द्र जैन (JITENDRA JAIN) दर्ज है एवं माता का नाम हीरा जैन (HEERA JAIN) दर्ज है एवं मेरी पुत्री ने कक्षा सातवी से नवमी बालाराम जोशी शासकीय आदर्श कन्या उ.मा. माध्यमिक विद्यालय दुर्ग में अध्ययन की है, मेरी पुत्री के कक्षा सातवी से नवमी तक अंकसूची में मेरी पुत्री व पिता का नाम भावना जैन (BHAVNA JAIN) पिता जितेन्द्र जैन (JITENDRA JAIN) दर्ज हैं एवं माता का नाम हीरा जैन (HEERA JAIN) दर्ज है। यह कि मेरी पुत्री कक्षा दसवीं में बालाराम जोशी शासकीय आदर्श कन्या उ.मा. माध्यमिक विद्यालय दुर्ग में अध्ययनरत् हैं। यह कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में उसका नाम भावना कोचर (BHAVNA KOCHR) दर्ज है एवं 1344 07248 मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम जितेन्द्र कोचर (JITENDRA KOCHR) दर्ज है एवं मेरी पत्नी के आधार कार्ड मे उनका नाम हीरा कोचर (HIRA KOCHR) दर्ज है, जो कि सत्य व सही है। यह कि भावना जैन (BHAVNA JAIN) कु. भावना जैन (KU. BHAVNA JAIN) व भावना कोचर (BHAVNA KOCHR) तीनो नाम एक ही व्यक्ति का है अर्थात् मेरी पुत्री का नाम है तथा जितेन्द्र जैन (JITENDRA JAIN) व जितेन्द्र कोचर (JITENDRA KOCHR) दोनो नाम एक ही व्यक्ति का है अर्थात् मेरे स्वयं का नाम है तथा हीरा जैन (HEERA JAIN) व हीरा कोचर (HIRA KOCHR) दोनो नाम एक ही व्यक्ति का है अर्थात् मेरी पत्नी का ही नाम है। यह कि मैं अपनी पुत्री के स्कूल दाखिला, समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र एवं शासकीय, अर्द्धशासकीय दस्तावेजो में मेरी पुत्री व मेरा सही नाम भावना कोचर (BHAVNA KOCHR) पिता जितेन्द्र कोचर (JITENDRA KOCHR) एवं मेरी पत्नी का सही नाम हीरा कोचर (HIRA KOCHR) दर्ज करवाना चाहता हूं, जिसके संबंध में यह शपथपत्र प्रस्तुत है। अत: यह शपथपत्र उपरोक्त कथन की सत्यता में गजट प्रकाशन हेतु सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
जितेन्द्र कोचर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: सुबोध श्रीवास्तव — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202511100400215/अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/आवेदिका सुबोध श्रीवास्तव आ./पति प्रफुल्ल श्रीवास्तव निवासी नयापारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम दुर्ग प.ह.न. 19 तह. व जिला दुर्ग	1/175	0.0370 हें वर्गफीट 3900	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

नाम-परिवर्तन

मैं शपथकर्ता किशोर कुमार यादव पिता मुंशी यादव उम्र-43 वर्ष, पता-ग्राम बोरई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. का निवासी निवासी हूँ। यह कि मेरे पुत्री का नाम याशी यादव (YASHI YADAV) पिता किशोर यादव (KISHOR YADAV) जो कि मेरे पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र पंजीयन नं.-15 में एवं संपूर्ण दस्तावेजों में यह नाम दर्ज है। जो कि मेरे पुत्री के समस्त दस्तावेजों से अभिप्रमाणित है। तथा मेरे पुत्री के शैक्षणिक दस्तवेजों में पिता का नाम किशोर यादव दर्ज है, जो कि सही व सत्य है। मेरे पुत्री के भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड कं.-7244 7634 9569 में मेरे पुत्री का नाम महिमा यादव (MAHIMA YADAV) तथा पिता का नाम किशोर कुमार यादव दर्ज है. जो कि त्रुटिवश दर्ज हो गया है मेरे पुत्री का वास्तविक व सही नाम याशी यादव (YASHI YADAV) पिता किशोर यादव (KISHOR YADAV) है। तथा मेरे पुत्री को भविष्य में इसी नाम याशी यादव (YASHI YADAV) एवं पिता किशोर यादव (KISHOR YADAV) के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जायेगा। यह कि मेरे पुत्र के नाम महिमा यादव (MAHIMA YADAV) पिता का नाम किशोर कुमार यादव तथा याशी यादव (YASHI YADAV) पिता किशोर यादव (KISHOR YADAV) उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरा एवं मेरी पुत्री का नाम है। यह कि मेरे पुत्री के वास्तविक व सही नाम याशी यादव (YASHI YADAV) पिता किशोर यादव (KISHOR YADAV) है नाम में एकरूपता लाने के लिए शासकीय राजपत्र में प्रकाशन करवाने एवं इस आधार पर मेरे समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय दस्तवेजों व अभिलेखों में अंकित कराने बाबत् आवश्यक दस्तावेजों के साथ यह शपथ पत्र पेश है।

शपथकर्ता
किशोर कुमार यादव
पिता मुंशी यादव
पता-ग्राम बोरई
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: रुचि शर्मा — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202511100400208/अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/आवेदिका रुचि शर्मा आ./पति सिरिज ब्रम्हभट्ट निवासी ब्राम्हणपारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम फूलगांव प.ह.न. 25 तह. व जिला दुर्ग	223/33	0.0216हें वर्गफीट 2326	व्यवसायिक प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: अजय ब्रम्हभट्ठ — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202511100400216/अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/आवेदिका अजय ब्रम्हभट्ठ आ./पति चंदूलाल निवासी ब्राम्हण पारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम दुर्ग प.ह.न. 19 तह. व जिला दुर्ग	1/198	0.0275 हें वर्गफीट 3000	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: कविता साहू — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202511100400206/अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/आवेदिका कविता साहू आ./पति राजेश साहू निवासी गंजपारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम बघेरा प.ह.न. 18 तह. व जिला दुर्ग	342/516	0.0056 हें वर्गफीट 600	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नारायण प्रसाद साहू पिता रामसिंग साहू निवासी उरला दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा कुतकुंवर साहू पिता माखनलाल साहू की जन्म/मृत्यु दिनांक 10.04.2012 को हो जाने पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 27.11.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17.11.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपए लाख में)
1	179107 प्रथम आमंत्रण 10.11.2025	जिला बेमेतरा के बिरमपुर से ठेंगाभाठ मार्ग लंबाई 3.00 एवं दाढ़ी पचभैया आमचों मार्ग लंबाई 2.75 कि.मी. कुल लंबाई 5.75 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य। (समूह निविदा)	672.55
2	179105 प्रथम आमंत्रण 10.11.2025	1) जिला कबीरधाम के वि.खं. सहसपुर लोहारा के इरिमकसा के रेलई से छीरबांधा मार्ग लंबाई 2.90 कि. मी. का निर्माण कार्य, 2) बासिनझोरी से केजेदाह मार्ग लंबाई 2.70 कि.मी. का निर्माण कार्य, 3) कवर्धा थुहाडिह से खैरझिटी मार्ग लं. 1.30 कि.मी. का नवीनीकरण कार्य= कुल लं. 6.90 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य एवं कि.मी. 1/4 में मध्यम पुल का निर्माण कार्य। (समूह निविदा)	881.74
3	179141 प्रथम आमंत्रण 10.11.2025	जिला कबीरधाम के बिलासपुर मार्ग से दौजरी व्हाया नाऊडीह मार्ग लंबाई 4.20 कि.मी. का पुल पुलिया सहित मजबूतीकरण का कार्य।	497.40
4	179156 प्रथम आमंत्रण 10.11.2025	जिला कबीरधाम के भगवताटोला से भैसबोड़ मार्ग लंबाई 2.40 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	325.50
5	179158 प्रथम आमंत्रण 10.11.2025	गिधौरी चारपारा मार्ग लंबाई 5.625 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य. जमा मद।	744.68
6	179159 प्रथम आमंत्रण 10.11.2025	1) जिला कबीरधाम के मदनपुर से बटुराकछार मार्ग लंबाई 1.40 कि.मी. का निर्माण, 2) खड़ौदा से मदनपुर तक मार्ग लंबाई 3.40 कि.मी. का मजबूतीकरण एवं उन्नयन, 3) दशरंगपुर से खण्डसरा मार्ग लं. 3.00 कि.मी. का मजबूतीकरण = कुल लंबाई 7.80 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य। (समूह निविदा)	911.08
7	179165 प्रथम आमंत्रण 10.11.2025	जिला मोहला मानपुर अं. चौकी वि.खं. चौकी के ग्राम ब्राम्हणभेड़ी से थुहाडबरी मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	202.24
8	179175 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	जिला कोण्डागांव के केशकाल-विश्रामपुरी-बांसकोट मार्ग के कि.मी. 38/2 बांसकोट नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	624.49
9	179179 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	जिला कोरबा के लेमरू श्यांग मार्ग में लमटी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	370.64
10	179188 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	कुसमुरा में शासकीय नवीन महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य, वा.स.से.फि. एवं विद्युतीकरण, बाउण्ड्रीवाल एवं पहुंच मार्ग का कार्य, जमा मद।	465.84
11	179189 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	जिला सरगुजा के पर्री से पोड़ी मार्ग पर घुनघुट्टा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	813.52
12	179206 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के कपिलदेवपुर चौक से चलगली पहुंच मार्ग लं. 4.40 कि.मी. निर्माण कार्य।	473.87
13	179196 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	वर्ष 2025-26 जिला दुर्ग जालबांधा मार्ग (राज्य मार्ग क्र.22) में (रसमड़ा-खपरी) के पास नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	670.62
14	179225 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	वर्ष 2025-26 जिला दुर्ग जालबांधा मार्ग (राज्य मार्ग क्र. 22) में सेवती के पास नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	613.07
15	179232 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	जिला दुर्ग के दुर्ग धमधा-बेमेतरा मार्ग के कि.मी. 13/4 (राज्यमार्ग क्र. 07) में समोदा नाला पर उच्चस्तरीय पुल मय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	826.90
16	179235 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	जिला दुर्ग के दुर्ग धमधा-बेमेतरा मार्ग के कि.मी. 20/6 (राज्यमार्ग क्र. 07) में ननकट्टी नाला पर उच्चस्तरीय पुल मय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	520.50
17	179244 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	विकासखण्ड बलौदा के अंतर्गत पहरिया में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय (के.जी.बी.व्ही. टाईप 3) में भवन का निर्माण कार्य, वा.स.से.फि. विद्युतीकरण एवं पहुंच मार्ग का कार्य, जमा मद।	295.59
18	179251 प्रथम आमंत्रण 11.11.2025	जिला कांकेर में इन्दुकेंवट, शासकीय महाविद्यालय केम्पस में 08 नग, अतिरिक्त कक्ष एवं मल्टीपर्पस हाल विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य, जमा मद।	252.56

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 01 से सं.क्र. 18 दिनांक 03.12.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

जी-252604806/6

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

कार्यालय नगर पंचायत नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

Phone/Tex No. 07700-251887
Email-cmonagri83@gmail.com
क्र./1029/न.पं./राजस्व/2025-26
नगरी, दिनांक 14/11/2025

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रमशीला बाई पति प्रेमसुख साहू जाति तेली वार्ड क्र. 08 नगर पंचायत नगरी जिला-धमतरी (छ.ग.) का निवासी है। उनके द्वारा नगर पंचायत नगरी क्षेत्रांतर्गत चन्द्रशेखर आजाद वार्ड क्र. 08 मीरा राईसमील पारा नगरी प.ह.नं. 23, आवासीय व्यपवर्तित भूमि मूल खसरा नंबर [illegible]

[illegible] 15/12/2025 तक कार्यालय नगर पंचायत नगरी के राजस्व शाखा में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 14/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के मोहर से जारी किया गया।

सील — मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पंचायत नगरी

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला धमतरी, (छत्तीसगढ़)

// संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक-पुअ/धम/एसी/निविदा -2 / 02/2025-26 दिनांक 14.11.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्यो के लिए मुहरबंद निविदाएं दो लिफाफा पद्धति से पुलिस कार्यालय धमतरी के कार्यालय में निर्माण कार्य हेतु नीचे दर्शाये गये प्रभावशील दर अनुसूची पर प्रपत्र "अ" में विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार / फर्म से दो लिफाफा पद्धति में (निविदा दर तथा अमानत राशि लिफाफा) एकल निविदा पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों (श्रेणी डी से ए तक) से प्रतिशत आधार पर पंजीकृत पावती युक्त, डाक स्पीड पोस्ट, हाथो-हाथ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू 750/- है।

1. निविदा प्रपत्र की कय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 27.11.2025 अपरान्ह 14.00 बजे तक
2. ठेकेदारों द्वारा निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 3.12.2025 अपरान्ह 12.00 बजे तक
3. निविदा खोले जाने की तिथि - 4.12.2025 अपरान्ह 12.00 बजे

क्र.	कार्य / स्थल का नाम	कार्य की अनुमानित लागत / अमानत राशि रूपये में
1	रक्षित केन्द्र में डॉग केनॉल निर्माण	2000000 (बीस लाख) 15000/-

शर्तेः- निविदा के संबंधित शर्ते एवं विस्तृत विवरण पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रूद्री जिला धमतरी में देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु शीर्ष "0055-पुलिस, 800-अन्य प्राप्तियों" में रू 750/- का चालान जमा कराकर चालान की मूल प्रति कॉपी इस कार्यालय में जमा करावें। एफडीआर पुलिस अधीक्षक धमतरी के नाम से बनाया जावेगा। अंतिम तिथि के पास प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

जी- 252604795/1

सही/-
पुलिस अधीक्षक
जिला-धमतरी

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक - 8

मैनुअल पद्धति से द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 36/लो.क.वि./न.पा.नि./जोन क्र. 8/2025 रायपुर, दिनांक 17/11/2025

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 8 अंतर्गत निम्नांकित प्रस्तावित कार्यो के लिए सक्षम श्रेणी में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों/पंजीकृत किराया भण्डार/फर्मो से आयटम दर/पी.डब्ल्यू.डी.रोड/भवन एस.ओ.आर. 2015/पी.एच.ई. एस.ओ.आर. 2020 अद्यतन संशोधित दर पर त्री लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवश्यक निर्धारित दस्तावेज सहित आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 25/11/2025 दिन मंगलवार सायं 5.00 बजे तक। अपूर्ण दस्तावेज का आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा।
2. दस्तावेज निरिक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 28/11/2025 दिन शुक्रवार
3. जोन आयुक्त, कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 8 मोहबा बाजार रायपुर (छ.ग.) में त्री लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक से निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 02/12/2025 दिन मंगलवार सायः 5.30 तक।
4. प्राप्त समस्त पात्र निविदाएं दिनांक 05/12/2025 दिन शुक्रवार को प्रातः 12.00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। अपरिहार्य कारणों निर्धारित तिथि पर निविदा नहीं खुलने पर आगामी तिथि निर्धारित की जावेगी कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि लाख में	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	निविदाकार की श्रेणी	समयावधि	एस.ओ.आर.	फार्म का प्रकार
1	माधवराम सप्रे वार्ड क्र.-69 अंतर्गत सुन्दरम विहार देवांगन बाड़ी के पास नाली निर्माण कार्य। (सामान्य मद)	5.00	5000.00	750.00	Class-D & above	04 माह	P.W.D. S.O.R. 2015	A
2	संत रविदास वार्ड सरोना के.पी.एस. विद्यालय के पास विश्वकर्मा समाज हेतु सामुदायिक भवन निर्माण। (प्रभारी निधि)	7.65	6000.00	750.00	Class-D & above	05 माह	P.W.D. S.O.R. 2015	A

निविदा की शर्ते :-

1. निविदा के दस्तावेज बंद लिफाफा में रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड पोस्ट से प्राप्त किया जायेगा। 2. ई. पंजीयन प्रमाणपत्र (जीवित).
3. बैंक साल्वेंशी, 4. बैंक पासबुक की छायाप्रति। 5. GST प्रमाण पत्र एवं GST Retrun (3B) (विगत 3 माह) 6. आयकर रिटर्न (विगत 3 वर्ष) तथा 100 रु का स्टाम्प पेपर निविदा जारी होने की तिथि के पश्चात् का शपथ पत्र होना अनिवार्य है। 7. निविदा जारी होने के पश्चात् से प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक एफ.डी.आर. मूल एवं छायाप्रति प्रस्तुत होना आवश्यक है। तथा जो एफ.डी.आर. जीवित होना आवश्यक है। 8. त्री लिफाफा पद्धति में निविदा प्राप्त नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।
2. टीपः- अन्य निविदा की शर्ते एवं जानकारियां कार्यालयीन समय व दिवस में कार्यालय जोन क्र. 8 में अवलोकन किया जा सकता है।
3. निविदा में किसी भी विवाद की स्थिति में सक्षम अधिकारी का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-08
नगर पालिक निगम, रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अण्डा दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र. 202510103300027 /अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका जमुनाबाई पिता/पति रामसताव निषाद वगै, निवासी ग्राम पीपरछेड़ी तह. व जिला दुर्ग मौजा ग्राम पीपरछेड़ी प.ह.न 22 रा.नि.मं. अंजोरा ख तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 67/2, 351/1, 359 रकबा कुल 0.9700 हे. रामसताव निषाद के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक 08.02.2025 को हो जाने के कारण वारीसानों का नाम दर्ज करने आवेदन पेश किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 24.11.2025 अथवा प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित आपत्ति आवेदन पेश कर सकतें हैं। समयावधि समाप्त होने पर आपत्ति/दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.10.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के पद मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: संजय कुमार जैन व अन्य-1 — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202511100400269/अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/आवेदिका संजय कुमार जैन व अन्य 01 आ./पति स्व. चिरंजीलाल जैन निवासी अम्बेडकर नगर कोहका द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम कोहका प.ह.न. 45 तह. व जिला दुर्ग	7551	0.0200 हें वर्गफीट 2400	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 14.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: प्रमिन साहू — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202511100400207/अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/आवेदिका प्रमिन साहू आ./पति शिशुपाल साहू निवासी गंजपारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम बघेरा प.ह.न. 18 तह. व जिला दुर्ग	342/517	0.0056 हें वर्गफीट 600	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202505100700001 /अ-74/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रेनु बजारे आ. स्थ जिला-दुर्ग (छ.ग.) द्वारा अपने पिता स्व. प्यारे लाल बंजारे आ. श्याम रतन बंजारे, जो नगर प्यारेलाल बंजारे, निवासी-मिनी माता पारा, स्टेशन मरोदा वार्ड नं.-62, पोस्ट-उतई तह. व पालिका निगम भिलाई में स्थायी कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे। आवेदिका द्वारा अपने पिता की मृत्यु दिनांक 30/08/2023 को हो जाने के कारण अनुकम्पा नियुक्ति हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया जो अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दुर्ग के ज्ञापन क. 957 दिनांक 08/04/2025 के माध्यम से जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस कार्यालय में प्राप्त हुआ। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 10.12.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30.10.2025 को यह ईश्तहार मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक साबिर मोहम्मद पिता इकबाल मोहम्मद निवासी केलाबाड़ी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा साबिर मोहम्मद पिता इकबाल मोहम्मद की जन्म/मृत्यु दिनांक 01.07.1964 को हो जाने पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.11.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14.11.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202510103800006/अ-20(3)/वर्ष 25-26

मामले की श्रेणी-राजस्व

दुर्ग प.ह.न. 00019 हे.

पक्षकारों का विवरणः आवेदक पक्षकार- कुसुमलता साहू/ अनावेदक पक्षकार : छ.ग. शासन

ईश्तहार

आवेदिका कुसुम लता साहू पति पवन कुमार साहू, निवासी 11 ए भिलाई के आवेदन अनुसार दुर्ग नजूल स्थित शीट क्र. 28 डी, प्लाट नं. 98/2, रकबा 211.50 वर्गमीटर भूमि अनुराधा पारख पति दिलीप पारख के नाम नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक द्वारा ऋष्टा राशि का भुगतान यूनियन बैंक आफ इंडिया को समयावधि में नहीं करने के कारण सार्वजनिक नीलामी सरफ्सी एक्ट 2002 के तहत् अधिकृत अधिकारी समीर होता पिता बालाराम होता निवासी संबलपुर ओडिसा द्वारा पंजीकृत बयनामा दिनांक 07.10.2025 आवेदिका के पक्ष में निष्पादित किया गया है। उक्त आधार पर नामांतरण करते हुए स्वयं का नाम दर्ज किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 17.12.2025 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा कराया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप। आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं की जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13.11.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

ये कैसी स्वास्थ्य व्यवस्थाः एसीआई में अब एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी भी ठप

- बीते चार-पांच दिनों में बिना एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी के मरीज लौटाए
- सामग्री नहीं होने के कारण बायपास और ओपन हार्ट सर्जरी पहले से ही बंद है

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के दावों के बीच राजधानी रायपुर का एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (एसीआई) गंभीर संसाधन संकट से जूझ रहा है। अम्बेडकर अस्पताल के अंतर्गत संचालित एसीआई में पिछले दो महीनों से बायपास और ओपन हार्ट सर्जरी बंद हैं, और अब एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी भी ठप हो गई है। कारण-चिकित्सा सामग्रियों की सप्लाई बंद होना। सप्लायर फर्म का करीब 15 करोड़ रुपए बकाया है, जिसके चलते जरूरी हार्ट उपकरणों की आपूर्ति रोक दी गई है।

पिछले चार-पांच दिनों में बड़ी संख्या में हार्ट मरीज बिना एंजियोग्राफी-एंजियोप्लास्टी कराए लौट चुके हैं। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि आयुष्मान योजना के तहत भुगतान हो रहा है, लेकिन सप्लायर को बकाया नहीं मिलने से सामग्रियां आना बंद हैं। यहां तक कि मरीज यदि नगद भुगतान भी करें, तब भी सप्लाई नहीं दी जा रही, क्योंकि पुराना बकाया साफ नहीं हुआ है।

हार्ट के इलाज के लिए कैथेटर, टायगर वायर, स्टेंट और बैलून जैसी सामग्री उपलब्ध नहीं है। स्टेंट की कीमत 72,000 से 78,000 तक होती है और कई मरीजों को दो-तीन की आवश्यकता पड़ती है। इसके अभाव में एसीआई में दैनिक रूप से जारी होने वाली ओटी लिस्ट भी कैंसल करनी पड़ रही है।

इस बीच अस्पताल प्रबंधन ने सामग्री खरीद के लिए टेंडर जारी किया है और दावा किया है कि जल्द ही बायपास व ओपन हार्ट सर्जरी बहाल होंगी। तीन साल से अधूरा पड़ा नया ऑपरेशन थिएटर भी प्रशासनिक उदासीनता का शिकार है। स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को इस संबंध में अहम बैठक प्रस्तावित है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि सप्लायर के भुगतान के लिए प्रक्रिया जारी है और उम्मीद है कि जल्द ही मरीजों को पुनः सभी सुविधाएँ मिलनी शुरू हो जाएँगी।

15 करोड़ रुपए का भुगतान अटका

- सप्लायर फर्म का भारी बकाया
- चिकित्सा सामग्री की सप्लाई बंद
- एंजियोग्राफी-एंजियोप्लास्टी रुक गई

60 दिनों से बंद बायपास-ओपन हार्ट सर्जरी

- सामग्री न होने से ऑपरेशन ठप
- पुरानी दर पर सप्लाई देने से फर्म का इंकार
- टेंडर प्रक्रिया जारी

चार-पांच दिनों में कई मरीज लौटाए गए

- एंजियोग्राफी-एंजियोप्लास्टी के लिए O.T. लिस्ट बनी
- लेकिन सामग्री न होने से केस कैंसल
- इमरजेंसी मरीज भी परेशान

3 साल से अधूरा नया ओटी

- हार्ट ट्रांसप्लांट और बच्चों की सर्जरी के लिए बन रहा
- PWD ने सिविल वर्क पूरा किया
- CGMSC का मॉड्यूलर OT टेंडर-77.51 लाख का प्रावधान

साइबर धोखाधड़ी: अमेरिका रिटर्न बुजुर्ग महिला से 80 लाख की ठगी

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शहर के सनसिटी क्षेत्र में एक दिलचस्प और चिंताजनक धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। यहां रहने वाली एक अमेरिका रिटर्न एनआरआई बुजुर्ग महिला को मनीलॉड्रिंग और डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर शातिर आरोपियों ने 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। यह मामला कोतवाली थाना में दर्ज हुआ है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पीड़ित महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि 7 नवबर को उसके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने महिला को मनीलॉड्रिंग के एक मामले में फंसने का डर दिखाया और उसे बताया कि अगर वह इस मामले को जल्द सुलझाना चाहती है, तो उसे जज के सामने मामले को दिखाना होगा। आरोपी ने महिला को यह लालच दिया कि अगर वह इस मामले को सुलझाती है, तो उसे रकम का 30 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। डर और लालच में फंसी महिला ने बिना सोचे-समझे आरोपी के बताए खातों में पहले 58 लाख

रुपए और फिर बाद में 21 लाख रुपए आरटीजीएस कर दिए। इस तरह, महिला ने कुल मिलाकर 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली।

जब महिला बड़ी रकम आरटीजीएस करने बैंक पहुंची, तो बैंक अधिकारियों ने उसे इस ट्रांजैक्शन को रोकने की सलाह दी। हालांकि, महिला डर की वजह से बैंक अधिकारियों की चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए रकम ट्रांसफर कर दी। बाद में उसे समझ में आया कि वह एक धोखाधड़ी का शिकार हो चुकी है।

कोतवाली थाना के टीआई नंद किशोर गौतम ने बताया कि इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर लिया गया है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

अब कोच अटेंडेंट, संविदा कर्मियों का भी होगा वेरिफिकेशन

रायपुर/नवप्रदेश। सफर के दौरान सुविधाओं के साथ यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने पर जोर दिया जा रहा है। अब सभी कोच अटेंडेंट, संविदा कर्मचारियों का फिर से पुलिस वेरिफिकेशन करना होगा। साथ ही लंबित मामलों की पहचान करने और सुरक्षा प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित करने व सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लानी होगी। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल को इस सिलसिले में नोटिस जारी किया है। बोर्ड की ओर से जारी पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि ओबीएचएस, लिनेन और कोच अटेंडेंट जैसे सभी ऑनबोर्ड कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कार्य पूरा कर, सीएमएम पोर्टल पर डेटा अपडेट सुनिश्चित करें।

हाल ही में ही ट्रेन में पुलिस जवानों के साथ मारपीट का मामला सामने आया। इसके बाद बोर्ड की ओर से यह नोटिस जारी किया गया। वैसे भी किसी भी कर्मचारी का पहले से ही पुलिस वेरिफिकेशन कराना जरूरी है।

लेकिन इस घटना के बाद फिर से सत्यापन करने को कहा गया है।

20 तक सीएमएम पोर्टल पर होगा अपडेट

ओबीएचएस, लिनेन और कोच अटेंडेंट जैसे सभी ऑनबोर्ड कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कर सत्यापन प्रक्रिया जल्दी करने के निर्देश दिए गए हैं और इसके डेटा को अपडेट कर सीएमएम पोर्टल पर 20 नवंबर तक संबंधित कार्यालय में सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करने कहा गया है। इसके साथ ही बीच में डेटा को अपडेट करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

क्राइम प्रवृत्ति के होने पर खतरा

ट्रेनों में संविदा पर कोच अटेंडेंट, बेड रोल वितरक और सफाई का काम करने वाले ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) कर्मियों को काम पर लगाया जाता है। अब पुलिस वेरिफिकेशन के बगैर इनको काम करने की अनुमति नहीं मिलेगी। ये हर समय हजारों यात्रियों के बीच में काम करते हैं। क्राइम प्रवृत्ति के कर्मचारी होने पर कभी भी यात्रियों के साथ बड़ी घटना होने का डर बना रहता है। इसलिए यात्रियों को सफर के दौरान सुविधाओं के साथ सुरक्षा प्रदान करने के लिए इसे अनिवार्य कर दिया गया है। जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बिलासपुर से पेण्ड्रारोड तक 2000 करोड़ की लागत से बनेगी तीसरी रेल लाइन

बिलासपुर/नवप्रदेश। एसईसीआर के बिलासपुर डिवीजन अंतर्गत कटनी सीआईसी सेक्शन में पेण्ड्रारोड से कटनी मुरवारा तक तीसरी लाइन का काम कम्पलीट कर दिया गया है, जिसके उपरांत अब बिलासपुर से पेण्ड्रारोड तीसरी लाइन का काम किया जाना है। इस कार्य के लिए रेलवे बोर्ड ने 2 हजार करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें लाइन के अलावा इलेट्रिफिकेशन व अन्य कार्य को शुरुआत जल्द ही की जाएगी। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी महत्वपूर्ण शहरों को रेल मार्ग द्वारा उत्तर भारत से जोड़ने वाली बिलासपुर-कटनी मार्ग पर तीसरी लाइन का कार्य क्षमता आवर्धन के दृष्टिगत किया गया। इसमें मध्यप्रदेश राज्य में रेल नेटवर्क को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से अनूपपुर से कटनी तीसरी लाइन परियोजना को 2311.02 करोड़ रुपए की लागत लगाकर 165.52 किलोमीटर का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में अब इस सेक्शन में पेण्ड्रारोड से कटनी तक तीसरी लाइन पूरी हो गई है। पिछले कई वर्षों से लाइन का निर्माण कार्य और स्टेशनों से जोड़ने की वजह से यात्री ट्रेनों को भी रद्द किया गया था। नई तीसरी रेल लाइन के बनने से यात्रियों के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की सुविधा उपलब्ध होगी। कटनी सेक्शन के बीच बनाई गई तीसरी लाइन के अलावा इलेक्ट्रिफिकेशन व अन्य कार्य किए गए हैं। 2311.02 करोड़ रुपए की लागत से 165.52 किलोमीटर तक बनाई गई तीसरी लाइन को 17 स्टेशन से जोड़ा गया है।

शेयर मार्केट से रकम दोगुना करने का झांसा देकर आरक्षक से 15 लाख रुपए की ठगी

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शहर की चिखली चौकी में पदस्थ आरक्षक को शेयर मार्केट में पैसा दोगुना करने का लालच देकर 15 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। पीड़ित जवान की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरक्षक गोपाल प्रसाद देवांगन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका परिचित प्रकाश सिन्हा निवेश पर दोगुना मुनाफा दिलाने का झांसा देकर उनसे बड़ी रकम ले गया। दोनों के बीच पहले से जान-पहचान थी, जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने विश्वास जीत लिया। 10 मई 2024 को आरोपी प्रकाश ने पीड़ित को पीटीएस राजनांदगांव स्थित अपने घर बुलाकर शेयर मार्केट में निवेश का प्रस्ताव दिया। उसने दावा किया कि रकम एक साल में दोगुनी होकर लौटेगी। इसके बाद पीड़ित ने भरोसा कर 17 मई को 5 लाख और 21 मई को 10 लाख रुपए एसबीआई खाते से आरोपी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित के अनुसार एक साल बीत जाने के बाद भी न तो कोई लाभ मिला और न ही मूल राशि वापस की गई। आरोपी ने कई महीनों तक संपर्क करने पर टालमटोल किया और बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। पुलिस ने मामले में आईपीसी की धारा के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी की लोकेशन और वित्तीय ट्रांजेक्शनों की जांच शुरू कर दी है।

ठंड से बचने आग तापते समय झुलसकर दो महिलाओं की मौत

रायपुर/सरगुजा/नवप्रदेश। उत्तरी छत्तीसगढ़ में ठंड बढ़ने के साथ ही अलाव तापते समय झुलसकर मौत की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। सरगुजा के मैनपाट थाना क्षेत्र के सुपलगा में एक 65 वर्षीया वृद्धा चूल्हा में झुलस गई थी। अस्पताल के बजाए 14 दिनों तक उसे घर पर ही रखा गया। समुचित उपचार नहीं मिलने से हालत गंभीर हुई और मेडिकल कॉलेज में रहने के साथ ही उसकी मौत हो गई। इसी तरह दूसरी घटना सूरजपुर के ग्राम जोबगा में हुई, जहां 35 वर्षीय महिला की हीटर से आग तापते समय जलने से मौत हो गई।

पहली घटना : चूल्हे में गिरकर झुलसी महिला

मिली जानकारी के अनुसार, 31 अक्टूबर को कमलेश्वरपुर के सुपलगा निवासी परमेश्वरी नायक पति नंदलाल नायक (65 वर्ष) पति-पत्नी दोनों घर के भीतर आग ताप रहे थे। थोड़ी देर बाद पति सोने चला गया। कुछ देर बाद जब परमेश्वरी भी सोने के लिए उठी, तो अचानक चूल्हे में गिर गई। चीखने पर पति की नींद खुली और उसने किसी प्रकार आग बुझाई। अस्पताल ले जाने के बजाय घर पर ही उसका इलाज करा रहा था। जंगली जड़ी-बूटी भी लगा रहा था, मगर उसकी हालत नहीं सुधर रही थी। 15 नवंबर को उसकी हालत और गंभीर हो गई, जिसके बाद उसे कमलेश्वरपुर चिकित्सालय ले जाया गया, जहां से रेफर किए जाने पर मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दूसरी घटना : पति लौटा तो पत्नी को पाया झुलसा

सूरजपुर जिले के दूरस्थ ग्राम जोबगा में भी आग तापने के दौरान एक महिला की मौत हुई। पुलिस के मुताबिक, जोबगा निवासी लीला बरवा पति रामदास (35 वर्ष) 14 नवंबर की रात आठ बजे घर में हीटर जलाकर ताप रही थी, जबकि पति गांव में ही धान बेचने गया हुआ था। पति जब देर रात वापस लौटा, तब उसे गंभीर रूप से झुलसा हुआ पाया। सूरजपुर चिकित्सालय से रेफर किए जाने पर उसे मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां 15 नवंबर की रात साढ़े 11 बजे उपचार के दौरान उसकी सांसें थम गई।

किसानों को धान बेचने में अधिकारी करें मददः कलेक्टर

रायपुर/नवप्रदेश। 15 नवंबर से प्रदेशभर में धान खरीदी शुरू हो चुकी है। लेकिन पहले ही दिन शनिवार कई जगहों पर उपार्जन केंद्र ही नहीं खुले। स्थिति यह रही की कई समितियां एक दाना धान को भी तरसती रही। वहीं, अब उमीद है कि सोमवार से धान खरीदी में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

रायपुर जिले में धान खरीदी के लिए 139 उपार्जन केन्द्रों में पुता इंतजाम किए गए हैं। दावा है कि इन जगहों पर किसानों को बैठने के लिए विश्राम गृह, पीने के पानी एवं शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। इसको लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रविवार को धान खरीदी केन्द्रों में लगाए गए, नोडल अधिकारी एवं समिति प्रबंधकों, पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी और पंचायत सचिव सेत अन्य की बैठक ली। उन्होंने कहा कि धान खरीदी को हम पर्व की तरह मनाएं। इस कार्य में योगदान देने वाले सारे अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से क्रियान्वित करें। प्रशासन द्वारा तकनीकी सहायता के लिए प्रशिक्षण वीडियो भी तैयार किया जा रहा है।

कड़ी कार्रवाई के भी निर्देश

कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा एस्मा लागू किया गया है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनुशासनहीनता किए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। और आगे भी ऐसी कार्रवाई की जाएगी। यह प्रयास करें कि केन्द्र में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की तकलीफ न हो। ताकि वे अच्छी तरह से धान विक्रय कर सकें।

ट्रिपलआईटी में पीएचडी के लिए आवेदन शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। ट्रिपलआईटी रायपुर में पीएचडी एडमिशन स्प्रीरिंग सेमेस्टर 2026 के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। प्रतिभागी 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। शार्टलिस्ट किए गए कैंडिडेट्स की लिस्ट 19 दिसंबर को जारी की जाएगी। पीएचडी में प्रवेश के लिए टेस्ट व इंटरव्यू का आयोजन 7 जनवरी 2026 को किया जाएगा। जिसके रिजल्ट 9 जनवरी को जारी किए जाएंगे। इसके बाद सलेक्टेड प्रतिभागियों को 19 जनवरी 2026 को रिपोर्टिंग करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए ट्रिपलआईटी की वेबसाइट देख सकते हैं।

आईआईएम में दो दिनी अंतरराष्ट्रीय केस कॉन्फ्रेंस

रायपुर/नवप्रदेश। आईआईएम में अंतरराष्ट्रीय केस कॉन्फ्रेंस का आयोजन 30 और 31 जनवरी 2026 को किया जाएगा। कार्यक्रम में उभरते और वैश्विक बाजारों में प्रबंधन प्रथाओं, नवाचार-उन्मुख शिक्षा और भविष्य के बिजनेस ट्रेंड्स पर चर्चा होगी। शोधकर्ता और छात्र 31 दिसंबर तक अपने मूल और अप्रकाशित केस स्टडीज जमा कर सकते हैं।

राजनांदगांव-कोरबा में जल्द चलेगी सीएम ग्रामीण बस

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा का जल्दी ही विस्तार होगा। नक्सल प्रभावित सरगुजा और बस्तर के बाद राजनांदगांव के साथ ही कोरबा जिले में इसे शुरू करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए परिवहन विभाग द्वारा दोनों स्थानीय आरटीओ और जिला प्रशासन से जानकारी मांगी है। उक्त जिलों में संचालित बस सेवा, सड़कों की स्थिति और कनेक्टिविटी का ब्योरा देने कहा गया है। बताया जाता है कि राजनांदगांव के नक्सल प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवा की स्थिति को देखते हुए पिछले काफी समय से इसकी कवायद चल रही थी। 4 अक्टूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना' का शुभारंभ किया था।

प्रथम चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग में 34 बसें 11 जिलों के करीब 250 गांव को जोड़ा गया है। जल्दी ही 22 बसे दोनों ही संभागों में चलेगी। उक्त संभाग में कुल 100 बसों का संचालन किया जाना है।

सड़कों के बाद बसों का संचालन

अपर परिवहन आयुक्त डी रविशंकर ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण के बाद बसों का संचालन शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। यह महत्वाकांक्षी पहल उन गांवों तक बस सेवा पहुँचाने के लिए शुरू की गई है, जहां अब तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं है। योजना का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक निर्बाध बस कनेक्टिविटी स्थापित करना है। इससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और बाजार जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। सरकार ने इस योजना की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बस संचालकों को 'वायबिलिटी गैप फंडिंग' प्रदान करने का प्रावधान किया है।

चाकू दिखाकर स्टूडेंट्स को लूटा

महिला हिस्ट्रीशीटर ने इंस्पेक्टर बनकर डाली डकैती

रायपुर/नवप्रदेश। शहर में हिस्ट्रीशीटरों का आतंक कम नहीं हो रहा है। शहर में बेखौफ होकर गुंडागर्दी और वसूली कर रहे हैं। मर्डर कर चुकी एक महिला हिस्ट्रीशीटर ने इंस्पेक्टर बनकर अपने साथियों के साथ सेजबहार इलाके में डकैती डाली। एक फ्लैट में रहने वाले स्टूडेंट्स को बंधक बनाया। चाकू दिखाकर उनकी जमकर पिटाई की। इसके बाद नकदी व अन्य सामान लूट कर भाग निकले। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी महिला हिस्ट्रीशीटर सहित चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। मामले में दो अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक अमलीडीह में रोशिता तिर्की अपनी छोटी बहन रिया के साथ रहती है। उनका कजिन भाई अटल कुमार भगत कमल विहार के कृष्णा हाइट्स में किराए के

फ्लैट में रहते हैं। शनिवार-रविवार की रात अटल ने उन्हें फोन किया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है। इसके बाद रोशिता और रिया अटल के लिए खाना लेकर कृष्णा हाइट्स पहुंचे। अटल को खाना देकर दोनों फ्लैट से नीचे उतरे। लिफ्ट के पास महिला हिस्ट्रीशीटर पूजा सचदेव और तीन युवक खड़े थे। सभी नशे में थे। पूजा ने खुद को इंस्पेक्टर और युवकों को सिपाही बताते हुए रोशिता और रिया से पूछताछ करनी शुरू कर दी कि यहां क्यों आए थे। रोशिता ने अपने भाई के घर आने की जानकारी दी। इसके बाद सभी ने दोनों युवतियों को पकड़ लिया और मारपीट करते हुए अटल के फ्लैट में ले गए।

I PLUS
Security System
CCTV CAMERA
SALES & SERVICE

मार्केट से प्राइस लेकर आओं और भारी डिस्काउंट पाओं

हमारे यहॉ सभी प्रकार के सीसीटीवी कैमरा, कम्प्यूटर, एलईडी टीवी, एलईडी मॉनिटर, वीडियों डोर फोन, लैपटॉप, टेलीफोन, बॉयोमेट्रिक और नेटवर्किंग कार्य किये जाते है।
हमारे यहॉ सभी प्रकार सेक्यूरिटी सिस्टम होलसेल और रिटेल पर उपलब्ध है, और यहॉ सभी प्रकार के सीसीटीवी कैमरा, टीवी, मॉनिटर रिपेयर किये जाते है।

MR. KAILASH CHANDRAVANSHI (DEV)
Address - शॉप नं. 2 तिवारी कॉम्प्लेक्स, टिकरापारा रायपुर, छ.ग.
Email- iplusindia11@gmail.com
MO.- +91 79743-87329

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com